डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति माह 1 एवं 15 तारीख को प्रकाशित | पंजीयन 30.10.2002-17 05.12.2023 | वर्ष-40 | अंक-21 | मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

2 लाख 57 हजार 757 लाइसेंसी शस्त्र जमा

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता 9 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि पुलिस द्वारा शस्त्र लाइसेंस, विस्फोटक पदार्थों पर कार्रवाई हो रही है। प्रदेश में 2 लाख 85 हजार 379 लाइसेंसी शस्त्र हैं, जिसमें से अब तक 2 लाख 57 हजार 17 लाइसेंसी शस्त्र जमा कराए गए हैं। 576 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। प्रदेश में 811 फ्लाइंग स्क्वायड, 42 सर्विलांस टीम एवं 76 क्विक रिसपांस टीम कार्य कर रही हैं।

एजेंसियों द्वारा 133 करोड़ 88 लाख रुपये से अधिक की कार्रवाई

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के चलते आदर्श आचरण संहिता के दौरान 9 से 24 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा प्रदेश में 133 करोड़ 88 लाख 77 हजार 215 रुपये जब्ती की कार्रवाई हुई है। संयुक्त टीम ने 14 करोड़ 77 लाख 26 हजार 30 रुपये, 23 करोड़ 93 लाख 68 हजार 115 रुपये की शराब, 9 करोड़ 30 लाख 1 हजार 400 रुपये के मादक पदार्थ, 51 करोड़ 77 लाख 97 हजार 936 रुपये की अमूल्य धातु, सोना-चांदी/ज्वेलरी तथा 34 करोड़ 36 लाख 83 हजार 734 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की गई हैं।

मध्यप्रदेश में 17 नवम्बर को मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित

भोपाल, राज्य शासन ने परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट) 1881 के अंतर्गत प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव - 2023 के मतदान के लिये 17 नवम्बर 2023 शुक्रवार को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है।

सी-विजिल पर 2402 शिकायतें

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की अब तक 2402 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ये शिकायतें सी-विजिल ऐप से मिली हैं। प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हुई है। उल्लेखनीय है कि आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की त्वरित जानकारी के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप तैयार किया गया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

समीक्षा बैठक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने रीवा, शहडोल एवं जबलपुर संभाग में निर्वाचन 2023 की तैयारियों का लिया जायजा

निष्पक्ष निर्वाचन के लिए नियमों का पालन आवश्यक

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने रीवा, शहडोल एवं जबलपुर संभाग के जिलों में मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों पर विस्तार से समीक्षा की। जबलपुर में हुई बैठक में उपस्थित तीनों संभागों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षकों ने तैयारियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह सहित रीवा, शहडोल एवं जबलपुर संभाग के कमिश्नर, जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों पर रीवा, शहडोल एवं जबलपुर संभाग के जिलों की समीक्षा बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन

व्यापक प्रचार-प्रसार के दिये निर्देश

श्री राजन ने 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान की सुविधा और दी जा रही व्यवस्थाओं का भी व्यापक प्रचार के निर्देश दिये। उन्होंने मतदान के दिन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जिलों में बनाये गये कम्युनिकेशन प्लान पर भी चर्चा की। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए तीनों संभागों अंतर्गत चलाई जा रही स्वीप गतिविधियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ है वहां विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

व्यवस्थाओं की प्राप्त की जानकारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतदान के लिये मतदाताओं की पहचान हेतु निर्धारित वैकल्पिक पहचान पत्रों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये। विधानसभा निर्वाचन के लिये नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के लिये की गई व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली गई। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की नियमित तौर पर बैठकें बुलाकर उन्हें निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों से अवगत कराने के निर्देश दिये। बैठक में उम्मीदवारों के निर्वाचन व्यय पर निगरानी रखने के लिए गठित दलों की गतिविधियों पर भी चर्चा की गई।

अपराधों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बैठक में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन के लिये शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा निर्वाचन संबंधी अपराधों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये। श्री राजन ने कहा कि आदर्श आचरण संहिता सहित निर्वाचन नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्यवाही करें। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान अशांति पैदा करने का प्रयास करने वालों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें। निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य धातुओं और निषिद्ध वस्तुओं के परिवहन को रोकने हेतु चेक पोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी लेने के निर्देश दिए। सी-विजिल ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। जिससे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आने पर नागरिक तत्काल और मौके से ही उसकी शिकायत कर सकें।

30 अक्टूबर तक नामांकन जमा, 2 नवंबर नामांकन वापस की अंतिम तारीख

230 विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल, मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए 21 अक्टूबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि 30 अक्टूबर, नामांकन फार्म भरने की अंतिम तारीख रहेगी। नामांकन की संवीक्षा 31 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 2 नवंबर है। पूरे प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। मतगणना 3 दिसंबर को होगी। नामांकन दाखिल करते समय सामान्य अभ्यर्थी को 10 हजार रुपये और अनुसूचित जाति, जनजाति को 5 हजार रुपये जमानत राशि जमा करनी होगी।

अभ्यर्थी सहित 5 व्यक्ति को ही प्रवेश की अनुमति नामांकन भरने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ 4 व्यक्ति ही रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। केवल तीन वाहनों को ही 100 मीटर के अंदर प्रवेश की अनुमति मिलेगी। नामांकन भरने की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगी। दोपहर 3 बजे के बाद कक्ष में किसी को प्रवेश करने या दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थियों को नामांकन के समय सभी सुसंगत एवं आवश्यक दस्तावेज जैसे जमानत राशि का प्रमाण, प्रारूप-ए एवं बी, शपथ पत्र आदि के साथ आना होगा।

वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी यदि अभ्यर्थी उसी निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नहीं है जहां से वह चुनाव लड़ रहा है तो अभ्यर्थी को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली की प्रति या निर्वाचक नामावली से संबंधित भाग की प्रमाणित प्रति दाखिल करनी होगी। एक अभ्यर्थी एक ही निर्वाचन क्षेत्र के लिए 4 नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है। इन्हें एक साथ अथवा पृथक से दाखिल किया जा सकता है। नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

ऑनलाइन नामांकन की मिली सुविधा अभ्यर्थियों को ऑनलाइन नामांकन भरने के साथ ही रैली, बैठक, अस्थाई कार्यालय सहित अन्य अनुमति लेने के लिए ऑनलाइन सुविधा प्रदान की गई है। अभ्यर्थियों को सुविधा पोर्टल का उपयोग करना होगा। सुविधा पोर्टल के माध्यम से अभ्यर्थी ऑनलाइन जमानत राशि भी जमा कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने निर्वाचन सदन भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में संयुक्त टीमों द्वारा 140 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। इसमें रुपये, अवैध शराब, मादक पदार्थ, अमूल्य धातु, सोना, चांदी, ज्वेलरी एवं विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की जब्ती शामिल है। प्रदेश में सामान्य प्रेक्षक 152, पुलिस प्रेक्षक 35 और 102 व्यय प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं। 25 अक्टूबर तक 290 अभ्यर्थियों ने 327 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए हैं। बैठक में श्री अनुपम राजन ने बताया कि वोटर आईडी कार्ड के अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य किए गए 12 वैकल्पिक दस्तावेज के आधार पर मतदाता मतदान कर सकेंगे। मतदाताओं को मतदाता पर्ची और वोटर गाइड का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बार वोटर पर्ची में क्यूआर का कोड का उपयोग होगा। मतदान केंद्रों पर रैंप, बिजली, पानी, फर्नीचर, हेल्प डेस्क, शौचालय और समुचित संकेतकों की व्यवस्था की गई है।

पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

मध्यप्रदेश पुलिस देश के श्रेष्ठ बलों में से एक है - राज्यपाल

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। लाल परेड मैदान में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि पुलिस समाज का अभिन्न हिस्सा है। पुलिस अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए असामाजिक तत्वों एवं राष्ट्रद्रोही ताकतों का पूरी कठोरता के साथ दमन करे। समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे के वातावरण को मजबूत रखने से विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर उन्होंने देश एवं प्रदेश के शहीद पुलिस अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शहीदों के परिजनों से मुलाकात की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा शहीदों के परिजन अकेले नहीं हैं, वे स्वयं, प्रदेश की जनता, पुलिस प्रशासन और सम्पूर्ण समाज शहीदों के परिजनों के साथ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस देश के श्रेष्ठ बलों में से एक है।

17 जवान वीरगति को हुए प्राप्त

पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स जैसे दुर्गम क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों की चीनी सेना से मुठभेड़ हुई थी। मातृभूमि की रक्षा करते हुए जवानों ने कर्तव्य की वेदी पर प्राणों का उत्सर्ग किया। उन्हीं की स्मृति में देश की पुलिस इकाइयों द्वारा यह दिवस मनाया जाता है। श्री सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष मध्यप्रदेश पुलिस के 17 जवान वीरगति को प्राप्त हुए हैं।

व्यवहार और वाणी महत्वपूर्ण

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश पुलिस अपराधों की त्वरित विवेचना और अपराधियों को सजा दिलाने के साथ ही, यह सुनिश्चित करें कि किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं हो। समाज में सुरक्षा की भावना को बनाये रखने के लिये आम आदमी को भी पुलिस का सहयोगी बनना होगा। उन्होंने कहा कि जनता को सुरक्षित महसूस कराने में पुलिस की सजगता, संवेदनशील व्यवहार और वाणी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

21 अक्टूबर

सात देशों को गैर बासमती सफेद चावल निर्यात करेगा भारत

● भारत सात देशों को 10.34 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा

जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि शिपमेंट का प्रबंधन नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। इसमें से सबसे ज्यादा 2.95 लाख मीट्रिक टन चावल फिलीपींस भेजा जाएगा। फिलीपींस दुनिया का 8वां सबसे बड़ा चावल उत्पादक है, जो वैश्विक चावल उत्पादन में 2.8 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है, लेकिन उसे अपनी घरेलू खपत के लिए और अधिक चावल की जरूरत है। अल नीनो के संभावित प्रभाव से चिंतित होकर फिलीपींस अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए चावल भंडार को बढ़ा रहा है। कैमरून को 1.9 लाख टन, मलेशिया को 1.7 लाख टन, पश्चिमी अफ्रीका के देश कोट डिलवोइर को 1.42 लाख टन, गिनी गणराज्य को 1.42 लाख टन, नेपाल को 95 हजार टन और ईस्ट अफ्रीका के देश सेशल्स को 800 टन चावल एक्सपोर्ट किया जाएगा। गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर अभी बैन है, लेकिन इन देशों के विशेष अनुरोध पर सरकार इन्हें चावल दे रही है।

● रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ब्याज दर फिलहाल ऊंची बनी रहेंगी और केवल समय ही बताएगा कि यह कितने समय तक ऊंचे स्तर पर रहेंगी। मौजूदा भू-राजनीतिक संकट के मद्देनजर दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने महंगाई से निपटने के लिए अपनी ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। हालांकि महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने इस साल फरवरी से ब्याज दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। यह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार है। इससे पहले पिछले साल मई से लेकर टोटल छह बार में रेपो रेट में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस कारण होम लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो गए हैं।

22 अक्टूबर

प्रोजेक्ट 15बी का तीसरा स्टील्थ विध्वंसक 'इम्फाल' भारतीय नौसेना को सौंपा गया

● मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना को प्रोजेक्ट 15बी क्लास गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर यानी यार्ड 12706 (इम्फाल) का तीसरा स्टील्थ डिस्ट्रॉयर सौंप दिया है। इस युद्धपोत का निर्माण स्वदेशी स्टील डीएमआर 249 ए का उपयोग करके किया गया है और यह भारत में निर्मित सबसे बड़े विध्वंसक युद्धपोतों में से एक है, जिसकी कुल लंबाई 164 मीटर है और इसका विस्थापन 7500 टन से अधिक है। यह शक्तिशाली युद्धपोत समुद्री युद्ध के पूर्ण दायरे को शामिल करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यों और मिशनों को पूरा करने में सक्षम है। यह सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक 'ब्रह्मोस' मिसाइलों और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली 'बराक-8' मिसाइलों से लैस है। यह युद्धपोत समुद्र के भीतर युद्ध क्षमता के लिए विध्वंसक स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित है जिनमें प्रमुख रूप से सोनार, भारी वजन वाले टॉरपीडो टूयूब लॉन्चर और एएसडब्ल्यू रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं।

● मिस्र से हमास नियंत्रित इलाके में राहत ट्रकों का पहला जत्था पहुंचने के कुछ घंटे बाद ही इजराइली सेना ने गाजा में बमबारी की। इजराइली मीडिया ने कहा है कि इस हवाई हमले में हमास और इस्लामी जिहाद के आतंकवादी मारे गये। फिलिस्तीन ने एक बयान में कहा है कि दक्षिण गाजा शहर के खान यूनिस इलाके में इजराइली हवाई हमले में कम से कम 11 फिलिस्तीनी मारे गये हैं। फिलिस्तीन के निवासियों ने कहा है कि उन्हें उत्तरी गाजा से दक्षिण गाजा की ओर जाने के लिए इजराइली सेना की चेतावनी मिली है। चेतावनी में कहा गया है कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें आतंकवादी संगठन से सहानुभूति रखने वाला समझा जायेगा। इजराइली सेना ने सीरिया के दमिश्क और अलेप्पो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी मिसाइलें दागी हैं।

23 अक्टूबर

अगस्त में ईपीएफओ से जुड़े करीब 17 लाख सदस्य

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अगस्त, 2023 में शुद्ध रूप से 16.99 लाख मेंबर्स

जोड़े हैं। नियमित वेतन पर नौकरी पाने वालों के बारे में जारी आंकड़ों (पेरोल आंकड़ा) में यह जानकारी दी गई। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आंकड़ों की सालाना आधार पर तुलना करने पर अगस्त, 2022 के मुकाबले इस साल शुद्ध रूप से सदस्यों की संख्या में मामूली वृद्धि दिखती है। महीने के दौरान 3,210 प्रतिष्ठानों ने अपना पहला ECR (इलेक्ट्रॉनिक चलान सह रिटर्न) जमा कर कर्मचारियों को EPFO की सामाजिक सुरक्षा योजना के दायरे में लाया है। आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2023 के दौरान लगभग 9.26 लाख नए सदस्यों ने नामांकन किया है। EPFO में शामिल होने वाले 18-25 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी कुल नए सदस्यों का 58.36 प्रतिशत है। वहीं नियमित वेतन पर नौकरी पाने वालों का आंकड़ा दर्शाता है कि लगभग 11.88 लाख सदस्य जो बाहर चले गए थे, वे फिर से ईपीएफओ में शामिल हो गए। इस दर में सालाना आधार पर 10.13 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

● सिक्किम में अचानक आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर हुए नुकसान के बाद, भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर के जवान, सीमा सड़क संगठन के साथ-साथ नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों की सहायता कर रहे हैं। उत्तरी सिक्किम को फिर से जोड़ने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। सीमा सड़क संगठन, मुख्य मार्ग 'मंगन-तुंग-चुंगथांग' को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहा है, वहीं भारतीय सेना, सीमा सड़क संगठन, स्थानीय लोग और नागरिक प्रशासन की सहायता से वैकल्पिक मार्ग मंगन-संकलांग को खोलने का प्रयास कर रही है। इसके लिए तीस्ता नदी पर दो बेली ब्रिज के निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए पहले ब्रिज का कार्य पूरा कर लिया गया है।

24 अक्टूबर

माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 80 लाख के पार हुई

● केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा मंदिर का दर्शन

करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 80 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। 11 वर्षों के बाद इस साल तीर्थयात्रियों की संख्या एक करोड़ तक पहुंच सकती है। नवरात्रि के नौ दिन समेत पिछले 10 दिनों के दौरान 4 लाख यात्रियों ने माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। प्रतिदिन औसतन 35 से 40 हजार तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर रहे हैं। नवरात्र के दौरान माता वैष्णो देवी भवन में 4 प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई, जिनमें स्काई वॉक, पुनर्निर्मित पार्वती भवन, विस्तारित अटका क्षेत्र और भैरों घाटी में यात्रियों के लिए मुफ्त लंगर शामिल है। स्काई वॉक का उद्घाटन 12 अक्टूबर को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने किया था। नवरात्र के दौरान यात्रा के प्रबंधन में इस स्काई वॉक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

● भारतीय रेलवे त्योहारों के समय यात्रियों की सुविधा के लिए 283 विशेष रेलगाड़ियां चला रहा है। दिल्ली-पटना, दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, दानापुर-सहरसा, पुरी-पटना, ओखा-नहारलागुन, सेल्दाह-न्यू जलपाईगुडी, बनारस-मुम्बई जैसे कई प्रमुख मार्गों पर ये रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। भारतीय रेलवे ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रमुख स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल के अतिरिक्त कर्मी तैनात किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि प्रमुख स्टेशनों पर सहायता केन्द्र चालू किए गए हैं। साथ ही चिकित्सा दल और एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध हैं।

● भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मीडिया पुरस्कार के लिए मीडिया संगठनों से प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। प्रविष्टियां 10 दिसंबर तक जमा की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य लोगों को चुनाव प्रक्रिया, मतदान और चुनाव से जुड़े आईटी आवेदन जैसी जानकारी देने में मीडिया संगठनों के उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करना है। इसके अंतर्गत अगले साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर चार पुरस्कार दिए जाएंगे।

25 अक्टूबर

गाजा में पूर्ण युद्ध विराम से हमास को फायदा होगा

● अमेरिका ने कहा है कि गाजा में पूर्ण युद्ध विराम से केवल हमास को मदद मिलेगी। इजराइल का लक्ष्य आतंकी गुट के खिलाफ

हवाई हमले करना है। लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि मानवीय राहत पहुंचाने के लिए हमले रुक-रुक कर किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर के हमास के घातक हमले के बाद इजराइल ने जवाबी बमबारी पर्याप्त तेजी से नहीं की है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जोन क्रिबी ने पत्रकारों को बताया कि इस समय युद्ध विराम से केवल हमास को फायदा होगा। इजराइल में सीमा पार से हमास की आतंकी कार्रवाई के बाद से दोनों ओर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। हमास द्वारा नागरिकों की हत्याओं और उन्हें बंधक बनाने के बाद से गाजा क्षेत्र में इजराइल के जवाबी हमले जारी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम की अपील की थी, क्योंकि यूरोपीय संघ के नेता कुछ समय के लिए युद्ध रोकने की मांग कर रहे थे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र परिषद से अमेरिकी नेतृत्व में एक नए प्रस्ताव का समर्थन करने को कहा था, जिसमें मानवीय सहायता के दौरान कुछ समय के युद्ध विराम की बात कही गई थी, ताकि सहायता पहुंचाई जा सके, लेकिन इसमें पूर्ण युद्ध विराम शामिल नहीं है।

● मणिपुर में अफ्रीकी स्वाइन फीवर से सूअर उद्योग को भारी क्षति पहुंची है और कई सूअर पालकों को वित्तीय हानि हुई है। यह बीमारी शुरू में इंफाल शहर तक सीमित थी, लेकिन अब यह राज्य के अन्य जिलों तक फैल गई है। इंफाल में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में एक फर्म में इस महीने के दूसरे सप्ताह में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का पता चला था। बाद में यह बीमारी राज्य में घाटी के जिलों और कुछ पर्वतीय जिलों में फैल गई। बीमारी फैलने के मद्देनजर सरकार ने पहले ही एहतियाती उपायों की घोषणा कर दी थी। राज्य में सूअर के मांस के सेवन को पहले ही रोक दिया गया है।

26 अक्टूबर

आत्मनिर्भर बनने के लिए आयात पर निर्भरता कम कर रही सेना

● सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है कि भारतीय सेना आयात निर्भरता को अधिक से अधिक सीमित कर रही है ताकि आत्मनिर्भर बना जा सके। नई दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग पूर्वावलोकन कार्यक्रम में सेनाध्यक्ष ने कहा कि रक्षा बलों ने आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना सेना से उम्मीदों के अनुरूप किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेना ने परिवर्तन के पांच महत्वपूर्ण स्तम्भों को परिभाषित किया है, जिनमें सेना का पुनर्गठन, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी, संचार प्रणाली और कामकाज को बेहतर बनाना, समन्वय और एकीकरण तथा मानव संसाधन प्रबंधन शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मोर्चे पर अच्छी प्रगति हो रही है।

● देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान-एफ.आर.आई. में दो दिवसीय कंट्री लेड

इनिशिएटिव-सी.एल.आई. का आयोजन शुरू हुआ। लगभग 40 देशों और 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 70 से अधिक प्रतिनिधि जंगल की आग और वन प्रमाणन पर चर्चा के लिए इस कंट्री लेड इनिशिएटिव में व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों तरह से भाग ले रहे हैं। आशा है कि बैठक में जंगल की आग के प्रबंधन और वन प्रमाणन के लिए कार्यान्वयन योग्य रूपरेखा और सिफारिशें प्रस्तुत की जाएंगी जो टिकाऊ वन प्रबंधन को बढ़ावा देंगी। मई 2024 में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र वन मंच-यू.एन.एफ.एफ. के 19वें सत्र में सिफारिशों पर चर्चा की जाएगी।

27 अक्टूबर

व्यक्तिगत आयकर रिटर्न का आंकड़ा 6 करोड़ 37 लाख पहुंचा

● व्यक्तिगत करदाताओं ने आकलन वर्ष 2021-22 में छह करोड़ 37 लाख रिटर्न भरीं, जो आकलन वर्ष 2013-14 में भरी गई तीन करोड़ 36 लाख रिटर्न की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि 2021-22 से 2013-14 के बीच व्यक्तिगत करदाताओं की कुल औसत आय में 56 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। आकलन वर्ष 2023-24 में अब तक सात करोड़ 41 लाख रिटर्न भरी गई जिनमें पहली बार रिटर्न भरने वाले 53 लाख करदाता शामिल हैं। वर्ष 2013-14 से 2021-22 के बीच ऐसे व्यक्तिगत करदाताओं ने 295 प्रतिशत अधिक रिटर्न भरी जिनकी सकल कुल आय 5 लाख रुपये से दस लाख रुपये के बीच थी।

● यूरोपीय संघ के नेताओं ने ब्रुसेल्स में एक बैठक के दौरान गाजा क्षेत्र में तत्काल सहायता भेजने के लिए मानवीय कॉरिडोर की स्थापना और संघर्ष विराम से राहत की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की है। सहमति से पहले संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार एजेंसी के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने चेतावनी दी थी कि हरसंभव प्रयासों के बावजूद गाजा में राहत सामग्री पहुंचाना संभव नहीं हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के राजदूत रियाद मनसूर ने विश्व नेताओं से अपील की थी कि वे बमबारी रोकने में मदद करें। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलेड अर्डन ने कहा था कि इजराइल की लड़ाई केवल हमास के साथ है। इस बीच तुर्की के राष्ट्रपति रेसिप तैय्यप एर्दोगन ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है कि वे गाजा में इजराइल के हमलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 44 30.10.2023 से 05.11.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

भारत निर्वाचन आयोग और उसकी शक्तियां

भारत लोकतांत्रिक देश है। यहां प्रत्येक 5 वर्षों में लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में प्रतिनिधि चयन हेतु चुनाव होते हैं। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संपन्न हो इसके लिए निरंतर प्रयास किये गये। इसमें महत्वपूर्ण निर्णय है, निर्वाचन आयोग की स्थापना। इसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गई थी। इस दिवस को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग को चुनाव आयोग के नाम से भी जाना जाता है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। मूल रूप से आयोग में केवल एक चुनाव आयुक्त थे, लेकिन चुनाव संशोधन अधिनियम 1989 के बाद इसे एक बहु सदस्यीय निकाय बना दिया गया। चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) तथा अन्य चुनाव आयुक्त की माननीय राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति की जाती है। वर्तमान में आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त तथा अन्य दो चुनाव आयुक्त हैं। आयोग की सहायता के लिए प्रत्येक राज्य में एक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष होते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त तथा अन्य दोनों निर्वाचन आयुक्त एक सामूहिक संस्था के रूप में चुनाव संबंधी निर्णय लेते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों का छह साल या 65 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) का निश्चित कार्यकाल होता है। भारत के निर्वाचन आयोग के कार्य व्यापक हैं। इसमें संसद के परिसीमन आयोग अधिनियम के आधार पर देश भर में निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण करना, मतदाता सूची तैयार करना और समय-समय पर संशोधित करना तथा सभी पात्र मतदाताओं को पंजीकृत करना शामिल है। आयोग की पूर्ण सक्रियता के साथ यह कोशिश रहती है कि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न हो। किसी भी पंजीकृत मतदाता का नाम न छूटे और न ही सूची में ऐसे लोगों का नाम हो जो मतदान के अयोग्य हों अथवा जीवित न हों। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में निर्वाचन के लिए मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार भारत निर्वाचन आयोग को दिया गया है। तदनुसार निर्वाचन आयोग चुनाव का समय और चुनावों का संपूर्ण कार्यक्रम सुनिश्चित करता है। इस कार्यक्रम में चुनाव की अधिघोषणा, नामांकन प्रक्रिया शुरू करने की तिथि, मतदान की तिथि और चुनाव परिणामों की घोषणा शामिल है। निर्वाचन आयोग राजनैतिक दलों को मान्यता देता है और उन्हें चुनाव चिन्ह आवंटित करता है। चुनाव की समूची प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए निर्णय लेने का अधिकार है। अत: स्थिति-परिस्थिति के आधार पर आयोग देश में किसी राज्य या किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनावों को स्थगित कर सकता है। यह निर्णय तभी लिया जा सकता है जब वहां का माहौल समुचित न हो तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना संभव नहीं हो। निर्वाचन आयोग राजनैतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के लिए एक आदर्श आचरण संहिता लागू करता है। चुनाव का समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। निर्वाचन आयोग परिस्थितिवश किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा चुनाव का निर्णय ले सकता है। यही नहीं यदि आयोग को लगता है कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से उचित और न्यायपूर्ण नहीं हुई है तो वह दोबारा मतगणना करवाने के आदेश भी दे सकता है।

इस तरह देश में निष्पक्ष मतदान कराने में भारत निर्वाचन आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए संविधान में आयोग को दिये गये स्वतंत्र अधिकार और दायित्वों का परिणाम है कि देश में निर्बाध चुनाव संपन्न होते हैं।

दुनिया में लोकप्रिय है इजराइल की कृषि तकनीक

इजराइल एक ऐसा देश है, जो तकनीक के मामले में अन्य देशों से काफी आगे है। आज भले ही इजराइल-हमास के बीच जारी संघर्ष के कारण इजराइल चर्चा में आया हो। लेकिन यह देश अपनी खेती को लेकर हमेशा से ही चर्चा में रहा है। क्योंकि इसकी तकनीक और खेती करने का तरीका बिल्कुल अलग है। इजराइल की खेती की तकनीक बहुत ही तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इजराइल में जमीन की बहुत कमी है, इसलिए वहां वर्टिकल फॉर्मिंग तकनीक को अपनाया गया। लोग वर्टिकल फॉर्मिंग तकनीक से घर की दीवार में छोटा सा खेत बनाते हैं। वहीं इस तकनीक को दीवार की सजावट के काम में भी लिया जाता है। इसके अलावा कई लोग इस तकनीक के जरिए अपनी पसंद की सब्जी उगाते हैं। बड़ी दीवारों पर गेहूं, चावल और कई अन्य सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल फार्मिंग के जरिए पौधों को दी जानी वाली पानी की मात्रा को नियंत्रित किया जाता है। इसके अलावा इससे पानी की भी बहुत ज्यादा बचत होती है। इस सिंचाई व्यवस्था को कम्प्यूटर के माध्यम से भी नियंत्रित किया जा सकता है। इजराइल की कृषि तकनीक में वर्टिकल फार्मिंग में हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स और एरोपोनिक्स सबसे ज्यादा चर्चित हैं। हाइड्रोपोनिक्स तकनीक में मिट्टी का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। एक सोल्यूशन में पौधों को उगाया जाता है। वहीं, एरोपोनिक्स में हवा में ही पौधों को तैयार किया जाता है। एक और अन्य जानकारी जो इजराइल के बारे में महत्वपूर्ण है वह यह कि इजराइल में ग्रो फिश एनीव्हेयर की एडवांस तकनीक के माध्यम से स्थानीय किसान रेगिस्तान में मछली पालन करते हैं। इस सिस्टम के जरिए मछली पालन के लिए बिजली व मौसम की बाध्यता खत्म हो गई है। इस तकनीक में मछलियों को एक टैंक में पाला जाता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मतदान : युवाओं के लिये उत्सव और जिम्मेदारी भी

मध्यप्रदेश में तीस लाख युवा पहली बार करेंगे मतदान

मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अब केवल मतदान की प्रतीक्षा है। मतदान के बाद परिणाम का स्वरूप क्या होगा यह तो भविष्य के गर्भ में है पर इतना स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश विधानसभा के भावी स्वरूप में युवा शक्ति की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी।

मध्यप्रदेश में सोलहवीं विधानसभा गठन के लिये चुनाव प्रक्रिया चल रही है। विभिन्न छोटे राज्यों को मिलाकर मध्यप्रदेश का गठन एक नवम्बर 1956 में हुआ था। तब से अब तक मध्यप्रदेश में कुल पंद्रह विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। अब सोलहवां विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। लोकतंत्र में निर्वाचन प्रक्रिया सत्ता सृजन का आधार होती है। और युवा शक्ति को सृजन और निर्माण की नियामक शक्ति माना गया है। संसार के सभी निर्माण अथवा नये प्रतिमानों की स्थापना युवा शक्ति के सामर्थ्य से ही होती है। मध्यप्रदेश विधानसभा के इन चुनावों में भी युवा शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक रहने वाली है। इसका कारण यह है कि इस बार चुनाव में मध्यप्रदेश के जो मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने जा रहे हैं उन कुल मतदाताओं में युवाओं की सहभागिता सर्वाधिक है। यह आंकड़ा लगभग पैंसठ प्रतिशत तक है।

मध्यप्रदेश विधानसभा गठन के लिये 17 नवम्बर को होने वाले मतदान में पांच करोड़, साठ लाख, साठ हजार नौ सौ पच्चीस मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 पुरुष और 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 महिला मतदाता हैं। इनके साथ 1373 मतदाता थर्ड जेंडर समूह से और 75 हजार 304 मतदाता रक्षा सेवा के हैं। रक्षा सेवाओं का नियम है कि जहां उनकी पदस्थापना होती है उन्हें वहां अपने मताधिकार का उपयोग करने का अधिकार होता है। इन्हें मिलाकर मध्यप्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 5 करोड़ 61 लाख 36 हजार 229 है। यह संख्या 2018 में संपन्न हुए पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 16.83 लाख अधिक है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण युवा मतदाताओं की संख्या है। इस बार विधानसभा चुनावों में लगभग सवा तीन करोड़ से अधिक युवा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जो कुल संख्या का करीब-करीब पैंसठ प्रतिशत है। इनमें लगभग तीस लाख ऐसे युवा मतदाता हैं जो अपने जीवन में पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान करेंगे। ये सभी मतदाता 2018 के विधानसभा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाता बने हैं। ये 18 से 21 वर्ष के बीच की आयु वर्ग के मतदाता हैं। हर बार की भांति इस बार भी युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिये एक विशेष अभियान चलाया गया था। मतदाता सूची तैयार करने में उन युवाओं को यह भी सुविधा दी गई थी जो आवेदन करते समय अठारह वर्ष के पूरे नहीं हुए थे पर अक्टूबर 2023 तक अठारह वर्ष पूरे करने वाले थे। सत्रह वर्ष की पूर्णता और अठारह वर्ष के समीप आने वाले युवाओं को जोड़ने का यह अभियान पहली बार चलाया गया था। इसके अंतर्गत कुल सत्रह लाख नए आवेदन आए थे। इनमें अठारह वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं की संख्या सोलह लाख पच्चीस हजार थी। इस प्रकार 17 नवम्बर को मतदान करने वालों में अठारह से उन्नीस वर्ष के युवाओं की कुल संख्या 22 लाख, 36 हजार, 564 है, जबकि बीस से उन्तीस वर्ष के बीच की आयु समूह के कुल मतदाता एक करोड़, 41 लाख, 76 हजार, 780 और तीस से उन्चालीस वर्ष के बीच की आयु समूह के युवा मतदाताओं की संख्या एक करोड़, 45 लाख, 3 हजार, 508 है। चालीस से उन्चास वर्ष के बीच के मतदाता एक करोड़, 6 लाख, 87 हजार 673 और पचास वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अन्य मतदाता लगभग 1.56 करोड़ हैं। इस प्रकार अठारह वर्ष से उन्चालीस वर्ष पूरे करने वाले युवाओं की संख्या ही सर्वाधिक है।

इन युवाओं को हम दो श्रेणी में बांट सकते हैं। एक तेइस वर्ष से अधिक आयु के युवा। ये युवा अनुभवी हैं। पहले वोट डाल चुके हैं। मुद्दों से भी परिचित हैं और दूसरे वे युवा मतदाता जो बाईस वर्ष और इससे छोटी आयु के हैं। ये युवा मतदाता पहली बार मतदान करने जा रहे हैं उनके लिये यह चुनाव जिज्ञासा और कौतुहल दोनों का विषय है। उनके लिये यह मानों एक उत्सव है। उन्हें और उत्साहित करने के लिये चुनाव आयोग और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने एक जागरण अभियान भी चलाया हुआ है। विदिशा, सागर, भोपाल, इंदौर आदि नगरों में तो छात्रों ने रैलियां भी निकालीं। अन्य नगरों और कस्बों से भी छात्रों की ऐसी जागरूकता रैली निकाले जाने के समाचार हैं। इन रैलियों में एक आकर्षक नारा भी सुनने को मिला-

युवा शक्ति के तीन काम, शिक्षा, सेवा और मतदान

मतदान प्रक्रिया में सहभागी बनने के लिये चल रहे इस जागरूकता अभियान को और गति देने के लिये चुनाव आयोग ने मतदाताओं और विशेषकर युवाओं को आकर्षित करने के लिये एक गीत भी तैयार किया है- "मैं भारत हूं, हम भारत के मतदाता हैं" मतदाता जागरूकता के लिये आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों में यह गीत और इससे मिलते जुलते अन्य गीत भी सुनाये जा रहे हैं। इस प्रकार के गीत, नारे और आह्वान करने के इन उपायों के साथ युवाओं को मतदान की शक्ति और महत्व समझाया जा रहा है।

यद्यपि वर्ष 2011 से देशभर में प्रति वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन भी शुरू हुआ है। यह आयोजन राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा आरंभ किया जाता है इसमें मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के निर्वाचन आयोग भी सहभागी रहते हैं। इसके लिये प्रतिवर्ष का एक अलग स्लोगन या संदेश होता है। इस साल जनवरी में यह दिवस मध्यप्रदेश में अतिरिक्त जोश के साथ संपन्न हुआ था। इसलिए इस साल जनवरी में संपन्न हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजनों में अतिरिक्त उत्साह देखा गया था। यह उत्साह प्रत्येक आयोजन पर था। राज्यस्तरीय, जिला स्तरीय और अनेक मतदान केन्द्र स्तर पर भी। उन आयोजनों में विशेषकर नये युवा मतदाताओं का अभिनंदन किया गया था और उन्हें मताधिकार पहचान पत्र भी सौंपे गये थे। इस अभियान के बाद अन्य युवाओं में मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की रुचि बढ़ी और उन्होंने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस प्रकार चुनाव आयोग और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा आरंभ इन जागरूकता अभियानों से युवाओं में सक्रियता आई है। लेकिन युवाओं में आये इस उत्सव, उत्साह और जिज्ञासा यात्रा की पूर्णता में एक असहजता भी देखी जा रही है। यह है मतदान के लिये यथार्थपरख चिंतन की। पहली बार मतदान प्रक्रिया में सहभागी हो रहे ये युवा मतदाता राजनीतिक प्रक्रिया से जुड़े नहीं होते हैं। इसलिये वे राजनीति की बारीकियों के प्रति उतने परिपक्व नहीं होते जितने अनुभवी मतदाता होते हैं और फिर चारों ओर राजनैतिक धाराओं के प्रचार का शोर भी इतना तीव्र होता है कि वे सत्य स्वरूप का बहुत स्पष्ट चिंतन नहीं कर पाते। पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने जा रहे ये युवा मतदाता उन विषयों पर गंभीरता से विचार ही नहीं कर पाते जो उनके लिये महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिये इनमें मतदान प्रकिया में सहभागिता का तो उत्साह होता है पर चुनाव के आधारभूत बिन्दुओं का चिंतन थोड़ा कम होता है। इस चुनौती को दूर करने के लिए युवाओं को स्वयं आगे आकर उन बिन्दुओं पर परस्पर चर्चा करनी चाहिए जो चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। प्रश्न यह नहीं है कि उनकी या उनके परिवेश की पृष्ठभूमि क्या है और वे किस धारा पर वोट देने का सोच रहे हैं अथवा आसपास का वातावरण उन्हें वोट देने के प्रति किस ओर आकर्षित कर रहा है। इन सबके बीच किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले युवाओं को व्यक्तिगत, परिवारगत, परिवेशगत विचार के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व के बिन्दुओं पर भी चिंतन आवश्यक होगा। यह दायित्व युवाओं और उनके बीच काम करने वाले गैर राजनैतिक सामाजिक संगठनों का भी है कि उन्हें मतदाताओं से इन विषयों पर चर्चा करनी चाहिए।

विधानसभा के इन चुनावों में युवा मतदाताओं की केवल संख्या ही अधिक नहीं है अपितु उनका मतदान भी अधिक होने की संभावना है। यह अनुमान पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों को देखकर लगता है। पिछली बार डाले गये वोटों में युवाओं का प्रतिशत अधिक रहा है। इसलिये यह माना जा रहा है कि इस बार भी अन्य आयु वर्ग के मतदाताओं की तुलना में युवा मतदाताओं का मतदान प्रतिशत अधिक होगा। यदि यह माना जाये कि मध्यप्रदेश में भविष्य की विधानसभा को गठित करने में युवा मतदाता ही नियामक शक्ति रहेगा तो गलत नहीं होगा। तब युवाओं को गंभीर होना होगा। मध्यप्रदेश में भविष्य की सरकार बनाने में उनकी शक्ति और चिंतन ही उभरकर सामने आयेगा। अतएव उन्हें स्वयं अपनी जिम्मेवारी पर विचार करना चाहिए। मतदान करना शौक, जिज्ञासा या कौतुहल भर नहीं है। यह एक गंभीर कर्तव्य है। आपके मतदान से ही भविष्य की सरकार का स्वरूप उभरेगा। इसलिये अपने मताधिकार का उपयोग स्वयं तो जागरूकता से करना ही चाहिए, साथ ही अपने परिवेश के समस्त जनों से भी ऐसी गंभीरतापूर्वक मतदान करने की अपील करनी चाहिये। ताकि मध्यप्रदेश में चुनाव प्रक्रिया के बाद सामने आने वाली सरकार अपनी भूमिका सदाचार के साथ निभाये।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार हैं।)

मध्यप्रदेश के विश्व धरोहर स्मारक

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत प्रागैतिहासिककाल से आज तक अनवरत रूप से जानी जाती है। इसमें हिन्दू, बौद्ध, जैन, एवं अन्य सम्प्रदाय के स्मारक शैलाश्रय, शैलोत्कीर्ण गुफाएं, मंदिर, स्तूप, किले, महल एवं गढ़िया प्रमुख हैं। प्रमुख स्मारकों की देख-रेख के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तथा संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश द्वारा संरक्षण, संवर्धन विकास का कार्य किया जाता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अनुशंसा पर यूनेस्को द्वारा इन्हें सूची में सम्मिलित कर विश्व धरोहर घोषित किया गया।

मध्यप्रदेश में अभी तक तीन स्मारक यूनेस्को की सूची में सम्मिलित किए गए हैं। इनमें खजुराहो, छतरपुर, सांची, रायसेन और भीमबैठका के स्मारक प्रमुख हैं। इनके अतिरिक्त ओरछा के स्मारक समूह को तथा माण्डू के स्मारक समूह को यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में कल्चरल श्रेणी में सम्मिलित किया गया है तथा सतपुड़ा श्रेणी एवं भेड़ाघाट एवं लमेटाघाट को नेचुरल केटेगरी में सम्मिलित किया है। टेंटेटिव लिस्ट के बाद अंतिम रूप से जोड़ने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार कराया जाकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जो नोडल एजेंसी है, उसके माध्यम से प्रस्तुत किए जाने के बाद यूनेस्को की उच्च स्तरीय समिति द्वारा अनुशंसा किए जाने के पश्चात् सूची में सम्मिलित किया जाता है। मध्यप्रदेश में यह कार्य मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा किया जा रहा है।

विश्व धरोहर स्मारक
खजुराहो मंदिर समूह

खजुराहो का प्राचीन नाम खर्जुवाहक के नाम पर पड़ा। कहा जाता है कि इस क्षेत्र में

खजूर के पेड़ काफी संख्या में पाये जाते थे। एक ऐतिहासिक अभिलेख के अनुसार यहां पहले 85 मंदिर थे, जो 9-12वीं शताब्दी के थे, किन्तु अधिकांश ध्वस्त होने से अभी मात्र 22 मंदिर ही अवस्थित हैं। अधिकांश मंदिर नागर शैली के बनाये गए थे, जो उस समय के चंदेल शासकों द्वारा निर्मित कराये गये। इन मंदिरों में चौसठ योगिनी मंदिर 9वीं शताब्दी के तथा शेष 10वीं से12वीं सदी ई. में बनाए गए हैं। मंदिरों की स्थापत्य एवं मूर्तिकला की विशेषता को देखते हुए इस मंदिर समूह को 1986 में विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित किया गया। वर्तमान में इन मंदिरों के संरक्षण-संवर्धन का कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जबलपुर मण्डल द्वारा किया जाता है। यहां के प्रमुख मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, मातंगेश्वर शिव मंदिर, विश्वनाथ मंदिर देवी जगदम्बी मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, घंटई मंदिर, जबरी मंदिर, चतुर्भुज मंदिर एवं दूल्हादेव मंदिर आदि उल्लेखनीय मंदिर हैं, विगत वर्षों में यहां एक बीजामण्डल मंदिर भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रकाश में लाया गया है।

अभिलेखीय साक्ष्य से पता चलता है कि चंदेल राजवंश का सर्वप्रथम शासक नन्नुक था और उसने इस क्षेत्र में 825 से 840 ई. तक राज्य किया। खजुराहो उसकी राजधानी थी। चंदेल शासक धंग ने पार्श्वनाथ जैन मंदिर तथा विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करवाया। खजुराहो के जगदम्बी तथा चित्रगुप्त मंदिर धंग के पुत्र गंड के समय के विद्वानों का मत है कि खजुराहो का कंदरिया महादेव मंदिर गंड के पुत्र विद्याधर के शासनकाल में बना। खजुराहो के मंदिर समूहों का निर्माण 950 ई. से लेकर 1050 ई. के बीच हुआ होगा। बनावट की दृष्टि से यह मंदिर अपने समय के मंदिरों की बनावट से एकदम आगे हैं। हर मंदिर एक ऊंचे विशाल चबूतरे पर बना है। मंदिर के मुख्य कक्ष की छत का मध्य भाग ऊंचाई पर है। बाहर की ओर आते-आते यह गोलाकार ढलान पर आ जाता है। इन मंदिरों पर बड़ी बारीक नक्काशी की गई है। मंदिर में प्रवेश द्वार, आर्द्ध मण्डप, मण्डप तथा गर्भगृह है। गर्भगृह में प्रमुख देवी-देवता की प्रतिष्ठापना की जाती है। खजुराहो के मंदिर समूह में चौंसठ योगिनी मंदिर सबसे प्राचीन 9वीं सदी का बना हुआ है।

विश्व धरोहर स्मारक सांची

सांची की प्रसिद्धि उसके स्तूपों, संघागरों (विहार) मंदिरों और स्तभों के

कारण है जिनका निर्माण इसवीं पूर्व तीसरी सदी से लेकर बारहवीं सदी तक हुआ। इन स्मारकों में सबसे प्रसिद्ध सांची स्तूप क्रमांक-1 है, जिसका निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने कराया था। जो उस समय के राज्यपाल थे और उनकी पत्नी पड़ोसी जनपद विदिशा के एक श्रेष्ठि की कन्या थी। उनके पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा का जन्म उज्जयिनी में हुआ था, जो बाद में श्रीलंका भेजे गये थे, उन्होंने वहां के राजा, रानी और प्रजा को बौद्ध धर्म का अनुयायी बनाया था। सांची में स्तूप के पास जो चुनार पाषाण स्तंभ-खण्ड है और जिन पर मौर्यकाल की पालिश की चमक है उनमें अशोक का एक शिलालेख मिला है, जिसमें उनके द्वारा बौद्ध समाज में भेदभाव या फूट डालने वाले के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी गई है, स्तूप क्रमांक-1 रिक्त पाया गया था। जबकि बुद्ध के दो शिष्यों के अवशेष स्तूप क्रमांक-3 में मिले थे जो बाद में इंग्लैण्ड ले जाये गये। यहां निकट ही आधुनिक बौद्ध गुरुओं के अवशेष रखे हुए हैं। सांची गिरी ऊपर की ओर मेखलाबद्ध है, जिसमें स्तूप क्रमांक-2 मेखला की नीचे की पट्टी पर स्थित है।

स्तूप-1, स्तूप-3 पांचवीं सदी का गुप्तकालीन मंदिर क्रमांक-17 और सातवीं सदी का मंदिर क्रमांक-18 मध्य पट्टी पर तथा परवर्तीकाल का एक चैत्य विहार शिखर पट्टी पर स्थित है, स्तूप क्रमांक-2 के जंगल में बुद्ध के विभिन्न अवतारों को उत्कीर्ण किया गया है जो शुंगकाल के ईसवीं सदी पूर्व दूसरी सदी के परवर्तीकाल में बने, जबकि स्तूप क्रमांक-1 के चार तोरण द्वार सातवाहन राजाओं के काल में ईसवीं पूर्व पहली सदी में निर्मित किये गये। इनमें बुद्ध के पहले और बाद में जन्म की कथाएं उत्कीर्ण की गई हैं और बौद्ध धर्म की परवर्तीकाल की अनेक घटनाएं भी अंकित हैं। इन तोरण द्वारों की शिल्प आरम्भिक भारतीय क्लासिकीय कला का श्रेष्ठतम नमूना है, जिसने परवर्ती भारतीय कला के समूचे सृजन के लिए उत्तम आधारभूत-भूमि तैयार की। इन प्रवेश द्वारों में उत्कीर्ण कथाओं में दो बहुत मार्मिक हैं, जिसमें एक युवराज वंसतारा से संबंधित है, जिसमें धर्म और दया के फलस्वरूप अपने धन, पत्नी और बच्चों तक को दान में दे दिया था। दूसरी कथा बुद्ध से संबंधित है, जिन्होंने महान वनराज के रूप में अपने सहकर्मियों की प्राण रक्षा के लिए अपना ही उत्सर्ग कर दिया। इन द्वारों पर उत्कीर्ण शिलालेखों में समस्त उत्तर भारत के दान-दाताओं का उल्लेख किया गया है और विशेष रूप से विदिशा के कारीगरों का भी उल्लेख है, जिन्होंने जौहरी की कुशाग्रता की भांति पाषाण शिल्प की श्रेष्ठतम रचना की।

पार्श्ववर्ती गुप्त मंदिर क्रमांक-17 का वर्णन करते हुए सर जॉन मार्शल ने लिखा है कि भारतीय स्थापत्य में यह छोटा है, किन्तु यह उन सभी सिद्धांतों का अग्रगामी बिंदु था जिनके आधार पर आरंभिक मध्य युग में भारतीय मंदिर स्थापत्य का आधार हुआ।

विशाल स्तूप क्र. 1 : भारतवर्ष का यह प्राचीनतम स्थापत्य है। इसकी परिधि 36.5 मीटर और ऊंचाई 16.4 मीटर है जिस पर अर्धगोलाकार गुंबद है। इस रूप में इस स्तूप की निराली शोभा है जिसके चारों ओर प्रदक्षिणा-पथ है जो शताब्दियों के पदक्षेप से चिकना हो चला है।

चार तोरण द्वार : आरंभिक बौद्ध कला के श्रेष्ठतम नमूनों में चार तोरण द्वार हैं जो बड़े स्तूप के चारों ओर हैं। आरंभिक बौद्ध कला के सिद्धांतों के अनुसार भगवान बुद्ध का चित्रांकन प्रतीक रूप में हुआ है जैसे कमल उनके जन्म का प्रतीक है, वृक्ष - उनके बोधि ज्ञान का, चक्र उनके प्रथम धर्मोपदेश से लिया गया है। पाद चिन्ह, और गद्दी उनके अस्तित्व का प्रतीक है। ये सभी इतनी तीव्र प्रेरणा और अनूठी कल्पनाशीलता से उत्कीर्ण किये गये हैं कि समीपवर्ती आकृतियों के साथ देखने पर बौद्ध तोरणों के ये श्रेष्ठतम उदाहरण हैं और स्तूप की ठोस स्थिति को सुंदरता से अभिव्यक्त करते हैं।

स्तूप क्र. 2 : यह स्तूप पहाड़ी के बिल्कुल किनारे पर है और इसकी सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसका पाषाण कठघरा है जो इसे घेरे हुए है।

स्तूप क्र. 3 : यह बड़े स्तूप के पास ही स्थित है। इसका अर्धगोलाकार गुंबद इसके विशेष धार्मिक महत्व के कारण उल्लेखनीय है और इस पर चमकदार पत्थर का छत्र है। भगवान बुद्ध के दो सबसे पहले शिष्यों सारिपुत्ता और महामोगल्लेना के अवशेष इसके भीतर के कक्ष में प्राप्त हुए थे।

बौद्ध विहार : इस आधुनिक मठ में एक चबूतरे पर कांच के पात्र में सतधारा स्तूप, जो सांची से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है, के पवित्र अवशेष रखे हैं।

अशोक स्तंभ : यह बड़े स्तूप के दक्षिणी तोरण द्वार के निकट ही स्थित है। अशोक स्तंभों के श्रेष्ठतम नमूनों में से यह एक है, जो अपने सौंदर्यपरक समानुपात और वास्तु संतुलन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

महापात्र : एक ही पाषाणखंड से तराशा हुआ यह महापात्र सचमुच बहुत अनूठा है। इसमें सांची के बौद्ध भिक्षुओं के लिए बांटा जाने वाला भोजन रखा जाता था।

गुप्तकालीन मंदिर : पांचवीं सदी का यह गुप्तकालीन मंदिर अब ध्वंसावशेष है।

भारतवर्ष में मंदिर स्थापत्य के प्रारंभिक काल के ज्ञात मंदिरों में यह एक प्राचीन मंदिर है।

संग्रहालय : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के इस संग्रहालय में अनेक प्राचीन उल्लेखनीय वस्तुएं संग्रहित कर प्रदर्शित की गई हैं। इनमें अशोक स्तंभ का सिंह चिन्ह और बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले पात्र हैं, जो सांची के उत्खनन में प्राप्त हुए थे।

सांची स्तूप के बाद वर्तमान में सांची संग्रहालय के पास जो मार्शल हाउस था जिसमें जॉन मार्शल ने सांची उत्खनन एवं विकास का कार्य निष्पादित किया उसी भवन को वर्तमान में मार्शल हाउस संग्रहालय के रूप में परिवर्तित किया गया। इसमें जॉन मार्शल से संबंधित सामग्री, उनके द्वारा कराये गये उत्खनन के छायाचित्र आदि को प्रदर्शित किया गया है।

सांची स्तूप तीन को केंद्र में रखकर मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से यहां साउण्ड एवं लाइट शो का कार्यक्रम शाम सात बजे से हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया जाता है।

पहाड़ी पर ही एक बौद्ध मंदिर भी श्रीलंका सरकार द्वारा बनाया गया है, जिसमें पूजा अर्चना एवं बौद्ध धर्म से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है और यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्मारक सूची में भी सम्मिलित किया गया है।

विश्व धरोहर स्मारक
भीमबैठका शैलाश्रय

भीमबैठका भारत के मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक पुरास्थल है। यह आदि-मानव द्वारा बनाये गए शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिए प्रसिद्ध है। इन चित्रों को मध्य पाषाणकाल से ऐतिहासिककाल के समय का माना जाता है। यह चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव

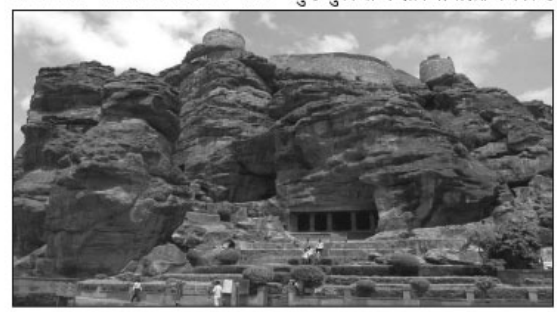

जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। यह स्थल मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 45 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इनकी खोज वर्ष 1957-1958 में डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी।

भीमबैठका क्षेत्र को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल ने अगस्त 1990 में राष्ट्रीय महत्त्व का स्थल घोषित किया। इसके बाद जुलाई 2003 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

ऐसा माना जाता है कि यह स्थान महाभारत के चरित्र भीम से संबन्धित है एवं इसी से इसका नाम भीमबैठका (कालांतर में भीमबेटका) पड़ा। ये गुफाएं मध्य भारत के पठार के दक्षिणी किनारे पर स्थित विन्ध्याचल की पहाड़ियों के निचले छोर पर हैं। इसके दक्षिण में सतपुड़ा की पहाड़ियां आरम्भ हो जाती हैं।

वर्ष 1957 में जब डॉ. वाकणकर ने इसकी खोज की उसके बाद इसी प्रमाणीकरण के लिए शैलाश्रयों का गहन सर्वेक्षण किया गया। इन शैलाश्रयों में पाये जाने वाले भित्तिचित्रों को कालानुक्रम में अध्ययन, एक दूसरे के ऊपर बनाये गए चित्र तथा, कलाकृतियों के प्रकार का भी अध्ययन किया गया। भीमबैठका के शैलाश्रयों के उत्खनन का कार्य भी विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, डेक्कन कॉलेज पूना तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा किया गया और यहां से प्राप्त पुरापाषण काल के उपकरणों के अध्ययन से पूर्व पाषाण, मध्य पाषाणकाल, उत्तर पाषाण काल मेसोलिथिक तथा ताम्राश्मकाल के उपकरण के आधार पर कालक्रम निर्धारित किया गया। मध्यकाल के भी उपकरण तथा ऐतिहासिककाल के प्रमाण भी भीमबैठका शैलाश्रयों से पाये जाते हैं।

शैल कला एवं शैल चित्र

यहां लगभग 700 शैलाश्रय हैं जिनमें लगभग 275 शैलाश्रयों में भित्तचित्र मिलते हैं। पूर्व पाषाणकाल से मध्य ऐतिहासिक काल तक यह स्थान मानव गतिविधियों का केंद्र रहा। यह बहुमूल्य धरोहर अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण में है। चित्रों में प्रयोग किये गए खनिज रंगों में मुख्य रूप से गेरुआ, लाल और सफेद हैं और कहीं-कहीं पीला और हरा रंग भी प्रयोग हुआ है।

चित्रांकन का कार्य मुख्यतया- लाल और सफेद रंगों में किया गया है और कभी-कभी हरे और पीले रंगों का भी प्रयोग हुआ है। चित्रांकन के विषय युगों पूर्व की दैनंदिन घटनाओं से लिए गये हैं। इनके दृश्यों में प्राय: आखेट, नृत्य-संगीत, घोड़े और हाथी की सवारी, लड़ते हुए जानवर, मधु संचय आदि के रूप में चित्रांकन किया गया है। तत्कालीन घरेलू जीवन का चित्रांकन बड़ी ही मार्मिकता के साथ हुआ है, अनेक प्रकार के पशुओं जैसे बायसन, बाघ, शेर, जंगली सुअर, हाथी, हिरण, कुत्ता, बंदर, मगर और छिपकलियां आदि बहुलता से दर्शाये गये हैं। कुछ गुफाओं में लोक प्रचलित कर्मकाण्ड और धर्म विषयक प्रतीक भी चित्रांकित किये गये हैं। 'एक के ऊपर एक' बनाये गये इन चित्रांकनों से प्रकट होता है कि एक ही चित्र स्थल या कैनवास पर विभिन्न लोगों ने अलग-अलग समयों में चित्र बनाये होंगे। इन आकृतियों या चित्रकृतियों को सात अलग-अलग कालों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

काल एक - (पूर्व पाषाणकाल)

इस काल के प्रतिनिधि रैखिक उदाहरणों के अंतर्गत पशुओं की विशाल आकृति वाले चित्रों में बायसन, रीछ, बाघ और गैंडे हरे तथा गहरे लाल रंग से दर्शाये गये हैं।

काल दो-(मध्य पाषाणकाल)

इस समूह के अंतर्गत रूढ़ शैली के अनुसार अंकित आकृतियां अपेक्षाकृत छोटी हैं और देह पर रैखिक सजावट है। पशुओं के अलावा इस समूह में मानव आकृतियों और आखेट दृश्य दर्शाये गये हैं जैसे- नुकीके भाले और लकड़िया तथा धनुष-बाण। इसमें समूह नृत्य, पक्षी संगीत वाद्य माता और शिशु आदि क्रियाकलापों को लयबद्ध गतिमयता के साथ अभिचित्रित किया गया है।

काल तीन- (कैलियोलिथिक)

ताम्रश्मकालीन बर्तनों की चित्रकारी की भांति ही ताम्रश्मकालीन चित्रांकन यह बताते हैं कि इस काल में इस क्षेत्र के गुफावासी मालवा के मैदानों में रहने वाले कृषक समुदायों के सम्पर्क में आ चुके थे और उन्होंने अपनी जरूरतों को लेकर परस्पर विनिमय शुरू किया था।

(क्रमश: अगले अंक में)

- ओ.पी. मिश्रा

(लेखक : मध्यप्रदेश पुरातत्व, पर्यटन बोर्ड, भोपाल में सलाहकार हैं।)

स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता

आदर्श आचार संहिता आम आदमी के लिए एक पहेली की तरह है कि आखिर यह है क्या और इसका चुनाव में क्या प्रभाव पड़ता है। खबरों में जब आम आदमी को सूचना मिलती है कि अमुक प्रत्याशी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है तो वह समझ नहीं पाता है। ऐसे में आम पाठकों को हम आदर्श आचार संहिता के विभिन्न पक्षों को सरल भाषा में समझाने का प्रयास करेंगे कि आखिरकार आदर्श आचार संहिता के मायने क्या हैं? वह कब लागू होती है और कब तक प्रभावी रहती है। यही नहीं, आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का भी उल्लेख करेंगे जिससे आम पाठक को सरलता से पूरी चुनावी प्रक्रिया समझ में आ सके।

मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव की तारीख का ऐलान होने के साथ ही चुनाव आयोग द्वारा विधि सम्मत आदर्श आचार संहिता लागू कर दी जाती है। साल 2023 के नवंबर में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। देश के ये पांच राज्य- मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, मिजोरम और छत्तीसगढ़ हैं। चुनाव को लेकर 9 अक्टूबर को चुनावी घोषणा हो गई है, जिसके तहत 7 से 30 नवंबर तक चुनाव होंगे। एक बार चुनावी घोषणा होने पर आदर्श चुनाव आचार संहिता को लागू कर दिया गया है। ऐसे में इसके लागू होने पर चुनावी राज्यों में राजनीतिक दलों को इसका पालन करना अनिवार्य हो जाता है।

क्या होती है आदर्श चुनाव आचार संहिता

सबसे पहले, तो हम यह जान लेते हैं कि आखिर आदर्श चुनाव आचार संहिता क्या होती है। चुनाव आयोग की ओर से जब भी चुनाव का ऐलान किया जाता है, तो उसी दिन और समय में आदर्श चुनाव संहिता को लागू किया जाता है, जिसकी मदद से चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से हो सके। इसके तहत कुछ नियमों को तय किया जाता है, जिसका चुनावी प्रक्रिया के दौरान संबंधित राजनीतिक पार्टियों को पालन करना होता है।

आचार संहिता उल्लंघन करने पर क्या होता है?

यदि कोई राजनीतिक दल या फिर राजनीतिक दल का कोई प्रत्याशी आदर्श आचार संहिता का पालन नहीं करता है, तो उस पर चुनाव आयोग की ओर से कार्रवाई की जाती है। उदाहरण के तौर पर, उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है, यदि जरूरत पड़े तो आपराधिक मुकदमा भी दर्ज हो सकता है, वहीं नियमों के उल्लंघन पर जेल भी जाना पड़ सकता है।

आचार संहिता के कुछ प्रमुख नियम

- चुनाव की घोषणा हो जाने के बाद आदर्श आचार संहिता के तहत कोई भी सत्ताधारी दल सरकारी योजनाएं, लोकार्पण, शिलान्यास या भूमिपूजन भी नहीं कर सकता है।
- इसके साथ ही सत्ताधारी दल का कोई भी पद पर रहने वाला व्यक्ति सरकारी गाड़ी, सरकारी विमान या सरकारी बंगले का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए नहीं कर सकता है।
- यदि कोई राजनीतिक पार्टी चुनावी रैली या जुलूस निकालना चाहती है, तो उसे सबसे पहले पुलिस से अनुमति लेना अनिवार्य होता है।
- कोई भी राजनीतिक दल जाति या धर्म के आधार पर वोट नहीं मांग सकता है और न ही इस तरह की गतिविधि में शामिल हो सकता है।
- चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी व्यक्ति जो चुनाव में प्रत्याशी है अथवा संबंधित दल का कार्यकता है, वह किसी जमीन, घर या कार्यालय की दीवार पर उसकी अनुमति के बिना पोस्टर, बैनर या झंडा नहीं लगा सकता है।
- मतदान के दिन शराब की दुकानों को बंद रखा जाता है। चुनाव में शराब और रुपयों को बांटना मना है।
- सार्वजनिक धन का इस्तेमाल किसी विशेष राजनीतिक दल या नेता को फायदा पहुंचाने वाले काम के लिए नहीं किया जा सकता।
- राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए अपनी गाड़ी की सुविधा भी नहीं दे सकते हैं।
- निर्वाचन के आयोजन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए सभी अधिकारियों तथा पदाधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती पर संपूर्ण प्रतिबंध होगा। यदि किसी अधिकारी का स्थानांतरण या तैनाती आवश्यक मानी जाती है तो आयोग की पूर्व-अनुमति ली जाएगी।
- कोई भी केंद्रीय या राज्य सरकार का मंत्री कहीं भी, किसी आधिकारिक चर्चा हेतु राज्य या निर्वाचन क्षेत्र के किसी निर्वाचन संबंधी अधिकारी को नहीं बुला सकता है।
- अपवादस्वरूप तभी होगा जब कोई मंत्री संबंधित विभाग के प्रभारी होने के नाते या कोई मुख्यमंत्री कानून एवं व्यवस्था के असफल हो जाने या प्राकृतिक आपदा या किसी आपातकाल में ऐसे किसी निर्वाचन क्षेत्र का आधिकारिक दौरा करते हैं जिसमें अधीक्षण, मदद, राहत और इसी प्रकार के विशेष प्रयोजनार्थ ऐसे मंत्री अथवा मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत उपस्थिति अपेक्षित होती है।
- यदि कोई केंद्रीय मंत्री पूर्णत: आधिकारिक कार्य से दिल्ली से बाहर दौरा कर रहे हैं, जिसे लोकहित में टाला नहीं जा सकता है तो उस मंत्रालय तथा विभाग के संबंधित सचिव से इस आशय को प्रमाणित करने वाला एक पत्र संबंधित राज्य के मुख्य सचिव को भेजने के साथ उसकी एक प्रति निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी।
- कोई पदाधिकारी जो मंत्री से निर्वाचन क्षेत्र में उनके निजी दौरे के दौरान मिलते हैं, संगत सेवा नियमों के अधीन कदाचार के दोषी होंगे और यदि वह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 129 (1) में उल्लिखित पदाधिकारी हैं तो उन्हें उस धारा के सांविधिक उपबंधों का उल्लंघन करने का अतिरिक्त दोषी माना जाएगा।
- मंत्री या किसी अन्य राजनीतिक कार्यकर्ता को निर्वाचन अवधि के दौरान निजी या आधिकारिक दौरे पर किसी पायलट कार या किसी रंग की बीकन लाइट अथवा किसी भी प्रकार के सायरन सहित कार का प्रयोग करने की अनुमति नहीं होगी भले ही राज्य प्रशासन ने उसे सुरक्षा कवर दिया हो जिसमें ऐसे दौरों पर उसके साथ सशस्त्र अंगरक्षकों के उपस्थित रहने की आवश्यकता हो।
- निर्वाचन अवधि के दौरान प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सरकारी कोष की लागत पर पार्टी की उपलब्धियों के संबंध में विज्ञापन और सरकारी जन-सम्पर्क मीडिया के दुरुपयोग पर निषेध है।
- अभ्यर्थी निर्वाचन के समापन के लिए तय किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटे की अवधि के दौरान, सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य इसी तरह के उपकरण के माध्यम से किसी भी निर्वाचन सामग्री अथवा प्रचार को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं।
- प्रदर्शित किए गए इस प्रकार के सभी होर्डिंग, विज्ञापन इत्यादि संबंधित प्राधिकारियों द्वारा तुरन्त हटा दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित अन्य मीडिया पर सरकारी राजकोष के खर्चे पर कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा।
- अभ्यर्थी किसी ऐसे निर्वाचन पैम्पलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण अथवा प्रकाशन नहीं करेगा अथवा उसका मुद्रण अथवा प्रकाशन नहीं करवाएगा, जिस पर उसका चेहरा, नाम अथवा पते मुद्रित अथवा प्रकाशित नहीं होते हों।
- निर्वाचन प्रचार के दौरान कोई भी अभ्यर्थी या दल ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जिससे मौजूदा मतभेद बढ़ जाएं या जिनसे परस्पर द्वेष पैदा हो अथवा भिन्न-भिन्न जातियों और समुदायों, धर्मों या भाषा-भाषी लोगों में तनाव बढ़ जाए। इसके अतिरिक्त अन्य राजनीतिक दलों की आलोचना करते समय यह केवल उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्यों तक ही सीमित होनी चाहिए। दलों और अभ्यर्थियों का निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना चाहिए, जो अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़े न हों।

उपरोक्त बिंदुवार निर्देश चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के लिए जारी करता है। इन निर्देशों का उल्लंघन करने पर विधिसम्मत दंड का प्रावधान है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मर्यादा के भीतर निर्देशों का पालन कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान बढ़ाया जाता है।

इस संदर्भ में यह जानकारी भी उपयोगी है कि आदर्श आचार संहिता की शुरुआत 1960 में केरल आम चुनाव से हुई थी। उस समय राजनीतिक दलों से बातचीत कर इसका दस्तावेज तैयार किया गया था। 1967 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भी आचार संहिता का पालन किया गया था।

- मनोज कुमार

(लेखक : सम-सामयिक विषयों पर नियमित लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने किस ओलिंपिक में कांस्य पदक जीता है?
(अ) बीजिंग 2008
(ब) लंदन 2012
(स) रियो 2016
(द) टोक्यो 2020

2. हरिका द्रोणावल्ली किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) शतरंज (ब) एथेलेटिक्स
(स) कुश्ती (द) तैराकी

3. एशियन गेम्स-2023 में भारत ने निशानेबाजी में कितने पदक जीते हैं?
(अ) 10 (ब) 15
(स) 20 (द) 22

4. इनमें से किस देश ने 60 ओवर और 50 ओवर फॉर्मेट में वन-डे वर्ल्डकप जीता है।
(अ) भारत (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) वेस्टइंडीज (द) पाकिस्तान

5. आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप में किस देश के नाम सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) इंग्लैंड (ब) द. अफ्रीका
(स) श्रीलंका (द) ऑस्ट्रेलिया

6. अनु रानी एथेलेटिक्स की किस स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) चक्का फेंक (ब) बाधा दौड़
(स) भाला फेंक (द) तिहरी कूद

7. हाल ही में चीन के किस शहर में एशियन गेम्स का आयोजन किया गया था?
(अ) चेंगदू (ब) होंगझाऊ
(स) बीजिंग (द) ग्वांझाऊ

8. रोजर्स कप किस खेल से संबंधित एक प्रतियोगिता है?
(अ) गोल्फ (ब) हॉकी
(स) टेनिस (द) कुश्ती

9. इटली ने कितनी बार फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीता है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) चार बार

10. इनमें से किस खिलाड़ी को आईसीसी ने वर्ष 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ ट्वेंटी-20 खिलाड़ी का पुरस्कार दिया है?
(अ) सूर्यकुमार यादव
(ब) मोहम्मद रिजवान
(स) सिकंदर रजा
(द) सैम कुरेन

11. वर्ष 2023 में किस खिलाड़ी ने शंघाई मास्टर्स बिलियर्ड्स टूर्नामेंट जीता है?
(अ) मार्क सेल्बी
(ब) नील रॉबर्टसन
(स) लुका ब्रेसेल
(द) रॉनी ओसुलिवान

12. टोक्यो ओलिंपिक में बैडमिंटन में महिला एकल की चैम्पियन बनी थीं?
(अ) चेन यूफेई
(ब) पी.वी. सिंधु
(स) ताई जू यिंग
(द) कैरोलिना मारिन

13. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने मेड्रिड ओपन में पुरुष एकल खिताब जीता है?
(अ) हुर्बट हुरकाज
(ब) कार्लोस अलकराज
(स) जेनिक सिनर
(द) आंद्रे रूबलेव

14. एशियन गेम्स-2022 में कौन-सा देश पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा?
(अ) चीन (ब) भारत
(स) जापान (द) ईरान

15. डेविस कप किस खेल से संबंधित एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) बैडमिंटन (ब) टेनिस
(स) फुटबॉल (द) हॉकी

16. भारत का घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी किस फॉर्मेट में खेला जाता है?
(अ) टेस्ट
(ब) वन-डे
(स) ट्वेंटी-20
(द) इनमें से कोई नहीं

17. अनिर्बान लाहिड़ी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) एथेलेटिक्स (ब) निशानेबाजी
(स) बास्केटबॉल (द) गोल्फ

18. आईसीसी वन-डे क्रिकेट वर्ल्डकप- 2003 में भारतीय टीम के कप्तान थे?
(अ) सौरव गांगुली
(ब) राहुल द्रविड
(स) अनिल कुंबले
(द) अजय जडेजा

19. भारत की युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह किस खेल से संबंधित है?
(अ) टेनिस (ब) स्क्वॉश
(स) बैडमिंटन (द) हॉकी

20. हाल ही में इनमें से किस खिलाड़ी ने क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास लिया है?
(अ) बेन स्टोक्स
(ब) ए.बी. डिविलियर्स
(स) एलिस्टेयर कुक
(द) इनमें से कोई नहीं

21. वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप-2023 में गोला फेंक खेल में किस खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) जोए कोवाक्स
(ब) लाजेरो मार्टिनेज
(स) लियोनार्डो फेबरी
(द) रेयान क्रूजर

22. मैक्स वर्स्टापेन किस रेसिंग टीम की ओर से फॉर्मूला-वन में उतरते हैं?
(अ) मर्सिडीज (ब) हास फेरारी
(स) रेडबुल (द) रेनाल्ट

23. वर्ष 2024 में यूएफा यूरो कप किस देश में खेला जायेगा?
(अ) इंग्लैंड (ब) जर्मनी
(स) बेल्जियम (द) क्रोएशिया

24. वर्ष 2023 में चाइना ओपन टेनिस में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) जेनिक सिनर
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) होल्गर रूने
(द) केस्पर रूड

25. शुभमन गिल ने किस देश के खिलाफ अपना पहला वन-डे शतक बनाया है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) बांग्लादेश
(स) जिम्बाब्वे (द) वेस्टइंडीज

उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (ब), 8. (स), 9. (द), 10. (अ), 11. (द), 12. (अ), 13. (ब), 14. (अ), 15. (ब), 16. (स), 17. (द), 18. (अ), 19. (ब), 20. (स), 21. (द), 22. (स), 23. (ब), 24. (अ), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

जैविक खेती बेहतर वर्तमान और सुनहरे भविष्य का वरदान

भारत कृषि प्रधान देश है। प्राचीनकाल से हमारे देश में कृषि जीवन का आधार रही है। यहां खेती प्रकृति संग सह-अस्तित्व के साथ की जाती थी। अर्थात मनुष्य के स्वास्थ्य और प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप खेती होती थी। जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान के इकोलॉजिकल सिस्टम को विचलित किये बिना कृषि कार्य किया जाता था। इससे जल, भूमि, वायु तथा पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता था। पहले भारत के हर घर में गौ-पालन किया जाता था। गौ-पालन के साथ कृषि कार्य संपन्न होता था जो एक आदर्श स्थिति थी।

बढ़ती जनसंख्या, अधिक उत्पादन की लालसा और विकास की दौड़ ने प्रकृति के इस चक्र को तोड़ने का प्रयास किया। बदलते परिदृश्य में गौ-पालन कम हो गया, कृषि में विभिन्न रासायनिक खादों और जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग होने लगा। जिससे जैविक और अजैविक पदार्थों के चक्र का संतुलन बिगड़ने लगा। इकोलॉजिकल सिस्टम प्रभावित हुआ। अत्याधिक उपज की होड में उपयोग किये जा रहे रासायनिक खाद और जहरीले कीट नाशकों से सीधे मनुष्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। खाद्य पदार्थ जहरीले होने से स्वास्थ्य में निरंतर गिरावट आ रही है। रासायनिक खेती से जल, भूमि, वायु और पर्यावरण के प्रदूषित होने तथा मिट्टी की उर्वरक क्षमता क्षीण होने की समस्या से समाधान के लिए निरंतर टिकाऊ खेती के सिद्धांत पर खेती करने की ओर कदम बढ़ाए गए। जैविक खेती को अपनाया गया। इसके प्रचार-प्रसार और लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए शासकीय स्तर, स्वैच्छिक संगठनों तथा संस्थाओं द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

शोध तथा अनुभव से यह तथ्य स्पष्ट हुआ है कि रासायनिक खेती से तात्कालिक उत्पादन बढ़ता है लेकिन धीरे-धीरे धरती अपनी उर्वरा शक्ति खो देती है और बंजर होने लगती है, साथ में पर्यावरण प्रदूषित होता है। जबकि जैविक खेती करने पर होने वाला उत्पादन रासायनिक खेती के बराबर अथवा उससे अधिक होता है। जैविक खेती धीरे-धीरे कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ मिट्टी की उर्वरक क्षमता भी बढ़ाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें उत्पादन के लिए लागत कम लगती है और आय अधिक होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की स्पर्धा में जैविक उत्पाद खरे साबित होते हैं, इससे किसान भाई अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

जैविक खेती से लाभ

- भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो जाती है। सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है। रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से खेती की लागत में कमी आती है और फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।
- जैविक खाद के उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है। भूमि की जल धारण क्षमता बढ़ती है। भूमि से पानी का वाष्पीकरण कम होगा।
- भूमि के जल स्तर में वृद्धि होती है। मिट्टी खाद पदार्थ और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है।
- खाद बनाने में कचरे का उपयोग होने से बीमारियों में कमी आती है।
- फसल उत्पादन की लागत में कमी एवं आय में वृद्धि होती है।

जैविक खेती हेतु प्रमुख जैविक खाद और उर्वरक

जैविक खाद

नाडेप
बायोगैस स्लरी
वर्मीकम्पोस्ट
हरी खाद

जैव उर्वरक (कल्चर)

गोबर की खाद
नाडेप फास्फो कम्पोस्ट
पिट कम्पोस्ट (इंदौर विधि)
मुर्गी का खाद

जैविक खाद निर्माण के अन्य प्रचलन

भभूत अमृतपानी
अमृत संजीवनी
मटका खाद

जैविक पद्धति द्वारा कीट नियंत्रण

गौ-मूत्र
नीम पत्ती का घोल, निबोली, खली
मट्ठा
मिर्च, लहसुन
लकड़ी की राख
नीम व करंज खली

जैविक खाद तैयार करने की विधियां

नाडेप

यह विधि ग्राम पूसर जिला यवतमाल महाराष्ट्र के नारायण देवराव पण्डरी पांडे द्वारा विकसित की गई है। इसलिए इसे नाडेप कहते हैं। इस विधि में कम से कम गोबर का उपयोग करके अधिक मात्रा में अच्छी खाद तैयार की जा सकती है। टांके भरने के लिये गोबर, कचरा (बायोमास) और बारीक छनी हुई मिट्टी की आवश्यकता होती है। जीवांश को 90 से 120 दिन पकाने में वायु संचार प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। इसके द्वारा उत्पादित की गई खाद में प्रमुख रूप से 0.5 से 1.5 प्रतिशत नत्रजन, 0.5 से 0.9 प्रतिशत स्फुर एवं 1.2 से 1.4 प्रतिशत पोटाश के अलावा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भी पाये जाते हैं।

कैसे तैयार किया जाता है नाडेप

पक्का नाडेप

पक्का नाडेप ईंटों के द्वारा बनाया जाता है। नाडेप टांके का आकार 10 फीट

लंबा, 6 फीट चौड़ा और 3 फीट ऊंचा या 12 फीट लंबा, 5 फीट चौडा और 3 फीट ऊंचा बनाया जाता है। ईंटों को जोड़ते समय तीसरे, छठवें एवं नवें रद्दे में मधुमक्खी के छत्ते के समान 6''-7'' के ब्लॉक अथवा छेद छोड़ दिये जाते हैं जिससे टांके के अन्दर रखे पदार्थ को बाहर की हवा मिलती रहे। इस प्रकार से एक वर्ष में एक ही टांके से तीन बार खाद तैयार किया जा सकता है।

कच्चा नाडेप (भू-नाडेप)

भू-नाडेप अथवा कच्चा नाडेप परम्परागत तरीके के विपरीत बिना गड्ढा खोदे जमीन पर एक निश्चित आकार (12 फीट x 5 फीट x 3 फीट अथवा 10 फीट x 6 फीट x 3 फीट) का लेआउट देकर ढेर बनाया जाता है। इसकी भराई नाडेप टांके अनुसार की जाती है। इस प्रकार लगभग 5 से 6 फीट तक सामग्री जम जाने के बाद एक आयताकार ढेर को चारों ओर से गीली मिट्टी व गोबर से लीपकर बंद कर कर दिया जाता है। बंद करने के दूसरे अथवा तीसरे दिन जब गीली मिट्टी कुछ कड़ी हो जाये तब गोलाकार अथवा आयताकार टीन के डिब्बे से ढेर की लंबाई व चौड़ाई में 9-9 इंच के अंतर पर 7-8 इंच के गहरे छिद्र बनाये जायें। छिद्रों से हवा का अवागमन होता है और आवश्यकता पड़ने पर पानी भी डाला जा सकता है, ताकि बायोमास में पर्याप्त नमी रहे और विघटन क्रिया अच्छी तरह से हो सके। इस तरह से भरा बायोमास 3 से 4 माह में अच्छे से पक जाता है। इस तरह पकी हुई भुरभुरी, दुर्गंध रहित भूरे रंग की उत्तम गुणवत्ता की जैविक खाद तैयार हो जाती है।

टटिया नाडेप

टटिया नाडेप भी भू-नाडेप की तरह ही होते हैं, किन्तु इसमें आयताकार व व्यवस्थित ढेर को चारों और से लेप देने की जगह इसे बांस या बेशरम की लकड़ी एवं तुअर के डंठल आदि से टटिया बनाकर चारों ओर से बंद कर दिया जाता है। इसमें हवा का आवागमन स्वाभाविक रूप से छेद होने के कारण अपने आप ही होता रहता है।

नाडेप फास्फो कम्पोस्ट

यह नाडेप के समान ही कम्पोस्ट खाद तैयार करने की विधि है। अंतर केवल इतना है कि इसमें अन्य सामग्री के साथ रॉक फॉस्फेट का उपयोग किया जाता है जिसके फलस्वरूप कम्पोट में फॉस्फेट की मात्रा बढ़ जाती है। प्रत्येक परत के ऊपर 12 से 15 किलो रॉक फॉस्फेट की परत बिछाई जाती है शेष परत दर परत पक्के नाडेप टांके अनुसार ही टांके की भराई की जाती है, और फिर गोबर मिट्टी से लीपकर सील कर दिया जाता है। एक टांके में लगभग 150 किलो रॉक फॉस्फेट डाला जाता है।

पिट कम्पोस्ट

इस विधि को सर्वप्रथम 1931 में अलबर्ट हावर्ड और यशवंत बाड ने इन्दौर में विकसित की थी, अत: इसे इंदौर विधि के

नाम से भी जाना जाता है इस पद्धति में कम से कम 9x5x3 फीट व अधिक से अधिक 20x5x3 फीट आकार के गड्ढे बनाए जाते हैं। इन गड्ढों को 3 से 6 भागों में बांट दिया जाता है इस प्रकार प्रत्येक हिस्से का आकार 3x5x3 फीट से कम नहीं होना चाहिये। प्रत्येक हिस्से को अलग-अलग भरा जाता है और अंतिम हिस्सा खाद पलटने के लिए खाली छोड़ दिया जाता है।

नाडेप टांका कम्पोस्ट खाद तैयार करने की विधि

उपयोग होने वाली सामग्री

वानस्पतिक पदार्थ जैसे सूखे पत्ते, छिलके, डंठल, टहनिया, जड़ें आदि 1400

से 1600 किलो, इसमें प्लास्टिक, कांच एवं पत्थर नहीं हों।

गोबर 100 से 120 किलो (8 से 10 टोकरी) गोबर गैस से निकली स्लरी भी ली जा सकती है।

सूखी छनी हुई खेत या नाले की मिट्टी 600 से 800 किलो (120 टोकरी) गौ-मूत्र से सनी मिट्टी विशेष लाभदायी होती है।

साधारणतया 1500 से 2000 लीटर पानी, मौसम के अनुसार पानी की मात्रा कम या ज्यादा लग सकती है।

नाडेप बनाने की विधि

टांका भरने की विधि

खाद सामग्री पूरी तरह एकत्रित करने के बाद निम्न क्रम अनुसार टांका भरें। नाडेप पद्धति में खाद सामग्री एक ही दिन में या ज्यादा से ज्यादा 48 घंटे में पूरी तरह से टांका में भरकर सील कर दें।

प्रथम भराई

टांका भरने से पहले टांके के अंदर की दीवार एवं फर्श गोबर व पानी के घोल से अच्छा गीला कर दें।

पहली परत

वानस्पतिक पदार्थ, कचरा, डंठल, टहनियाँ, पत्तियाँ आदि पूरे टांके में छ: इंच की ऊचाई तक भर दें। इस 30 घनफीट में 100 से 110 किलो वानस्पतिक सामग्री आएगी। इस परत में 3 से 4 प्रतिशत नीम या पलाश की हरी पत्तियां मिलाने से दीमक पर नियंत्रण होगा।

दूसरी परत- गोबर का घोल

125 से 150 लीटर पानी में 4 किलो गोबर मिलाकर पहली परत के ऊपर इस तरह छिड़कें कि पूरी वानस्पतिक सामग्री अच्छी तरह भीग जाए। गर्मी में पानी की मात्रा अधिक रखें। यदि बायोगैस की स्लरी उपयोग करें तो 10 लीटर स्लरी को 125 से 150 लीटर पानी में घोल कर छिड़कें।

तीसरी परत

प्रथम भराई

भीगी हुई दूसरी परत के ऊपर, साफ छनी हुई मिट्टी 50 से 60 किलो के लगभग समान रूप से बिछा दें। परतों के इसी क्रम में टांके को उसके मुँह से 1.5 फीट ऊपर तक झोपड़ीनुमा आकार से भरें। सामान्यत: 11 से 12 परतों में टांका भर जावेगा। टांका भरने के बाद टांका सील करने के लिए 3 इंच मिट्टी (400 से 500 किलो) की परत जमा कर गोबर से लीप दें। इस पर दरारें पड़ें तो उन्हें पुन: गोबर से लीप दें।

द्वितीय भराई

15 से 20 दिन बाद टांके में भरी सामग्री सिकुड़कर 8 से 9 इंच नीचे चली जावेगी तब पहली भराई की तरह ही वानस्पतिक पदार्थ, गोबर का घोल एवं छनी मिट्टी की परतों से टांके को उनके मुँह से 1.5 फीट ऊपर तक भरकर पहले भराव के समान ही सील कर लीप दें।

सावधानियां

नाडेप कम्पोस्ट को पकने के लिये 90 से 120 दिन लगते हैं। इस दौरान नमी बनी रहने के लिए एवं दरारें बंद करने के लिए गोबर पानी का घोल छिड़कते रहें दरारें और न पड़ने दें। घास आदि उगे तो उसे उखाड़ दें व नमी कायम रखें। कड़ी धूप हो तो घास-फूस से छाया कर दें।

खाद की परिपक्वता

तीन से चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती है और दुर्गंध समाप्त होकर अच्छी खुशबू आने लगती है। खाद सूखना नहीं चाहिये। इस खाद को एक फीट में 35 तार वाली छलनी से छान लेना चाहिये और फिर उपयोग में लाना चाहिये। छलनी के ऊपर से निकला अधपका कच्चा खाद फिर से खाद बनाने के काम में लेना चाहिये। एक टांके से निकला खाद 6 से 7 एकड़ भूमि को दिया जा सकता है। एक टांके से 160 से 175 घन फीट छना खाद व 40 से 50 घन फीट कच्चा सामान मिलेगा। मतलब एक टांके से 3 टन (लगभग 6 बैलगाड़ी) अच्छा पका खाद मिलता है। नाडेप टांका विधि से कम से कम गोबर में अधिकाधिक मात्रा में अच्छी गुणवत्ता का खाद तैयार होता है। मात्र एक गाय के वर्ष भर के गोबर से 10 टन खाद मिलने की संभावना है। जिसमें नत्रजन 0.5 से 1.5 प्रतिशत, स्फूर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत होता है।

(क्रमश: अगले अंक में)

- शशांक मणि पाण्डे
(लेखक : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

बायोगैस स्लरी

बायोगैस संयंत्र में गोबर गैस की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तरण गैस के रूप में होता है और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तरण खाद के रूप में होता हैं। जिसे बायोगैस स्लरी कहा जाता है। दो घनमीटर के बायोगैस संयंत्र में 50 किलोग्राम प्रतिदिन या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता है। उस गोबर में 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायोगैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। ये खेती के लिये अति उत्तम खाद होता है। इसमें 1.5 से 2 प्रतिशत नत्रजन, 1 प्रतिशत स्फुर एवं 1 प्रतिशत पोटाश होता हैं।

बायोगैस संयंत्र में गोबर गैस की पाचन क्रिया के बाद 20 प्रतिशत नाइट्रोजन अमोनियम नाइट्रेट के रूप में होता है। अत: यदि इसका तुरंत उपयोग खेत में सिंचाई नाली के माध्यम से किया जाये तो इसका लाभ फसल पर तुरंत होता है और उत्पादन में 10 से 20 प्रतिशत बढ़त हो जाती है। स्लरी के खाद में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश के अतिरिक्त सूक्ष्म पोषण तत्व एवं ह्यूमस भी होता हैं जिससे मिट्टी की संरचना में सुधार होता है तथा जल धारण क्षमता बढ़ती है। इसकी मात्रा भी कम लगती है। जहां असिंचित खेती में 5 टन एवं सिंचित खेती में 10 टन प्रति हैक्टर सूखी खाद की आवश्यकता होती है वहीं ताजी गोबर गैस स्लरी सिंचित खेती में 3 से 4 टन प्रति हैक्टर ही लगेगी। सूखी खाद का उपयोग अन्तिम बखरनी के समय एवं ताजी स्लरी का उपयोग सिंचाई के दौरान करना चाहिए। स्लरी के उपयोग से फसलों को तीन वर्ष तक पोषक तत्व धीरे-धीरे उपलब्ध होते रहते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम 2.0

मंगलयान से लेकर गगनयान तक और उससे आगे

अंतरिक्ष की दुनिया में भारत अब एक सिरमौर राष्ट्र बन चुका है। भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत सबसे पहले एक नाइक अपाचे रॉकेट को प्रक्षेपित कर की थी जिसे 21 नवंबर, 1963 को प्रक्षेपित किया गया था। यह एक प्रकार का साउंडिंग रॉकेट था। इसके बाद से भारत ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अंतरिक्ष जो कि सबसे चुनौतीपूर्ण एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी के सटीक प्रयोग पर आधारित ऐसा क्षेत्र है जहां सफलता का प्रतिशत बहुत कम होता है, बावजूद इसके इसरो ने वह मुकाम हासिल किया जो कि कई विकसित राष्ट्रों के लिए आज भी एक सपने से कम नहीं है। अपनी सबसे सफलतम रॉकेट टेक्नोलॉजी के अलावा इसरो ने सफलतम सैटेलाइट कार्यक्रम को बहुत ही प्रभावी ढंग से सबसे कम लागत में विकसित किया है, जिसकी सफलतम शुरुआत प्रथम सैटेलाइट आर्यभट्ट को 1975 में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से पृथ्वी की निम्न कक्षाओं में भेज कर की थी। भारत अपने सैटेलाइट कार्यक्रम के माध्यम से कई क्षेत्रों में जैसे दूरसंचार, मौसम विज्ञान, कृषि विज्ञान, सुदूर संवेदन, भारतीय सैन्य सुरक्षा एवं अन्य वैज्ञानिक लक्ष्यों आदि में स्पेस टेक्नोलॉजी का सफल उपयोग कर रहा है।

भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष गाथा में उन अभियानों ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा दिलाया है जो कि अपनी प्रौद्योगिकी और कठिनाइयों के बावजूद अंतरिक्ष अन्वेषण की दुनिया में अपना परचम लहराने में पीछे नहीं रहे हैं, उनमें से एक है- मंगलयान, भारत का पहला मंगल अभियान, जो कि चंद्रयान-1 के बाद दूसरा प्रयास था, जब भारत ने पृथ्वी की निम्न कक्षाओं को छोड़ते हुए हमारे सबसे करीबी लाल ग्रह के रूप में पहचाने जाने वाले मंगल की भी कक्षा में पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक स्थापित किया था। 5 नवम्बर 2013 को 2 बजकर 38 मिनट पर मंगल ग्रह की परिक्रमा करने के लिए मार्स ऑर्बिटर मिशन को सफलतापूर्वक आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) सी-25 के माध्यम से छोड़ा गया था। भारत के लिए मंगलयान एक महत्वपूर्ण सफलता थी, इसके साथ ही भारत ऐसा करने वाला चौथा राष्ट्र बन गया था वह भी प्रथम प्रयास में ही सफलता प्राप्त करने वाला पहला राष्ट्र।

इस मिशन की लागत लगभग 450 करोड़ रुपये थी। यह अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पहले मंगल अभियान के बजट की तुलना में काफी कम था। अगर हॉलीवुड फिल्मों के बजट से तुलना की जाए तो इनकी की तुलना में यह मिशन बहुत ही कम लागत में तैयार किया गया था। इसरो अपने सबसे किफायती अभियानों एवं कम बजट में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अंतरिक्ष अभियानों को पूरा करने के लिए विश्व में अपनी एक ऐसी साख बना चुका है, जो कि पूरी दुनिया में अंतरिक्ष के क्षेत्र में अग्रणी देशों के लिए भी एक प्रेरणा है। यह अभियान अपने आप में कई चुनौतियों से भरा था। भारत ने पूरी दुनिया के समक्ष इसकी सफलता के साथ ही यह साबित कर दिया था कि अब हम पृथ्वी की निम्न कक्षाओं से बाहर करीबी उपग्रह चंद्रमा और ग्रह मंगल पर भी अपनी ही स्वदेशी प्रौद्योगिकी के आधार पर न केवल पहुंच सकते हैं बल्कि सफलतापूर्वक वैज्ञानिक लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं। अंतरिक्ष अभियांत्रिकी की दृष्टि से भी इस प्रकार के अंतरग्रही स्पेस मिशन बहुत ही पेचीदा एवं अपने आप में एक नया अनुभव होते हैं।

भारत ने चंद्रयान-1 के समय से ही डीप स्पेस नेटवर्क एंटीना टेक्नोलॉजी का विकास कर लिया था जिसका उपयोग स्पेसक्राफ्ट को अपने लक्ष्य तक पहुंचाने में किया जाता है। इसरो की टेक्नोलॉजी और कार्य करने के तरीके किसी भी राष्ट्र के लिए एक प्रेरणा एवं सीखने के लिए एक अच्छा अनुभव हैं, क्योंकि इसरो ने सबसे कम समय में कम लागत में बेहतर आधुनिक अंतरिक्ष अभियानों को पहले ही बार में चंद्रमा की कक्षा में और उसके बाद मंगल ग्रह की कक्षा में स्थापित करके वह मुकाम हासिल कर लिया था, जो कि कई राष्ट्रों के लिए उनकी शुरुआती अंतरिक्ष युग के दौरान बहुत चुनौतीपूर्ण और संघर्षमयी रहा है। अंतरिक्ष एक ऐसा क्षेत्र है जो अति संवेदनशील एवं किसी भी गलती को माफ न करने के लिए जाना जाता है। जहां आप किसी भी अंतरिक्ष अभियान को छोड़े जाने के बाद इन्हें दोबारा ठीक या इनकी मरम्मत नहीं कर सकते हैं, ऐसे में इनकी सटीकता और सफलता की सुनिश्चितता करना अपने आप में एक सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जिसमें अब इसरो महारत हासिल कर चुका है।

इस दिशा में इसरो ने कोई भी कसर नहीं छोड़ी है चाहे वह चंद्रयान-1 हो, मंगलयान हो, चंद्रयान-2 या हाल ही में सबसे सफल अभियान चंद्रयान-3 हो। इन सभी में एक चीज बड़ी प्रभावी है, वह है कम लागत में इन अभियानों को अपनी तयशुदा समय-सीमा के भीतर अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों को ध्यान में रखते हुए लक्ष्यों को प्राप्त करना। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप सफलतापूर्वक उतरकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जहां एक ओर भारत इस सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद

चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला चौथा राष्ट्र बना तो वहीं दूसरी ओर चंद्रमा की दक्षिणी ध्रुव के समीप पहुंचने वाला प्रथम राष्ट्र बनने का गौरव प्राप्त हुआ। चंद्रयान-3 की लैंडिंग की शानदार सफलता ने भारत की अंतरिक्ष के क्षेत्र में हासिल की हुई प्रौद्योगिकी और अनुभव की असीम क्षमता का सफल प्रदर्शन किया है।

इन सभी अभियानों में एक बात बहुत ही प्रेरक है, वह है भारत के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई स्वदेशी तकनीक के आधार पर इन चुनौतीपूर्ण अभियानों को सफलता में परिवर्तित करना। आज भारत अपने ही द्वारा विकसित किए हुए राकेट कार्यक्रम के माध्यम से एक सफल सैटेलाइट कार्यक्रम का संचालन कर रहा है, इसके अलावा पृथ्वी की निम्न कक्षाओं को छोड़ते हुए, अब भारत के अपने स्वयं के स्पेसक्राफ्ट चंद्रमा की कक्षा में, चंद्रमा की सतह पर, मंगल ग्रह की कक्षा में और सूर्य के ओर अग्रसर है। इसी क्रम में, भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक गगनयान कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में पृथ्वी की निम्न कक्षाओं में भेजकर सुरक्षित वापस लाना है। यह कार्यक्रम भारत को मानव अंतरिक्ष उड़ान में सक्षम देशों के विशिष्ट स्पेस क्लब में शामिल होने के करीब ले आया है। चालक दल के मिशनों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, गगनयान का लक्ष्य भारत को रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजने वाला चौथा देश बनाना है।

यह कार्यक्रम अंतरिक्ष अन्वेषण की सीमाओं को आगे बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण देने और आवश्यक प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ, गगनयान भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ESA और रूस स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस जैसी प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में प्रगति की तुलना करने पर, यह स्पष्ट है कि भारत ने अपेक्षाकृत कम अवधि में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन्हें निम्न बिन्दुओं द्वारा और बेहतर समझा जा सकता है :

1. कम लागत मिशन : भारत के अंतरिक्ष मिशन अपनी कम लागत एवं उच्च गुणवत्ता के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उदाहरण के लिए, जहाँ एक ओर मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान) की लागत अन्य मंगल मिशनों की तुलना में बहुत कम थी वहीं दूसरी ओर हाल ही में विश्व में परचम लहराने वाले भारतीय चन्द्र अभियान-चंद्रयान-3 की उपलब्धि के आगे इसकी लागत अन्य सॉफ्ट लैंडिंग अभियानों से काफी कम है, जो भारत की कम लागत में अधिक प्रभावी एवं उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ कार्य करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

2. तकनीकी नवाचार : इसरो ने लगातार नवाचार, विश्वसनीय और कुशल अंतरिक्ष यान डिजाइन करने की क्षमता प्रदर्शित की है। चंद्रयान-1, मंगलयान, चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1, सभी ने अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए उन्नत तकनीक विकसित करने में भारत की क्षमताओं एवं आधुनिकतम सोच का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

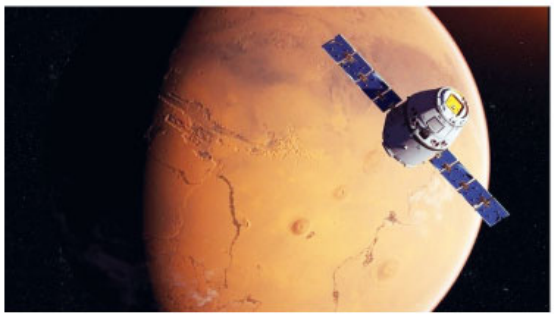

3. निरंतरता और प्रतिबद्धता : चंद्रयान-2 की लैंडिंग विफलता जैसी असफलताओं के बावजूद, इसरो ने उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखाई है। चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण एवं सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही, हमारे चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप विक्रम लैंडर का सफलतापूर्वक उतरना यह दर्शाता है कि इसरो कैसे हर अभियान की सफलता अथवा पूर्ण और आंशिक असफलता से न केवल सीखता है, बल्कि हर आने वाले अभियानों में इस अनुभव के आधार पर उत्तम प्रदर्शन करता है, जो अन्तरिक्ष में इसरो की अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता को उजागर करता है।

4. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : भारत दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देते हुए कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों में लगा हुआ है। यह सहयोग भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए ज्ञान और संसाधनों के आदान-प्रदान में योगदान करते हैं, जिससे भारतीय अन्तरिक्ष अभियान को एक नई दिशा प्राप्त होती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा का भविष्य

भारत की अंतरिक्ष यात्रा की अभी तो महज शुरुआत है। अंतरिक्ष अन्वेषण में देश की उपलब्धियों ने एक रोमांचक भविष्य की नींव रखी है। मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियान-गगनयान अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की भारत की आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण और वैज्ञानिक खोज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आगे जाकर अन्तरिक्ष में अपने स्वयं के स्पेस स्टेशन बनाने एवं मानव के द्वारा अन्तरिक्ष में बस्तियां बसाने के दिशा में एक बहुत महत्वपूर्ण योगदान होगा। मानव अंतरिक्ष उड़ान अंतरिक्ष यात्रा के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों को समझने की दिशा में नए अनुसंधान के द्वार खोलेगा जिससे भविष्य में लंबी दूरी की मानव सहित अन्तरिक्ष यात्राओं की नींव रखी जा सकेगी। भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम का आने वाला समय बहुत ही स्वर्णिम होने वाला है। इस दिशा में भारत नई प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है और नए अंतरिक्ष अभियानों की दिशा में कार्यशील है।

जिनमें से कुछ संभावित अन्तरिक्ष अभियान हैं शुक्रयान, मंगलयान-2 तथा आने वाले अन्य चंद्र एवं खगोलीय पिंडों पर केन्द्रित अभियान। इसरो इसके साथ-साथ अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम देने के लिए भारतीय बाजार को तैयार करने के लिए भी पूरा खुला वातावरण निर्मित कर रहा है, ताकि निजी कंपनियां पृथ्वी की निम्न कक्षाओं से जुड़े हुए अंतरिक्ष अभियानों एवं उनसे संबंधित सैटेलाइट कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए तैयार हो सकें। इससे भारत जैसे विशाल देश का अंतरिक्ष पर आधारित अर्थव्यवस्था को एक नया मंच मिले जो कि अन्य विकासशील राष्ट्रों के लिए एक व्यापक एवं प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय बाजार बन सके। इस क्षेत्र में इसरो ने पहले से ही शुरुआत कर दी है, जिसके द्वारा कई विदेशी उपग्रहों को भारत के सफलतम राकेट अभियानों के द्वारा पृथ्वी की निम्न कक्षाओं में स्थापित किया गया है। इसरो स्पेस स्टार्टअप के क्षेत्र में भी बराबर टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान एवं सहयोग प्रदान कर रहा है। वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण और उपग्रह-आधारित सेवाओं को सुविधाजनक बनाने की पहल के साथ, भारत बढ़ती वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने के लिए भी, खुद को तैयार कर रहा है। इस क्षेत्र में आर्थिक विकास और तकनीकी उन्नति की अपार संभावनाएं हैं जो विभिन्न आयामों से जुड़े हुए रोज़गार की असीम संभावनाओं को भी जन्म देती हैं।

- साकेत सिंह कौरव
(लेखक : क्यूरेटर 'डी' एवं प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रीजनल साइंस सेंटर, भोपाल)

एफएसटी ने 82 करोड़ रुपये से अधिक की कार्यवाही को दिया अंजाम

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर प्रदेश में 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हुई है। इसके प्रभावशील होते ही स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए जिलों में गठित उड़नदस्ता दल (एफएसटी) एवं पुलिस की संयुक्त टीम सक्रिय है। टीम ने 391 इंटर स्टेट बॉर्डर एवं जिलों के अंदर कार्रवाई की। जिसमें 9 से 19 अक्टूबर के बीच संयुक्त टीम ने 81 करोड़ 98 लाख 5 हजार 826 रुपये से अधिक की कार्रवाई की है।

सामग्रियां जब्ती की हुई कार्यवाही

संयुक्त टीम ने 19 अक्टूबर तक 8 करोड़ 65 लाख 64 हजार 290 रुपये नगद, 17 करोड़ 29 लाख 90 हजार 980 रुपये मूल्य की 940174.738 लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। 20 करोड़ 77 लाख 98 हजार 378 रुपये कीमत की अमूल्य धातु/ज्वेलरी, 4 करोड़ 36 लाख 65 हजार 378 रुपये कीमत के मादक पदार्थ एवं 30 करोड़ 87 लाख 86 हजार 800 रुपये कीमत की अन्य सामग्रियां जब्त की गई हैं।

विश्व कप में अब तक

क्रिकेट का रोमांच मैदान के अंदर भी और मैदान के बाहर भी

इन दिनों क्रिकेट विश्व कप-2023 चल रहा है। जिसमें अब तक 25 से अधिक मैच खेले जा चुके हैं। 45 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 48 मैच खेले जायेंगे। विश्व कप की शुरुआत 5 अक्टूबर को हो चुकी है, वहीं इसका फाइनल मैच 19 नवम्बर को खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने 5 मैच खेल चुकी है और सभी मैचों में जीत दर्ज कर विश्व कप अंक तालिका में पहले स्थान पर है। आज जिस खेल को दुनियाभर में फुटबॉल के बाद लोकप्रियता मिली है, वह है क्रिकेट। यूरोप और अफ्रीका से ज्यादा दक्षिण एशिया में बसे लोगों के लिए क्रिकेट एक रोमांच की तरह है। रोज़गार और निर्माण के इस अंक में पढ़िये क्रिकेट विश्व कप के इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी।

ऐसे मिलती है क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी

क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी चुनने का अधिकार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को होता है। क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी के लिए आईसीसी द्वारा आवेदन मंगवाए जाते हैं। जिसमें सभी इच्छुक देश के क्रिकेट बोर्ड अपना नाम भेजते हैं। आईसीसी की कार्यकारी समिति क्रिकेट विश्व कप के आयोजन पर प्राप्त आवेदनों की जांच करती है। बाद में टूर्नामेंट के आयोजन के लिए वोटिंग करवाई जाती है। विजेता को आगामी क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी दी जाती है। क्रिकेट विश्व कप अब तक उन सभी देशों में आयोजित हुआ है, जिसमें क्रिकेट एक लोकप्रिय खेल है। अधिकांश टूर्नामेंटों की मेजबानी समान भौगोलिक क्षेत्र के देशों को संयुक्त रूप से दी जाती है।

क्रिकेट विश्व कप-2023 का मेजबान भारत

टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी सहित 50 ओवर के विश्व कप के लिए

मेजबानों का चयन बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली, क्रिकेट वेस्टइंडीज के अध्यक्ष रिकी स्केरिट और मार्टिन की अध्यक्षता वाली एक उप-समिति की देखरेख में आये आवेदनों के माध्यम से किया गया था।

सबसे ज्यादा इंग्लैंड को मेजबानी का अवसर

इंग्लैंड अकेला ऐसा देश है जिसने सबसे ज्यादा विश्व कप की मेजबानी की है। उसने वर्ष 1975, 1979, 1983 और 1999 में इंग्लैंड ने पड़ोसी देश आयरलैंड, नीदरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के साथ मेजबानी की। 2019 में भी इंग्लैंड ने मेजबानी की। आगामी क्रिकेट विश्व कप 2027 और 2031 में आयोजित किया जाएगा। वहीं, 2027 में होने वाले क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को दी गयी जबकि 2031 में होने वाले क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश और भारत के पास प्रस्तावित है।

क्रिकेट शब्द कहां से आया

वर्ष 1598 में क्रिकेट को क्रेक्केट कहा जाता था। ऐसा माना जाता है यह नाम अंग्रेजी के क्रिक अर्थात लाठी से लिया गया है। इसके अलावा इतिहास में क्रिकेट को मध्य डच शब्द क्रिकस्टोल से भी जाना जाता है। जिसका उपयोग चर्च में घुटने टेकने के लिए किया जाता था। इसका आकार शुरुआती क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाले दो विकेट से मिलता-जुलता था।

क्रिकेट की शुरुआत

उल्लेख अनुसार क्रिकेट का इतिहास 16वीं शताब्दी से है। उस समय लोग अपना मन बहलाने के लिए आपस में मैच खेला करते थे। ऐसा माना जाता था कि पहले इंग्लैड के लोग मनोरंजक प्रायोजनों के लिए शहर से बाहर जाया करते थे। वहां वह कुछ दिन बिताते थे उस दौरान वह क्रिकेट भी खेला करते थे। एक बात और ध्यान देने योग्य है कि क्रिकेट की शुरुआत वहीं हुई है जहां पर अंग्रेजों का शासन रहा। इस समय तक, क्रिकेट भारत, उत्तर अमेरिका और वेस्टइंडीज में शुरू हो चुका था, लेकिन पहला उल्लेख 18वीं सदी में ही मिलता है। 1709 में, तत्कालीन अंग्रेज़ उपनिवेश वर्जीनिया के अपने जेम्स रीवर इस्टेट में विलियम बायर्ड ने क्रिकेट खेला था।

भारत में क्रिकेट की शुरुआत

1721 में ईस्ट इंडिया कंपनी के अंग्रेज नाविकों द्वारा बड़ौदा के पास कैम्बे में क्रिकेट खेले जाने के प्रमाण है। यही भारत में क्रिकेट खेलने का प्रारंभिक संदर्भ है। भारत में और उसके बाद पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में क्रिकेट की शुरुआत और स्थापना ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से हुई। पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच 1844 के बाद खेला गया था। आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट 1877 से प्रारम्भ हुआ। उस समय यह खेल मूल रूप से इंग्लैंड में खेला जाता था जो कि अब पेशेवर रूप में अधिकांश राष्ट्र मंडल देशों में खेला जाता है।

1971 में पहली बार खेला गया था वन-डे मैच

वर्ष 1971 में पहली बार एक दिवसीय क्रिकेट यानी वन-डे क्रिकेट खेला गया। इसके पहले क्रिकेट का एक ही फॉर्मेट टेस्ट मैच होता था, जिसे देखकर दर्शक उबने लगे थे। ऐसे में 1971 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए वन-डे ने दर्शकों को नया रोमांच दिया। वन-डे क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ी तो वर्ष 1975 में पहले वर्ल्ड कप क्रिकेट का आयोजन इंग्लैंड में किया गया।

चार साल में होता है विश्व कप का आयोजन

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित किया जाता है। वर्ष 1975 में इंग्लैंड की मेजबानी में वन-डे

वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई थी। वर्ष 1975 क्रिकेट वर्ल्ड कप में कुल आठ टीमों ने भाग लिया था। जिसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज के साथ श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका की टीमें शामिल थीं। यह टूर्नामेंट 60 ओवरों के प्रारूप में लाल क्रिकेट गेंद के साथ खेला जाता था। शुरुआती वर्षों में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने क्रिकेट विश्व कप पर अपना दबदबा बनाये रखा और क्लाइव लायड की कप्तानी में 1975 और 1979 में खिताब जीता।

1987 में पहली बार इंग्लैंड से बाहर हुआ विश्व कप

पहली बार 1987 में इंग्लैंड के बाहर, वर्ल्ड कप का आयोजन भारत और पाकिस्तान में किया गया था। पहली बार टीमें रंगीन ड्रेस में नजर आईं। सफेद गेंद का इस्तेमाल किया गया और डे-नाइट मैचों का आयोजन हुआ। इसके साथ ही ओवरों की संख्या भी घटाकर 50 ओवरों की कर दी गई थी। उल्लेखनीय है कि पहले 3 विश्व कप यानी 1975, 1979, 1983 में यह टूर्नामेंट प्रुडेंशियल कप के नाम से जाना जाता है। लेकिन 1999 में क्रिकेट विश्वकप का आधिकारिक नाम आईसीसी क्रिकेट विश्व कप रखा गया।

अब तक 12 विश्व कप हुए आयोजित

अब तक 12 विश्व कप टूर्नामेंट आयोजित हो चुके हैं। वन-डे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम है, जिसने अब तक 5 विश्व कप जीते हैं और 2 बार उपविजेता रही है। वर्ष 2007 में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी। ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत और वेस्टइंडीज ने दो-दो बार विश्व कप जीते हैं। वर्ष 2019 का विश्व कप इंग्लैंड ने जीता था।

1975 में खेला गया था पहला विश्वकप

वर्ष 1975 में पहला विश्व कप क्रिकेट 7 जून से 21 जून तक खेला गया। इस प्रतियोगिता में 8 टीमों ने हिस्सा लिया था। 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में रखा गया था। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों को सीधे सेमीफाइनल में एंट्री मिली। पहले ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, भारत और ईस्ट अफ्रीका की टीमें थीं। दूसरे ग्रुप में वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और श्रीलंका थे। 21 जून को फाइनल मैच लार्ड्स के मैदान पर खेला गया। यह मैच वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 60 ओवरों में 8 विकेट पर 291 रन बनाए। क्लाइव लॉयड ने 102 रनों की पारी खेली। गैरी गिल्मर ने 48 रन देकर 5 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने 58.4 ओवरों में सभी विकेट खो दिए और 274 रन बनाए। इयान चैपल ने 62 रन बनाए तो कीथ बोयस ने 50 रन देकर 4 विकेट लिए। इस तरह पहला विश्वकप का विजेता वेस्टइंडीज बना।

अब तक क्रिकेट विश्व कप जीतने वाले और आयोजित करने वाले देशों की सूची

वर्ष	मेजबान देश	आयोजित स्थल	विजेता	उपविजेता
1975	इंग्लैंड	लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन	वेस्टइंडीज	ऑस्ट्रेलिया
1979	इंग्लैंड	लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड
1983	**इंग्लैंड**	**लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन**	**भारत**	**वेस्टइंडीज**
1987	भारत और पाकिस्तान	ईडन गार्डन, कोलकाता	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
1992	ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड	मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, मेलबोर्न,	पाकिस्तान	इंग्लैंड
1996	भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका	भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया
1999	इंग्लैंड	लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान
2003	दक्षिण अफ्रीका, केन्या और जिम्बाब्वे	वांडरर्स, जोहान्सबर्ग	ऑस्ट्रेलिया	भारत
2007	वेस्टइंडीज	केंसिंग्टन ओवल, ब्रिजटाउन	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका
2011	बांग्लादेश, भारत और श्रीलंका	वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई	भारत	श्रीलंका
2015	ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड	एमसीजी, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
2019	इंग्लैंड	लॉर्ड्स, लंदन	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड

1983 में भारत ने जीता था पहला विश्व कप

1983 का विश्व कप कपिल देव की कप्तानी में भारतीय टीम ने जीता था। इसमें भारत ने पिछली दो विश्व कप विजेता वेस्टइंडीज टीम को हराकर विश्व कप जीता था। इसके 28 साल बाद वर्ष 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने दूसरी बार विश्व कप जीता।

संभावित प्रश्न उत्तर

प्रश्न- क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत कब हुई थी?
उत्तर- 1975 में इंग्लैंड की मेजबानी में पहला वन-डे वर्ल्ड कप खेला गया था।

प्रश्न- क्रिकेट वर्ल्ड कप कितने साल पर होता है?
उत्तर- क्रिकेट वर्ल्ड कप प्रत्येक चार साल पर आयोजित किया जाता है।

प्रश्न- पहला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाला देश कौन सा है?
उत्तर- वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में 17 रन से हराकर पहला विश्व कप जीता था।

प्रश्न- 2019 वर्ल्ड कप किसने जीता था?
उत्तर- 2019 क्रिकेट विश्व कप इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर जीता था।

प्रश्न- भारत ने कितनी बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है?
उत्तर- भारत अब तक 2 बार (1983 और 2011 में) क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत चुका है।

प्रश्न- सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम कौन सी है?
उत्तर- ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सबसे ज्यादा कुल 5 बार विश्व कप जीत चुकी है और 2 बार उपविजेता भी रही है।

प्रश्न- क्या पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप जीता है?
उत्तर- हां, पाकिस्तान ने साल 1992 में इमरान खान की कप्तानी में इंग्लैंड को 22 रनों से हराकर क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था।

प्रश्न- पाकिस्तान ने कितनी बार वर्ल्ड कप जीता है?
उत्तर- पाकिस्तान ने सिर्फ एक बार क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता है।

प्रश्न- अगला वर्ल्ड कप कहां खेला जायेगा?
उत्तर- अगला क्रिकेट वर्ल्ड कप यानी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाना है।

प्रश्न- वर्ल्ड कप 2023 में भारत कितने मैच खेलेगा?
उत्तर- वर्ल्ड कप 2023 में भारत 9 मैच खेलेगा।

प्रश्न- 2023 वर्ल्ड कप कब से और कहां हो रहा है?
उत्तर - 2023 वर्ल्ड कप भारत में और यह 5 अक्टूबर से चल रहा है।

प्रश्न- वर्ल्ड कप 2023 में कितने मैच हैं?
उत्तर- वर्ल्ड कप 2023 में 48 मैच खेले जाएंगे।

- हितेश शर्मा
(लेखक : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत

पद का नाम - उप लाइब्रेरियन, चिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 06 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.svnit.ac.in

जम्मू एवं कश्मीर विकास वित्त निगम लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधन कर्मचारी, सहायक कर्मचारी, फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट, ऑफिस अटेंडेंट
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 03 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.jkdfc.org

उत्तर मध्य रेलवे खेलकूद कोटा के अंतर्गत भर्ती

पद का नाम - क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, एथेलेटिक्स, हॉकी, टेबल टेनिस, कबड्डी, बास्केटबॉल
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार और खेलकूद एवं शैक्षणिक मानक पूरे करने होंगे
अंतिम तिथि - 03 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.rrcpryj.org

भारतीय मानक ब्यूरो

पद का नाम - कृषि विज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 03 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.bis.gov.in

लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

पद का नाम - प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सहायक, अपर श्रेणी लिपिक, स्टोर कीपर, आशुलिपिक (ग्रेड I, ग्रेड II), डाटा एंट्री ऑपरेटर (ग्रेड बी, सी), रेडियोग्राफर, ऑफसेट मशीनमैन, स्टाफ कार ड्राइवर (ग्रेड I, II)
पदों की संख्या - 16
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 02 दिसंबर 2023
वेबसाइट - www.lbsnaa.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

पद का नाम - सीनियर रेजीडेंट
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार, अधिकतम आयु 45 वर्ष
अंतिम तिथि - 04 नवंबर 2023
वेबसाइट-www.aiimsbhopal.edu.in

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास

पद का नाम - अधिकारी ग्रेड घ (उप महाप्रबंधक)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.npstrust.org.in

एडमिशन अलर्ट

भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता

पाठ्यक्रम का नाम - पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश
योग्यता - प्रथम श्रेणी मास्टर या 2 वर्ष का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और कम से कम 50% अंकों के साथ तीन वर्ष की स्नातक डिग्री, कैट देना अनिवार्य
अंतिम तिथि - 30 जनवरी 2024
वेबसाइट - www.iimcal.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय का रामानुजन कॉलेज

पाठ्यक्रम का नाम - मास मीडिया और फिल्म अध्ययन में डिप्लोमा कोर्स
योग्यता - इंग्लिश और हिंदी भाषा में एक्सपर्ट, कम्प्यूटर का ज्ञान
अंतिम तिथि - 03 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://ramanujancollege.ac.in

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम का नाम - स्नातक कार्यक्रम
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 15 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://www.successcds.net/admission/azim-premji-university-ug-courses-2024

एमिटी यूनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम का नाम - स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
आवेदन - 24 जनवरी 2024 से प्रारंभ
वेबसाइट - https://www.successcds.net/admission/amet-university-ug-pg-courses-2024

स्कॉलरशिप

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

किसके लिये - एआईसीटीई मान्यता प्राप्त छात्रों में अध्ययनरत् छात्रों के लिये
योग्यता - एमई, एमटेक, एमआर्क के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत्
क्या मिलेगा - गेट और सीईईडी छात्रों को प्रतिमाह स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति
अंतिम तारीख - 30 नवंबर 2023
वेबसाइट - pgscholarship.aicte-india.org

पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना

किसके लिये - ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी श्रेणियों से संबंधित छात्रों के लिये
योग्यता - कक्षा 9वीं में अध्ययरत् तथा परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम हो।
क्या मिलेगा - स्कूली शिक्षा के लिये 75 हजार।
आवेदन - 31 दिसंबर 2023 से 15 जनवरी 2024 तक।
वेबसाइट - https://scholarships.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व डे - 3 नवंबर

पचमढ़ी, अमरकंटक और पन्ना दर्शाते हैं अपनी उत्कृष्ट प्राकृतिक सुंदरता

बायोस्फीयर रिजर्व (BR) लोगों और प्रकृति, दोनों के लिये विशेष वातावरण हैं, जिसमें मनुष्य एवं प्रकृति एक-दूसरे की जरूरतों का सम्मान करते हुए रह सकते हैं। बायोस्फीयर रिजर्व अथवा जैवमंडल रिजर्व, जैव विविधता के संरक्षण को स्थायित्व के साथ सामंजस्य बिठाने वाले समाधानों को बढ़ावा देता है । बायोस्फीयर रिजर्व, प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है। इन क्षेत्रों में वन्यजीवों एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, रखरखाव, प्रबंधन या पुनर्स्थापन किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने बायोस्फीयर रिजर्व की शुरुआत प्राकृतिक क्षेत्र में विकास और संरक्षण के बीच संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से की है।

परिभाषा क्या है?

यूनेस्को के मुताबिक 'बायोस्फीयर रिजर्व स्थलीय और तटीय पारिस्थितिक तंत्र के क्षेत्र हैं, जो अपने सतत उपयोग के साथ जैव विविधता के संरक्षण के समाधान को बढ़ावा देते हैं।' बायोस्फीयर रिजर्व की शुरुआत यूनेस्को ने 1971 में की थी। दुनिया भर के देश अपने यहां बायोस्फीयर रिजर्व घोषित करते हैं, उसके बाद इसकी सूचना यूनेस्को को भी दी जाती है। यूनेस्को इन क्षेत्रों को अपने पैमाने पर देखता है फिर शर्तें पूरी होने पर उन्हें अपने नेटवर्क में शामिल करता है। बायोस्फीयर रिजर्व को मैन एंड बायोस्फीयर रिजर्व प्रोग्राम (MAB) की अंतर्राष्ट्रीय समन्वय परिषद (ICC) के निर्णयों के बाद यूनेस्को के महानिदेशक द्वारा नामित किया जाता है। मैन एंड बायोस्फीयर रिजर्व प्रोग्राम (MAB) एक अंतर-सरकारी वैज्ञानिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य लोगों और उनके वातावरण के बीच संबंधों में सुधार के लिये वैज्ञानिक आधार स्थापित करना है।

अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस कब से मनाया जा रहा है?

2021 में यूनेस्को जनरल कॉन्फ्रेंस के 41वें सत्र में अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व डे मनाने की घोषणा की गई थी। इस सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया था कि वर्ष 2022 से प्रत्येक वर्ष 3 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस साल दूसरा इंटरनेशनल बायोस्फीयर रिजर्व डे मनाया जा रहा है।

बायोस्फीयर रिजर्व में होते हैं तीन जोन

बायोस्फीयर रिजर्व को सामान्यतः तीन हिस्सों या जोन में बांटा जाता है- 1. कोर जोन, 2. बफर जोन और 3. ट्रांजिशन एरिया । कोर जोन बायोस्फीयर रिजर्व का सबसे संरक्षित क्षेत्र होता है, इसमें स्थानिक पौधे और जानवर हो सकते हैं। यह काफी संवेदनशील होता है, यहां मानवीय गतिविधियों की अनुमति नहीं होती है। बफर क्षेत्र का प्रयोग ऐसे कार्यों के लिये किया जाता है जो पूर्णतया नियंत्रित और गैर- विध्वंसक हों, यहां वैज्ञानिक अनुसंधान (साइंटिफिक रिसर्च) की अनुमति दी जाती है। ट्रांजिशन एरिया या संक्रमण क्षेत्र, यह बायोस्फीयर रिजर्व का सबसे बाहरी हिस्सा होता है। यह सहयोग का क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अंतर्गत मानव बस्तियां, फसल भूमि, प्रबंधित जंगल, मनोरंजन का क्षेत्र और अन्य आर्थिक उपयोग वाले क्षेत्र आते हैं।

दुनियाभर में कितने बायोस्फीयर रिजर्व हैं?

यूनेस्को (UNESCO) की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में 134 देशों में कुल 748 बायोस्फीयर रिजर्व हैं, इसमें 23 ट्रांसबाउंड्री साइट्स हैं। अफ्रीका के 33 देशों में 93 साइट्स हैं, अरब क्षेत्र के 14 देशों में 36 साइट्स हैं, एशिया-पेसिफिक के 24 देशों में 176 साइट्स हैं, यूरोप-उत्तरी अमेरिकी क्षेत्र के 41 देशों में 309 साइट्स और लैटिन अमेरिका-कैरेबियाई क्षेत्र के 22 देशों में 134 साइट्स हैं।

भारत में कितनी साइट्स हैं इन्हें कब शामिल किया?

यूनेस्को के अनुसार भारत में 12 बायोस्फीयर रिजर्व है। सबसे पहले सन् 2000 में नीलगिरि क्षेत्र को बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क में जोड़ा गया। उसके बाद 2001 में गल्फ ऑफ मन्नार और सुंदरवन को शामिल किया गया। 2004 में नंदा देवी क्षेत्र इसका हिस्सा बना। 2009 में नोकरेक, पचमढ़ी और सिमिलीपाल को इसमें जोड़ा गया। 2012 में अचानकमार-अमरकंटक तो 2013 में ग्रेट निकोबार ने इसमें जगह बनाई। 2016 में अगस्त्यमाला, 2018 में कंचनजंघा और 2020 में पन्ना को बायोस्फीयर रिजर्व का दर्जा दिया गया।

भारत सरकार के अनुसार दर्शायी गई 18 साइट्स ये हैं

भारत में बायोस्फीयर रिजर्व प्रोग्राम 1986 से चलता आ रहा है। सरकार द्वारा 18 बायोस्फीयर रिजर्व बताए जाते हैं जो इस प्रकार है :-

1. नंदा देवी, उत्तराखंड
2. कोल्ड डेजर्ट, हिमाचल प्रदेश
3. खंगचेंदजोंगा या कंचनजंघा, सिक्किम
4. देहांग-देबांग, अरुणाचल प्रदेश
5. मानस, असम
6. डिब्रू- सैखोवा, असम
7. पन्ना, मध्यप्रदेश
8. पचमढ़ी, मध्यप्रदेश
9. अचानकमार-अमरकंटक, मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़
10. कच्छ, गुजरात
11. सिमिलिपाल, ओडिशा
12. नोकरेक, मेघालय
13. सुंदरवन, पश्चिम बंगाल
14. शेषचलम, आंध्रप्रदेश
15. अगस्त्यमाला, कर्नाटक-तमिलनाडु-केरल
16. नीलगिरि, तमिलनाडु-केरल
17. मन्नार की खाड़ी, तमिलनाडु
18. ग्रेट निकोबार, अंडमान और निकोबार द्वीप

मध्यप्रदेश के बायोस्फीयर रिजर्व

सतपुड़ा पर्वतमाला क्षेत्र में स्थित पचमढ़ी का सतपुड़ा टाइगर रिजर्व जैव विविधता से समृद्ध वनक्षेत्र है । यह अनेक लुप्तप्राय प्रजातियों का रहवास है । सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को मध्यप्रदेश के पहले बायोस्फीयर रिजर्व के रूप में वर्ष 1999 में घोषित किया गया है। यहां बाघ, तेंदुआ के अलावा मालाबार, जायंट स्क्विरल, यूरेशियन ऑटर, स्मूथ कोटेड ऑटर, उड़न गिलहरी, पेंगोलिन एवं रैटल आदि स्तनधारी जीव भी पाये जाते हैं। इसके साथ ही यहां वनस्पतियों की कुछ अत्यंत दुर्लभ प्रजातियां जैसे लायकोपोडियम, सायलोटम, सायथिया, असमुण्डा, बोट्रीकियम, ओफियोग्लोजम आदि पायी जाती हैं।

अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिजर्व मध्यप्रदेश का दूसरा और छत्तीसगढ़ का पहला बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र है। यह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों में फैला हुआ है। अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिजर्व पहाड़ी श्रृंखलाओं के जंक्शन पर स्थित है, जिसकी स्थलाकृति ऊंचे पहाड़ों, उथली घाटियों से लेकर मैदानों तक है। यह अपने उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वनस्पति के कारण वनस्पतियों और जीवों से बहुत समृद्ध है।

पन्ना, यह भारत का 12वां और मध्यप्रदेश में पचमढ़ी और अमरकंटक के बाद तीसरा बायोस्फीयर रिजर्व है, जिसे वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिजर्व्स में शामिल किया गया है। 1981 में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया था, जबकि इसे 1994 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। पन्ना बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र विभिन्न दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों का निवास स्थान है। यह मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग में विंध्य पर्वत श्रृंखला में स्थित है, केन नदी यहां से होकर बहती है।

बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र की खासियत क्या होती है?

बायोस्फीयर रिजर्व सतत विकास के लिए सीखने के स्थान हैं। वे संघर्ष की रोकथाम और जैव विविधता के प्रबंधन सहित सामाजिक और पारिस्थितिक प्रणालियों के बीच परिवर्तनों और अंतः क्रियाओं को समझने और प्रबंधित करने के लिए दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए साइट हैं। वे ऐसे स्थान हैं जो वैश्विक चुनौतियों का स्थानीय समाधान प्रदान करते हैं। बायोस्फीयर रिजर्व का विश्व नेटवर्क सभी प्रमुख प्रतिनिधि प्राकृतिक और अर्ध-प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों को कवर करता है। यह 134 देशों में 7 करोड़ 44 लाख 2 हजार वर्ग किमी से अधिक की सतह पर फैला हुआ है। यह लगभग ऑस्ट्रेलिया के आकार का है।

दुनियाभर में लगभग 275 मिलियन लोग बायोस्फीयर रिजर्व में रहते हैं। यह प्रकृति संरक्षण के दृष्टिकोण से संरक्षित और कम से कम अशांत क्षेत्र होना चाहिए। प्रबंधन प्राधिकरण को स्थानीय समुदायों की भागीदारी या सहयोग सुनिश्चित करना चाहिए ताकि जैव विविधता के संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास को आपस में जोड़ते समय प्रबंधन और संघर्ष को रोकने के लिये उनके ज्ञान और अनुभव का लाभ उठाया जा सके। संपूर्ण क्षेत्र एक जैव-भौगोलिक इकाई की तरह होना चाहिए और इतना बड़ा होना चाहिए जो पारिस्थितिकी तंत्र के सभी पौष्टिकता स्तरों का प्रतिनिधित्व कर रहे जीवों की आबादी को संभाल सकें। वह क्षेत्र जिनमें पारंपरिक आदिवासी या ग्रामीण स्तरीय जीवनयापन के तरीकों को संरक्षित रखने की क्षमता हो ताकि पर्यावरण का सामंजस्यपूर्ण उपयोग किया जा सके।

- रश्मि रंजन
(लेखिका : समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

प्रत्येक साल 23 अगस्त को मनेगा

केंद्र सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह फैसला चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर की लैंडिंग के साथ चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का जश्न मनाने के लिए किया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। ज्ञात रहे कि भारत ने अपने दूसरे प्रयास में चंद्रमा पर लैंडिंग करने में सफलता पाई है।

रोबिन चैंबर्स

चार माह की अवस्था में जन्मी बच्ची

ब्रिटेन में एक बच्ची रोबिन चैंबर्स का जन्म गर्भावस्था के चार माह में ही हो गया। उसका वजन महज 328 ग्राम है। यह बच्ची अधिकारिक रूप से वेल्स की सबसे छोटी पैदा हुई बच्ची बन गई है। उसकी मां चैन्टेल चैंबर्स और पिता डेनियल चैंबर्स का कहना है कि उन्हें लगा था कि बच्ची 9 माह बाद ही पैदा होगी। अब पूर्व अवस्था (9 माह) होने तक बच्ची अस्पताल में ही रहेगी।

स्वीडन

महिला को लगाया बायोनिक हैंड, कर रहा काम

स्वीडन की 50 साल की कार्ली कैसेला कैरिन को बायोनिक हैंड यानी हाथ लगाया गया है। 3 साल पहले हुई सर्जरी में खास यह है कि बायोनिक हाथ हड्डी, मांसपेशियों तंत्रिकाओं से जुड़ा है और ब्रेन से मिले संकेतों के आधार पर काम करता है। अब यह वास्तविक हाथ की तरह ही काम कर रहा है। इसकी मदद से कार्ली 80 प्रतिशत काम कर रही हैं।

अंतरिक्ष स्टेशन में

अमोनिया लीक होने पर नासा ने स्पेस वॉक रोका

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में लगे एक रूसी मॉड्यूल में अमोनिया लीक होने की वजह से नासा ने स्पेस वॉक को रोक दिया। नासा के अधिकारियों के अनुसार 12 अक्टूबर और 20 अक्टूबर की पहले से निर्धारित स्पेस वॉक को स्थगित कर दिया गया। इंजीनियर इस लीक की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में लगे रूसी मॉड्यूल जो एक बहुउद्देशीय प्रयोगशाला है पर जहरीले अमोनिया के टुकड़े देखे गए। मौजूद अंतरिक्ष यात्री जैस्मीन मोघबेली ने स्टेशन की रैप-अराउंड कपोला खिड़कियों से देखने के बाद इस रिसाव की पुष्टि की है।

तमिलनाडु में

पिछले साल रिटायर हुए मैग्ना हाथी की मौत

मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने 58 वर्षीय मैग्ना हाथी के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। यह हाथी एक सरकारी कर्मचारी के रूप में काम कर रहा था। पिछले साल 58 वर्ष के हो जाने पर उसे सेवानिवृत्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि अंतिम समय में मैग्ना पूरी तरह से एक्टिव था।

ईयू सांसदों की ट्रेन

स्ट्रॉसबर्ग की जगह डिज्नीलैंड पहुंची

यूरोपीय संसद के सैकड़ों सदस्यों और कर्मचारियों को उस समय आश्चर्य हुआ जब ब्रसेल्स से फ्रांस के स्ट्रॉसबर्ग जाने वाली ट्रेन पेरिस के डिज्नीलैंड पहुंच गई। ऐसा सिग्नल में खराबी की वजह से हुआ।

ओवी मालवे

सबसे कम उम्र की स्कूबा डाइवर बनीं

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की ओवी मालवे ने 10 साल की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया है। उसकी बहन रुचि भी स्कूबा डाइवर है। अब ये दोनों दुनिया की सबसे कम उम्र की स्कूबा डाइवर हैं। उनके पिता भी पेशेवर स्कूबा डाइवर हैं। उन्होंने बेंगलुरु माउंटेनियरिंग क्लब की स्थापना भी की है।

स्टेल्थ सबमरीन

एक साथ 3 टारगेट को करेगी तबाह

चीन ने स्टेल्थ सबमरीन रूस से तकनीक प्राप्त करने के बाद बना ली है। खास बात यह है कि चीन इन सबमरीन को स्टेल्थ बना रहा है यानी इसके प्रोपल्शन, सेंसर, हथियारों और गोता लगाते समय आवाज नहीं आएगी। यह चुपके से हमला करने में सक्षम है। यह रूस के अकुला-1 का क्लास सबमरीन का आधुनिक वर्जन है।

अरिंदम बागची

जिनेवा स्थित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का स्थाई प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। भारतीय विदेश सेवा के 1995 बैच के अधिकारी बागची मार्च 2020 में विदेश मंत्रालय में प्रवक्ता बने थे। जिनेवा में बागची इंदमणि पांडे का स्थान लेंगे।

मिस्र

मकबरे में मिली 5 हजार साल पुरानी वाइन

पुरातत्वविदों ने मिस्र की रानी मेरिट-नीथ के मकबरे में 5000 साल पुरानी वाइन की खोज की। वाइन के अवशेष मकबरे में सैकड़ों बर्तनों में मिले और उनमें से कुछ बर्तन पूरी तरह संरक्षित और सील बंद मिले हैं। एक पुरातत्वविद ने बताया कि यह वाइन के शुद्ध और संरक्षित होने का मूल प्रमाण है।

सोनल भूचर

अमेरिका में भारतवंशी के नाम पर खुला स्कूल

अमेरिका के टेक्सास में एक प्राथमिक विद्यालय का नाम भारतवंशी सोनल भूचर के नाम पर रखा गया। एक समारोह में औपचारिक रूप से सोनल की स्मृति में स्कूल को समर्पित किया गया। मुंबई से नाता रखने वाली सोनल कैंसर से पीड़ित थीं। आने वाली पीढ़ियां शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद रख सकें इसलिए फोर्ट बेंड इंडिपेंडेंट स्कूल डिस्ट्रिक्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने सर्वसम्मति से नए प्राथमिक विद्यालय का नाम उनके नाम पर रखने की स्वीकृति प्रदान कर दी।

डेनियल नोबोआ

इक्वाडोर के युवा राष्ट्रपति बने

इक्वाडोर के कारोबारी के बेटे डेनियल नोबोआ ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है। निर्वाचन अधिकारियों ने 96 प्रतिशत मतों की गणना के बाद डेनियल नाबाओ को 52.2 प्रतिशत मत मिलने की पुष्टि की। 35 वर्षीय डेनियल नोबोआ देश के सबसे युवा राष्ट्रपति हैं। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत 2021 में हुई थी। उन्होंने उस वक्त नेशनल असेंबली में सीट हासिल कर आर्थिक विकास आयोग की अध्यक्षता भी की थी।

अंटार्कटिका

7.5 लाख करोड़ टन बर्फ पिघली

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा महाद्वीप अंटार्कटिका सिकुड़ता जा रहा है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लीड के वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए शोध के अनुसार 1997 से 2021 तक 40 प्रतिशत से ज्यादा बर्फ की चट्टानें पिघल गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 साल में पश्चिम में ज्यादा और महाद्वीप के पूर्व में कम बर्फ पिघली है। शोधकर्ता बेंजामिन डेविडसन के अनुसार अब तक 7.5 लाख करोड़ टन बर्फ पिघल गयी है। वैज्ञानिकों ने प्रतिवर्ष सैटेलाइट इमेज से मापने के बाद यह निष्कर्ष प्राप्त किया है।

अटारी बॉर्डर पर

फहराया गया 418 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज

भारत का सबसे ऊंचा तिरंगा पंजाब में अटारी बॉर्डर पर स्थापित किया गया है। यह तिरंगा 418 फीट ऊंचा है। इसे पाकिस्तान तक देखा जा सकता है। इस तिरंगे की ऊंचाई पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज से 18 फीट ज्यादा है। तिरंगा को स्थापित करने के लिए बकायदा समारोह आयोजित किया गया। अटारी बॉर्डर पर यह ध्वज आकर्षण का केंद्र बन गया है।

नासा का

साइकी अंतरिक्ष यान हुआ रवाना

नासा का साइकी अंतरिक्ष यान एक दुर्लभ धातु से ढके क्षुद्र ग्रह (एस्टेरॉयड) की छह साल की यात्रा के लिए रवाना हुआ। अधिकांश क्षुद्र ग्रह चट्टानी या बर्फीले होते हैं। किसी धातु वाले ग्रह की जांच पड़ताल के लिए यह पहला अभियान है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह क्षुद्र ग्रह किसी प्रारंभिक ग्रह से टूटे हुए हिस्से का अवशेष हो सकता है। इससे पृथ्वी के साथ ही अन्य चट्टानी ग्रहों के दुर्गम केंद्रों के बारे में भी जानकारी मिल सकती है।

भारतीय मूल की दो शिक्षाविदों को

ब्रिटेन का सर्वोच्च पुरस्कार

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की दो शिक्षाविद् और किंग्स कॉलेज लंदन की दक्षिण एशियाई इतिहासकार उन तीस लोगों में शामिल हैं, जिन्हें तीन मिलियन पाउंड के 2023 लेवरहुल्मे ट्रस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण शोध के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र संकाय की प्रोफेसर अमिया श्रीनिवासन को महामारी विज्ञान, सामाजिक और राजनीतिक दर्शन, नारीवाद, अधिदर्शन अथवा तत्व मिमांसा (मेटा फिलॉसफी) और दर्शन के इतिहास पर उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है। वहीं, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर रिधि कश्यप को जनसांख्यिकी, सामाजिक सांख्यिकी, कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान, डिजिटल और कम्प्यूटेशनल जनसांख्यिकी और लिंग असमानताओं पर उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है। किंग्स कॉलेज लंदन में आधुनिक दक्षिण एशिया और हिंद महासागर की इतिहासकार डॉ. बेरेनिस गयोट-रिचर्ड को दक्षिण एशिया के इतिहास और अंतरराष्ट्रीय इतिहास एवं औपनिवेशीकरण से मुक्ति के इतिहास पर उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है।

स्मृति शेष

साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ख्याल का निधन

जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पत्रकार गुलाम नबी ख्याल का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गुलाम नबी को 1975 में उनकी पुस्तक 'गाशिक मीनार' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया था।

नोबेल पुरस्कार विजेता कवयित्री लुईस का निधन

नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी कवयित्री लुईस ग्लूक का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी ज्यादातर कविताएं बाल्यावस्था, माता-पिता और भाई-बहनों के रिश्तों पर केंद्रित रही हैं। 1993 में वाइल्ड आइरिस के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला है।

मिस उरुग्वे शेरिकाडी का कैंसर से निधन

महज 18 वर्ष की उम्र में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में उरुग्वे का प्रतिनिधित्व करने वाली मिस उरुग्वे शेरिकाडी अरमास का 26 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शेरिका पिछले 2 वर्ष से सर्वाइकल कैंसर से जूझ रही थीं।

फिनलैंड के पूर्व राष्ट्रपति मार्टी का निधन

फिनलैंड के पूर्व राष्ट्रपति और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मार्टी अहतिसारी का 86 वर्ष की उम्र में हेलसिंकी में निधन हो गया। वे लंबे समय से अल्जाइमर से पीड़ित थे। उन्होंने कई देशों में संघर्ष मिटाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

एम.पी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

परिचय

- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है।
- संविधान के भाग-14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315-323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है।
- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का गठन 1956 में राज्यों के पुनर्गठन अधिनियम की धारा 118 (3) के तहत राष्ट्रपति के आदेश द्वारा 27 अक्टूबर 1956 को किया गया।
- **प्रमुख कार्य** - राज्य की सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का आयोजन करवाना।
- वर्ष 1958 में प्रथम परीक्षा एम.पी. पी.एस.सी. ने आयोजित की।

संरचना

- संविधान में राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या का उल्लेख नहीं है। यह राज्यपाल के विवेक पर छोड़ दिया गया है। जो आयोग की संरचना का निर्धारण करता है।
- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एक बहुसदस्यीय निकाय है।
- मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में एक अध्यक्ष व अन्य सदस्य होते हैं।

नियुक्ति एवं कार्यकाल (अनुच्छेद-316)

- एम.पी.पी.एस.सी. के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल पद ग्रहण तारीख से 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) होता है।
- आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य कभी भी राज्यपाल को संबोधित कर अपना त्याग पत्र दे सकते हैं।
- आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को कार्यकाल से पहले भी राष्ट्रपति द्वारा संविधान में वर्णित प्रक्रिया के द्वारा हटाया जा सकता है।

नोट- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार तो राज्यपाल को है किन्तु पद से हटाने की शक्ति उसके पास नहीं है।

पदमुक्ति (अनुच्छेद-317)

- पदमुक्ति का कार्य राष्ट्रपति को सौंपा गया है।
- राष्ट्रपति निम्न कारणों से हटा सकता हैं-

1. दिवालिया घोषित होने पर।
2. अन्य वैतनिक कार्यों में संलग्न होने पर।
3. मानसिक या शारीरिक अक्षमता।
4. दुर्व्यवहार अथवा कदाचार दोषी होने पर।

प्र. 1 राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रस्ताव किस अनुच्छेद में है?
(अ) 317 (ब) 316
(स) 315 (द) 320
उत्तर- (स)

प्र. 2 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का गठन कब किया गया था ?
(अ) 1 नवम्बर, 1956
(ब) 27 अक्टूबर, 1957
(स) 27 अक्टूबर, 1956
(द) 30 अक्टूबर, 1956
उत्तर- (स)

प्र. 3 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का मुख्यालय कहां है?
(अ) भोपाल (ब) इंदौर
(स) ग्वालियर (द) जबलपुर
उत्तर- (ब)

प्र. 4 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) डी.बी. रेगे
(ब) के.एन. सिन्हा
(स) एस.के. तिवारी
(द) एच.सी. सेठ
उत्तर- (अ)

प्र. 5 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(अ) मुख्यमंत्री
(ब) राज्यपाल
(स) राष्ट्रपति
(द) विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर- (ब)

प्र. 6 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवा निवृत्ति आयु कितने वर्ष है?
(अ) 60 वर्ष
(ब) 65 वर्ष
(स) 62 वर्ष
(द) 64 वर्ष
उत्तर- (स)

प्र. 7 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद की नियुक्ति हेतु कौन पात्र है?
(अ) मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का सदस्य
(ब) संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य
(स) छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष
(द) (अ) एवं (ब) दोनों
उत्तर- (द)

प्र. 8 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या एवं शर्तों का निर्धारण किसके द्वारा किया जाता है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) विधानसभा
(स) संसद
(द) राज्यपाल
उत्तर- (द)

प्र. 9 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्यों के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?
(अ) सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।
(ब) सदस्यों की सेवा निवृत्ति आयु 62 वर्ष होगी।
(स) लोक सेवा आयोग के सदस्य अपनी पदावधि की समाप्ति पर पुन: नियुक्ति का पात्र होगा।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 10 निम्न में से किस मामले में राज्य लोक सेवा आयोग से परामर्श नहीं लिया जाता है?
(अ) सिविल सेवा के लिए भर्ती की पद्धति पर
(ब) सिविल सेवाओं की नियुक्ति में अनुसरण लिए जाने वाले सिद्धांतों पर
(स) सिविल सेवा में प्रोन्नति एवं एक सेवा से दूसरी सेवा में अंतरण के लिए अनुसरण लिए जाने वाले सिद्धांतों पर
(द) सिविल सेवाओं के स्थानांतरण पर
उत्तर- (द)

प्र. 11 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में कितने सदस्य होते हैं?
(अ) चार सदस्य
(ब) पांच सदस्य
(स) छ: सदस्य
(द) सात सदस्य
उत्तर- (ब)

प्र.12 राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों को किसके द्वारा पदच्युत किया जाता है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) संसद
(स) अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग
(द) अध्यक्ष राज्य लोक सेवा आयोग
उत्तर- (अ)

प्र. 13 राज्य लोक सेवा आयोग एक-
(अ) नियामक संगठन है
(ब) वैधानिक संगठन है
(स) संसदीय अध्यादेश से स्थापित है
(द) संवैधानिक संगठन है
उत्तर- (द)

प्र. 14 राज्य लोक सेवा आयोग के कृत्यों का वर्णन किस अनुच्छेद के तहत किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 319
(ब) अनुच्छेद 320
(स) अनुच्छेद 322
(द) अनुच्छेद 321
उत्तर- (ब)

प्र. 15 राज्य लोक सेवा आयोग के व्यय किस निधि पर भारित रहते हैं?
(अ) भारत की संचित निधि
(ब) राज्य की संचित निधि
(स) फीस द्वारा इसके स्वयं की एकत्र निधि पर
(द) आकस्मिक निधि पर
उत्तर- (ब)

प्र. 16 विशेष परिस्थितियों के दौरान राज्य लोक सेवा आयोग के किसी सदस्य को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त करने की शक्ति किसमें निहित है?
(अ) मुख्यमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) राज्यपाल
(द) विधानमंडल
उत्तर- (स)

प्र. 17 राज्य लोक सेवा आयोग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं?
(अ) भर्ती हेतु परीक्षाओं का आयोजन करना
(ब) भर्ती के तरीकों पर सरकार को परामर्श
(स) नियुक्ति पदोन्नति के मामले में सलाहकारी
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द)

प्र. 18 राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष कार्यकाल की समाप्ति के बाद पात्र होता है?
(अ) अन्य राज्य लोक सेवा आयोग में सदस्य बनने के
(ब) संघ लोक सेवा में सदस्य या अध्यक्ष
(स) केन्द्र सरकार के अधीन सेवा के लिए
(द) उसी राज्य में दुबारा अध्यक्ष बनने के लिए
उत्तर- (ब)

प्र. 19 राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष-सदस्य के संबंध में सही नहीं है?
(अ) राष्ट्रपति इन्हें बिना रीति-रिवाज के हटा सकता है
(ब) सेवा शर्तें निर्धारित करने का अधिकार राज्यपाल को
(स) अन्य राज्य के आयोग में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति
(द) पुन: नियुक्त नहीं किया जा सकता।
उत्तर- (अ)

प्र. 20. दो या अधिक राज्यों के लिए एक संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग की स्थापना की जा सकती है?
(अ) यदि संबंधित राज्य इस संबंध में करार करते हैं
(ब) संसद विधि द्वारा संयुक्त राज्य लोक सेवा आयुक्त नियुक्त करती है।
(स) (अ) तथा (ब) दोनों
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 21 किस प्रावधान के अंतर्गत मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग का गठन किया गया है?
(अ) राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 118 (2)
(ब) राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 118 (3)
(स) राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 118 (1)
(द) राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 118 (4)
उत्तर- (ब)

प्र. 22 संयुक्त लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति एवं उनके सेवा शर्तों का निर्धारण किसके द्वारा किया जाता है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) राज्यपाल
(स) राज्यों के द्वारा
(द) केन्द्र सरकार
उत्तर- (अ)

प्र. 23 राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यों का विस्तार किया जा सकता है।
(अ) प्रधानमंत्री द्वारा
(ब) केन्द्रीय कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय द्वारा
(स) राष्ट्रपति द्वारा
(द) राज्य विधानमंडल द्वारा
उत्तर- (द)

प्र. 24 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग किस राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित किया गया था?
(अ) डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 25 भारत में पहली बार सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन किस शहर में किया गया था?
(अ) दिल्ली
(ब) इलाहाबाद
(स) बम्बई
(द) हैदराबाद
उत्तर- (ब)

प्र. 26 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के मुख्यालय के सामने किस स्वतंत्रता सेनानी की समाधि स्थित है।
(अ) शेख रमजान
(ब) टंट्या भील
(स) सआदत खान
(द) फाजिद मोहम्मद खान
उत्तर- (स)

प्र. 27 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के गठन के समय मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री कौन था?
(अ) कैलाश नाथ काटजू
(ब) दिग्विजय सिंह
(स) अर्जुन सिंह
(द) पं. रवि शंकर शुक्ल
उत्तर- (द)

प्र. 28 मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की स्वतंत्रता संबंधी प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार किजिए।
(1) आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को पदावधि की सुरक्षा प्राप्त है।
(2) अध्यक्ष एवं सदस्यों के वेतन, भत्ते एवं पेंशन आदि राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं।
(3) अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के पश्चात् इनकी सेवा शर्तों में कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही हैं ?
(अ) केवल (1) और (2)
(ब) केवल (2) और (3)
(स) केवल (1) और (3)
(द) केवल (1) (2) और (3)
उत्तर- (द)

- इमरतलाल खरते
(लेखक - प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

SUBJECT : GENERAL ENGLISH

- **Fill in the blanks with suitable articles. (Question Nos. 1 to 5)**

1. **Charan eats ..... egg daily.**
(a) a (b) an
(c) the (d) no article
2. **He sells ..... pens and books in the train.**
(a) a (b) an
(c) the (d) no article
3. **I saw ..... one eyed beggar in the train.**
(a) a (b) an
(c) the (d) no article
4. **Seema requires ..... file for keeping documents safe.**
(a) a (b) an
(c) the (d) no article
5. **This is ..... good review of the film.**
(a) a (b) an
(c) the (d) no article

- **Fill in the blank spaces with suitable prepositions. (Question Nos. 6 to 12)**

6. **He insists ..... taking generic medicine.**
(a) on (b) in
(c) by (d) on
7. **Reena took care ..... her parents nicely.**
(a) in (b) for
(c) into (d) of
8. **Take your brother ..... you to the market.**
(a) to (b) with
(c) within (d) by
9. **He was the president ..... Education society in 2003.**
(a) to (b) of
(c) with (d) into
10. **It is always cold ..... October in Nagpur.**
(a) into (b) with
(c) in (d) from
11. **They can meet ..... the college canteen.**
(a) from (b) into
(c) at (d) on
12. **His behavior is not acceptable ..... the society.**
(a) by (b) to
(c) of (d) on

- **Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question Nos. 13 to 18)**

13. **My brother him a message yesterday.**
(a) has been texting
(b) had been texting
(c) texted
(d) has texted
14. **A doctor ..... a prescription for the patient when I reached the hospital.**
(a) was writing
(b) had written
(c) wrote
(d) is writing
15. **She ..... her parents next week.**
(a) will be met
(b) will meet
(c) meets
(d) has met
16. **Most of the students ..... at night.**
(a) are studying
(b) studying
(c) study
(d) has studied
17. **If you invite me to the party, I ..... with my family.**
(a) Have come
(b) will come
(c) have been coming
(d) am coming
18. **I ..... my documents on the way to home yesterday.**
(a) had lost
(b) lost
(c) had been lost
(d) have lost

- **Change the Voice. (Question Nos. 19 to 25)**

19. **Check the email please.**
(a) Let the email be checked.
(b) You must check the email.
(c) You are requested to check the email.
(d) You should check the email.
20. **This award was sponsored by the private organization.**
(a) The private organization has sponsored this award.
(b) The private organization sponsors this award.
(c) The private organization had sponsored this award.
(d) The private organization sponsored this award.
21. **Why have you broken this toy?**
(a) Why have been broken this toy by you?
(b) Why this toy have been broken by you?
(c) Why has this toy been broken by you?
(d) Why this toy is broken by you?
22. **Shut the window.**
(a) You shut the window.
(b) Let the window be shut.
(c) You must shut the window.
(d) You are requested to shut the window.
23. **A bird has been killed by Sonu.**
(a) Sonu has been killed by a bird.
(b) Sonu has killed a bird.
(c) Sonu is being killed by a bird.
(d) Sonu has been killed a bird.
24. **You must submit the proposal before the deadline.**
(a) The proposal has been submitted by you before the deadline.
(b) The proposal must been submitted before the deadline by you.
(c) The proposal must be submitted by you before the deadline.
(d) The proposal must submit before the deadline by you.
25. **Please don't do it.**
(a) You should not do it.
(b) You don't do it please.
(c) Let us don't do it.
(d) You are requested not to do it.

- **Idioms and phrases. (Question Nos. 26 to 30)**

26. **Get out of hand**
(a) Leave the hand of someone.
(b) Keep someone under control.
(c) Get out of control.
(d) Restraint someone forcefully.
27. **Get your act together.**
(a) Collect many things together.
(b) Hoard many ancient objects.
(c) Get organized.
(d) Deny to working together.
28. **A storm in a teacup.**
(a) Create a big problem.
(b) No grudge against anybody.
(c) A big fuss about a small problem.
(d) Waiting for the tempest.
29. **Move heaven and earth.**
(a) Make no efforts.
(b) Possible to combine two objects.
(c) The meeting point of the heaven and the earth.
(d) Try very hard.
30. **Hit the road.**
(a) End of the destination.
(b) Start one's journey.
(c) Become a victim in an accident.
(d) Get trap in the middle of the journey.

- **Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question Nos. 31 to 35)**

31. **Shame**
(a) Indignity
(b) Dishonour
(c) Glory
(d) Disgrace
32. **Conceal**
(a) Cover
(b) Reveal
(c) Hide
(d) Qualm
33. **Fascinated**
(a) Spellbound
(b) Captivated
(c) Rapt
(d) Repelled
34. **Benevolent**
(a) Kind
(b) Cruel
(c) Benign
(d) Caring
35. **Flow**
(a) Flood
(b) Stream
(c) Gush
(d) Ebb

- **Synonym (Question Nos. 36 to 40)**

36. **Compel**
(a) Dissuade
(b) Deter
(c) Discourage
(d) Force
37. **Adore**
(a) Disrespect
(b) Admire
(c) Accept
(d) Malign
38. **Prejudge**
(a) Frivolous
(b) Dizzy
(c) Anticipate
(d) Detract
39. **Devour**
(a) Vomit
(b) Heave
(c) Consume
(d) Concord
40. **Accommodate**
(a) Dislodge
(b) Remove
(c) Eliminate
(d) Adapt

- **One word substitution (Question Nos. 41 to 45)**

41. **The science of morals.**
(a) Horticulture
(b) Ethics
(c) Logic
(d) History
42. **Inscription on a tombstone.**
(a) Epitaph
(b) Autograph
(c) Epilogue
(d) Prologue
43. **The sound of mosquitoes.**
(a) Gibber
(b) Croak
(c) Twitter
(d) Buzz
44. **a group of cattle or sheep.**
(a) Mob
(b) Flood
(c) Group
(d) Herd
45. **An institution for the care of people who are mentally ill.**
(a) Orphanage
(b) Hospital
(c) Asylum
(d) Crèche

- **In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions 46 to 50)**

46. (a) Optional
(b) Opsional
(c) Aoptional
(d) Optoinal
47. (a) Syllabas
(b) Syllabes
(c) Syellabs
(d) Syllabus
48. (a) Asthema
(b) Asthma
(c) Asthama
(d) Asathama
49. (a) Univarsity
(b) University
(c) Univorsity
(d) Univercity
50. (a) Anthropilogy
(b) Anthripology
(c) Anthopology
(d) Anthropology

ANSWERS

1. b	2. d	3. a	4. a
5. a	6. d	7. d	8. b
9. b	10. c	11. c	12. b
13. c	14. a	15. b	16. c
17. b	18. b	19. c	20. d
21. c	22. b	23. b	24. c
25. d	26. c	27. c	28. c
29. d	30. b	31. c	32. b
33. d	34. b	35. d	36. d
37. b	38. c	39. c	40. d
41. b	42. a	43. d	44. d
45. c	46. a	47. d	48. b
49. b	50. d		

EXPLANATION

1. Article 'an' is used before a noun that begins with and pronounced as a vowel sound, hence article 'an' is appropriate in the sentence.

- Prafulkumar Prakash Vaidhya
(Associate Professor of English
Sardar Patel Mahavidyalaya
Chandrapur)

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन - 2023

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिये मीडिया का सहयोग जरूरी - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के विकास में मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सम्पन्न कराने के लिये मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वास्तविक जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मीडिया कार्यशाला में श्री राजन ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। विगत 9 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों (एफएसटी, एसएसटी एवं पुलिस दल) द्वारा पिछले विधानसभा निर्वाचन से दोगुना कीमत की अवैध नकदी, सोना-चांदी, जेवर, मादक पदार्थों की जब्ती की कार्यवाही की जा चुकी है।

श्री राजन ने बताया कि वरिष्ठ मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गयी है। प्रदेश में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये मतदाता जागरूकता की विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। श्री राजन ने मीडिया प्रतिनिधियों से मतदाताओं को मतदान अवश्य करने के लिए प्रेरित करने के लिये अपने संचार माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान भी किया।

मीडिया कार्यशाला में भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक डॉ. वाय.पी. सिंह एवं प्रो. पी.एन. सनेशर द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के मीडिया के संबंध में सभी दिशा-निर्देशों एवं सहयोग की अपेक्षा से जुड़े बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

मध्यप्रदेश में 377 अभ्यर्थियों ने भरे 458 नाम निर्देशन पत्र

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया जारी रही। 26 अक्टूबर को 377 अभ्यर्थियों द्वारा 458 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए। मध्यप्रदेश में 26 अक्टूबर तक कुल 667 अभ्यर्थियों द्वारा 785 नाम निर्देशन पत्र जमा किए जा चुके हैं। 30 अक्टूबर नामांकन फार्म भरने की अंतिम तारीख रहेगी। नामांकन की संवीक्षा 31 अक्टूबर को जाएगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 2 नवंबर है। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से कौनसा उपाय चालू खाता घाटे को कम करने में मदद नहीं करता है -
अ) आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को दूर करना
ब) विनिमय दर का मूल्य ह्रास
स) हॉकिश मौद्रिक नीति
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स) हॉकिश मौद्रिक नीति
व्याख्या - हॉकिश मौद्रिक नीति से घरेलू ब्याज दरों में वृद्धि होती है, जिससे आयातों को प्रोत्साहन मिलता है। इसीलिये चालू खाता घाटा इस उपाय से कम नहीं होता है।

2. भारत बिल भुगतान प्रणाली के बारे में सत्य कथन/कथनों पर निशान लगाइयें -
अ) भारत बिल भुगतान प्रणाली भारतीय रिज़र्व बैंक की संकल्पना प्रणाली है
ब) इसका संचालन भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा किया जाता है
स) इसमें भुगतान के कई तरीके जैसे इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल, मोबाइल बैंकिंग, मोबाइल वॉलेट, एटीएम आदि सम्मिलित हैं
(द) उपरोक्त सभी कथन सत्य है
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी कथन सत्य है

3. ग्लोबल जेंडर इंडेक्स, जो कि विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित किया जाता है, में भारत का कौनसा स्थान है -
अ) 146
ब) 140
स) 135
द) 130
उत्तर- (स) 135
व्याख्या - ग्लोबल जेंडर इंडेक्स 2022 में 146 कुल देशों में भारत का स्थान 135 है।

4. न्यूनतम समर्थन मूल्य वह दर है, जिसपर सरकार कृषकों से फसल खरीदती है, इसकी गणना कृषकों द्वारा किये गये उत्पादन लागत के कितने गुना की जाती है -
अ) एक
ब) डेढ़ गुना
स) दो गुना
द) अनिश्चित
उत्तर - (ब) डेढ़ गुना
व्याख्या - कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) इसके लिये सुझाव देता है तथा सभी लागतों की गणना करता है।

5. फसल चक्रण क्या होता है -
अ) एक ही खेत में कई मौसमों में विशिष्ट क्रम में विभिन्न फसलें लगाना
ब) एक ही खेत में एक ही फसल को कई वर्षों तक बोना
स) एक ही खेत में विभिन्न फसलों को एक साथ लगाना
द) एक ही समय में एक ही खेत में दो या दो से अधिक फसलें बोना
उत्तर - (अ) एक ही खेत में कई मौसमों में विशिष्ट क्रम में विभिन्न फसलें लगाना
व्याख्या - इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।

6. किस राज्य/राज्यों में सहकारी समितियों की संख्या, राष्ट्रीय औसत से अधिक है -
अ) महाराष्ट्र
ब) गुजरात
स) आंध्रप्रदेश
द) उपरोक्त सभी
उत्तर - (द) उपरोक्त सभी

7. सहकारी समितियों के गठन का अधिकार किसके अंतर्गत आता है -
अ) मौलिक अधिकार
ब) नीति निर्देशक तत्व
स) कानूनी अधिकार
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (अ) मौलिक अधिकार
व्याख्या - संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (c) के अंतर्गत यह अधिकार प्रदत्त है।

8. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट किसके द्वारा निर्मित किये जाते हैं -
अ) संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क
ब) हैप्पीनेस सभा
स) विश्व बैंक
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (अ) संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क
व्याख्या - यह रिपोर्ट वार्षिक होती है। वर्तमान में फिनलैंड सर्वाधिक खुश राष्ट्र है।

9. समग्र वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक) का निर्माण कौन करता है -
अ) भारतीय स्टेट बैंक
ब) भारतीय रिज़र्व बैंक
स) वित्त मंत्रालय भारत सरकार
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब) भारतीय रिज़र्व बैंक
व्याख्या - देश में वित्तीय समावेशन की सीमा पकड़ने के लिये इसका निर्माण किया जाता है। इसमें बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक आदि क्षेत्र सम्मिलित हैं।

10. नेफेड (NAFED) की स्थापना कब की गई थी -
अ) 1950
ब) 1951
स) 1958
द) 1960
उत्तर - (स) 1958
व्याख्या - इसकी स्थापना 2 अक्टूबर 1958 को की गई थी। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के सहकारी विपणन को बढ़ावा देना है।

11. इफ्को (IFFCO) की स्थापना कब की गई थी -
अ) 1950
ब) 1958
स) 1960
द) 1967
उत्तर - (द) 1967
व्याख्या - यह भारत की सबसे बड़ी सहकारी समितियों में से एक है, जिसका पूर्ण स्वामित्व भारतीय सहकारी समितियों के पास है।

12. विश्व में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक देश है -
अ) भारत ब) चीन
स) श्रीलंका द) नेपाल
उत्तर - (अ) भारत
व्याख्या - भारत

13. पीएम पोषण योजना कब प्रारंभ की गई है -
अ) सितम्बर 2020
ब) सितम्बर 2021
स) अक्टूबर 2020
द) अक्टूबर 2021
उत्तर - (ब) सितम्बर 2021
व्याख्या - इस योजना ने स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना का स्थान ले लिया है। इस योजना को 2021-22 से 2025-26 के लिये लॉन्च किया गया है।

14. कवर फसलें मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा और सुधार के लिये उगाई जाने वाली फसलें होती हैं। इन्हें अन्य फसलों के बीच में लगाया जाता है। निम्न में से कौनसी फसल कवर फसलों के अंतर्गत नहीं आती है -
अ) मसूर
ब) जौ
स) मक्का
द) सूरजमूखी
उत्तर - (स) मक्का

15. ईट राइट अभियान किस मंत्रालय के द्वारा चलाया जा रहा है -
अ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
ब) कृषि मंत्रालय
स) खाद्य प्रस्करण मंत्रालय
द) उपरोक्त सभी
उत्तर - (अ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
व्याख्या - यह अभियान भारतीयों के लिये सुरक्षित स्वस्थ्य और टिकाऊ भोजन सुनिश्चित करने के लिये देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिये भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) की पहल उक्त मंत्रालय के अधीन है। इसकी टैगलाइन है - 'सही भोजन, बेहतर जीवन'

16. निम्न में से कौनसा घटक ई-गवर्नमेंट इंडेक्स का घटक नहीं है -
अ) शिक्षा सूचकांक
ब) मानवपूंजी सूचकांक
स) ऑनलाइन सेवा सूचकांक
द) दूरसंचार अवसंरचना सूचकांक
उत्तर - (अ) शिक्षा सूचकांक

17. शिक्षा के अधिकार को किस संविधान संशोधन के तहत प्रवर्तनीय अधिकार बना दिया गया है -
अ) 82वें
ब) 83वें
स) 85वें
द) 86वें
उत्तर - (द) 86वें
व्याख्या - सन् 2002 में पारित इस संशोधन से शिक्षा को अनुच्छेद 21-A के तहत प्रवर्तनीय अधिकार बना दिया गया है।

18. परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स कौनसा मंत्रालय जारी करता है -
अ) कृषि
ब) शिक्षा
स) उद्योग
द) विदेश
उत्तर - (ब) शिक्षा
व्याख्या - शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लिये प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) जारी करता है।

19. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग का गठन कब हुआ -
अ) मार्च 2009
ब) मार्च 2010
स) मार्च 2019
द) मार्च 2020
उत्तर - (अ) मार्च 2009

20. सहकारिता किस सूची में आता है -
अ) संघ
ब) राज्य
स) समवर्ती
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (ब) राज्य

21. संकल्प से सिद्धि पहल कब प्रारंभ हुई -
अ) 2021
ब) 2022
स) 2020
द) 2023
उत्तर - (अ) 2021

22. निम्न में से कौनसा मानदंड सहकार से समृद्धि का नहीं है -
अ) एक दूसरे को सहयोग प्रदान करना
ब) लाभ को महत्ता
स) लोगों द्वारा मिलकर उत्पादन
द) ईज ऑफ लिविंग
उत्तर - (ब) लाभ को महत्त
व्याख्या - सहकारिता लाभ के स्थान पर सहभागिता को महत्व देती है।

23. स्वनियोजित महिला संघ (SEWA) की स्थापना कब हुई -
अ) 1920
ब) 2020
स) 2021
द) 2022
उत्तर - (अ) 1920
व्याख्या - इसकी स्थापना में अनसूया साराभाई और महत्मा गांधी द्वारा स्थापित टेक्सटाइल लेबर एसोसियेशन (TLA) का योगदान है। इसे अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने माइक्रो फाइनेंस (सूक्ष्म वित्त) आंदोलन के रूप में मान्यता दी है।

24. ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) किस मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है -
अ) विदेश
ब) उद्योग
स) शिक्षा
द) कृषि
उत्तर - ब) उद्योग
व्याख्या - ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) के तहत यह प्रस्तावित किया गया है कि एक भागीदार ई-कॉमर्स साइट पर पंजीकृत खरीदार किसी अन्य प्रतिभागी ई-कॉमर्स साइट पर विक्रेता से सामान क्रय कर सकता है।

25. भुगतान एग्रीग्रेटर के बारे में कौनसा कथन असत्य है -
अ) भुगतान एग्रीग्रेटर भारतीय रिज़र्व बैंक से मान्यता प्राप्त हैं
ब) यह ऐसी कंपनिया हैं जो ग्राहकों और व्यापारियों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करके ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करती हैं
स) यह एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है, जो एक ऑनलाइन स्टोर को पेमेंट प्रोसेसर से जोड़कर ग्राहकों से भुगतान प्राप्त करने की अनुमति देता है।
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

26. निम्नलिखित में से क्या उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर डॉलर की मजबूती के संभावित परिणाम नहीं है -
अ) विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि
ब) आयात बिल में वृद्धि
स) व्यापार घाटे में वृद्धि
द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (अ) विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि

27. निम्न में से कौनसा कर अप्रत्यक्ष कर है -
अ) व्यक्तिगत आय कर
ब) कंपनी आय कर
स) पूंजी लाभ कर
द) सीमा शुल्क
उत्तर - (द) सीमा शुल्क

28. अनुबंध खेती के लिये किसके साथ पंजीयन की आवश्यकता होती है -
अ) नाबार्ड
ब) सहकारी समिति
स) कृषि उत्पाद विपणन समिति
द) कहीं पर भी नहीं
उत्तर - (स) कृषि उत्पाद विपणन समिति

29. एमएसएमई पंजीकरण के लिये एक नया पोर्टल उद्यम पंजीकरण पोर्टल कब प्रारंभ किया गया है -
अ) 1 जुलाई 2020
ब) 1 जुलाई 2022
स) 1 जुलाई 2021
द) 1जुलाई 2019
उत्तर - (अ) 1 जुलाई 2020

30. मिशन शक्ति के बारे में सही कथन/कथनों को बताइये -
अ) मिशन शक्ति की दो उपयोजनायें हैं - 'संबल और सामर्थ्य'
ब) संबल उपयोजना महिला सुरक्षा के लिये है
स) सामर्थ्य उपयोजना महिला सशक्तिकरण के लिये है।
द) उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं
उत्तर - (द) उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं

31. वर्तमान में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के तहत कितनी योजनायें हैं -
अ) 295
ब) 313
स) 380
द) 410
उत्तर - (ब) 313

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. 'मालवा में युगान्तर' नामक रचना किसकी है?
(अ) हीरालाल
(ब) भूपति सिंह
(स) रघुवीर सिंह
(द) प्रयागदत्त शुक्ल
उत्तर-(स) रघुवीर सिंह

2. निम्न में से किस शहर का प्राचीन नाम 'काकनाद' था?
(अ) सांची
(ब) खजुराहो
(स) महू
(द) माण्डू
उत्तर-(अ) सांची

3. निम्न में से किस वर्ष मध्यप्रदेश में 'झंडा सत्याग्रह' का आरम्भ हुआ था?
(अ) 1923
(ब) 1930
(स) 1933
(द) 1928
उत्तर-(अ) 1923

4. निम्न में से कौन-सी नदी नर्मदा की दाहिने तट की सहायक नदी नहीं है?
(अ) हिरन
(ब) ओरसांग
(स) कोलार
(द) गंजाल
उत्तर-(द) गंजाल

5. भारतीय परमाणु भौतिक विज्ञानी अनिल काकोदर का जन्म मध्यप्रदेश के किस जिले में हुआ था?
(अ) होशंगाबाद
(ब) बड़वानी
(स) भोपाल
(द) सागर
उत्तर-(ब) बड़वानी

6. 'मंजु बम्बोरिया' का संबंध किस खेल से है?
(अ) मुक्केबाजी
(ब) कयाकिंग
(स) शूटिंग
(द) तलवारबाजी
उत्तर-(अ) मुक्केबाजी

7. जब नाभिकीय रिएक्टर को 'परमाणु पाइल' कहा जाता है तब उसमें मदंक के रूप में किसका प्रयोग किया जाता है?
(अ) भारी जल
(ब) ग्रेफाइड
(स) कैडमियम छड़
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ब) ग्रेफाइड

8. कैल्शियम ऑक्साइड एक प्रकार का -
(अ) प्रबल अम्ल
(ब) क्षार
(स) क्षीण अम्ल
(द) क्षारक (बेस)
उत्तर-(द) क्षारक (बेस)

9. 'परमाणु बम' निम्न में से किस सिद्धांत पर कार्य करता है?
(अ) नियंत्रित नाभिकीय संलयन
(ब) नियंत्रित नाभिकीय विखंडन
(स) अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन
(द) अनियंत्रित नाभिकीय संलयन
उत्तर-(स) अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन

10. राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (NIA) की स्थापना किस वर्ष की गई?
(अ) 2012
(ब) 2006
(स) 2008
(द) 2007
उत्तर-(स) 2008

11. लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र में संबंधित कौन-सा कथन असत्य है?
(अ) लोकायुक्त की सिफारिश केवल सलाहकारी होती है
(ब) लोकायुक्त राज्य विधायिका के प्रति उत्तरदायी होते हैं
(स) लोकायुक्त संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री को अपने कार्य निष्पादन का वार्षिक विवरण देते हैं
(द) वह राज्य सरकार के विभागों से संबंधित मामलों की फाइलों की मांग कर सकता है।
उत्तर-(स) लोकायुक्त संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री को अपने कार्य निष्पादन का वार्षिक विवरण देते हैं।

12. 'गजतमे' हाथी संरक्षण परियोजना किस वर्ष संचालित की गई?
(अ) 1992 (ब) 1972
(स) 2006 (द) 1978
उत्तर-(अ) 1992

13. मिदनापुर में 1902 ई. में गठित 'अनुशीलन समिति' का गठन किसके द्वारा किया गया था?
(अ) जतींद्रनाथ बनर्जी
(ब) ज्ञानेन्द्रनाथ बसु
(स) वारीन्द्रकुमार घोष
(द) भूपेन्द्र नाथ
उत्तर-(ब) ज्ञानेन्द्रनाथ बसु

14. भारत के आर्थिक इतिहास पर प्रथम पुस्तक 'इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया' की रचना किस लेखक द्वारा की गई थी?
(अ) दादा भाई नौरोजी
(ब) रोमेशचन्द्र दत्त
(स) श्यामजी कृष्ण शर्मा
(द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर-(ब) रोमेशचन्द्र दत्त

15. सहरिया जनजाति संग्रहालय किस जिले में अवस्थित है?
(अ) शिवपुरी (ब) श्योपुर
(स) मुरैना (द) ग्वालियर
उत्तर-(ब) श्योपुर

16. चौकीगढ़ का किला किस जिले में अवस्थित है?
(अ) रायसेन (ब) सागर
(स) बैतूल (द) छिंदवाड़ा
उत्तर-(अ) रायसेन

17. 'काइजिल कुम' मरुस्थल कहां अवस्थित है?
(अ) पूर्वी ईरान (ब) अर्जेंटीना
(स) बोत्सवाना (द) उज्बेकिस्तान
उत्तर-(द) उज्बेकिस्तान

18. फारस की खाड़ी एवं ओमान की खाड़ी के मध्य कौन सी जलसंधि है?
(अ) हड़सन जलसंधि
(ब) डोबर जलसंधि
(स) हॉरमुज जलसंधि
(द) डेविस जलसंधि
उत्तर-(स) हॉरमुज जलसंधि

19. निम्नलिखित में से कौन सा स्थलरूप हिमानी के द्वारा निर्मित नहीं है?
(अ) मियांडर (ब) फियोर्ड
(स) रॉशमुटोने (द) ड्रमीलन
उत्तर-(अ) मियांडर

20. निम्नलिखित में से कौन सा ज्वालामुखी USA में अवस्थित नहीं है?
(अ) कटमई
(ब) माउंट रेनियर
(स) माउंट कैमरून
(द) माउंट रास्ता
उत्तर-(स) माउंट कैमरून

21. डॉर्ट (DOART) नामक तकनीक का संबंध किससे है?
(अ) सुनामी से
(ब) भूकम्प से
(स) ज्वालामुखी से
(द) बाढ़ से
उत्तर-(अ) सुनामी से (Deep Ocean Assessment and Reporting of Tsunami)

22. 'नंदा देवी' निम्न में से हिमालय के किस प्राकृतिक भाग की सर्वोच्च चोटी है?
(अ) कश्मीर हिमालय
(ब) कुमाऊं हिमालय
(स) नेपाल हिमालय
(द) असम हिमालय
उत्तर-(ब) कुमाऊं हिमालय

23. 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर' नामक कृत्रिम झील निम्न में से किस बांध के पीछे बनाई गई है?
(अ) रिहन्द बांध
(ब) भाखड़ा-नांगल
(स) हीराकुण्ड
(द) नागार्जुन बांध
उत्तर-(अ) रिहन्द बांध

24. 'नाथपा-झाकरी परियोजना' केंद्र सरकार व किस राज्य की संयुक्त परियोजना है?
(अ) उत्तराखण्ड
(ब) कर्नाटक
(स) हिमाचल प्रदेश
(द) पंजाब
उत्तर-(स) हिमाचल प्रदेश

25. प्रिन्जकर विजेता वास्तुकार अराता इसोजाकी जिनका हाल ही में निधन हो गया, किस देश के निवासी थे?
(अ) चीन (ब) श्रीलंका
(स) जापान (द) नेपाल
उत्तर-(स) जापान

26. 'बिजौलिया कृषक आंदोलन' किसके नेतृत्व में आरंभ हुआ था?
(अ) सीताराम दास
(ब) पुष्पराम कांहर
(स) मोहनलाल पांड्या
(द) गौरीशंकर
उत्तर-(अ) सीताराम दास

27. 'समाजवाद ही क्यों' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(अ) नरेन्द्र देव
(ब) राममनोहर लोहिया
(स) यूसुफ मेहर
(द) जयप्रकाश नारायण
उत्तर-(द) जयप्रकाश नारायण

28. 1953 में बीकानेर क्षेत्र में किसके द्वारा सोधी संस्कृति की खोज की गई थी?
(अ) धर्मपाल अग्रवाल
(ब) अमलानन्द घोष
(स) ब्रिजेट
(द) जार्ज डेल्स
उत्तर-(ब) अमलानन्द घोष

29. आत्मसम्मान आंदोलन निम्न में से किसके द्वारा चलाया गया?
(अ) ई.वी. रामास्वामी
(ब) भास्करराव जाधव
(स) के. अयप्पन
(द) सी. केसवन
उत्तर-(अ) ई.वी. रामास्वामी

30. ऋग्वेद में किस देवता को 'ऋतस्यगोप' के नाम से संबोधित किया गया है?
(अ) इन्द्र (ब) वरुण
(स) सूर्य (द) चन्द्र
उत्तर-(ब) वरुण

31. 'बादलों का गर्जन' ध्वनि के किस गुण का उदाहरण है?
(अ) अनुनाद
(ब) प्रति ध्वनि
(स) अनुरणन
(द) व्यतिकरण
उत्तर-(स) अनुरणन (Reverberation)

32. प्रकाश का कणिका सिद्धांत किसके द्वारा दिया गया था?
(अ) हाइजीन्स (ब) न्यूटन
(स) फीजो (द) स्नेल
उत्तर-(ब) न्यूटन

33. पृथ्वी तल की अपेक्षा चन्द्र तल पर अधिक ऊंची छलांग लगा पाना किस कारण से संभव हो पाता है?
(अ) चन्द्रमा के आकार का छोटा होना
(ब) चन्द्रमा पर गैसों की अधिकता का होना
(स) पृथ्वी की तुलना में चन्द्र तल का गुरुत्वाकर्षण कम होना
(द) चन्द्रमा पर भार महसूस ना होना
उत्तर-(स) पृथ्वी की तुलना में चन्द्र तल का गुरुत्वाकर्षण कम होना

34. मानव आंख के रेटिना पर बनने वाले प्रतिबिम्ब की प्रकृति कैसी होती है?
(अ) आभासी, सीधा
(ब) आभासी, उल्टा
(स) वास्तविक, उल्टा
(द) वास्तविक, सीधा
उत्तर-(स) वास्तविक, उल्टा

35. 'ब्रोंकाइटिस' नामक रोग में मानव शरीर का कौन सा अंग प्रभावित होता है?
(अ) फेफड़े (ब) नाक
(स) श्लेष्मा झिल्ली (द) लिवर
उत्तर-(स) श्लेष्मा झिल्ली

36. निम्न में से कौन सा हॉर्मोन विटामिन डी के साथ मिलकर रक्त में कैल्शियम और फॉस्फेट को विनियमित करता है?
(अ) पैराथाइराइड
(ब) थाइरॉक्सिन
(स) ग्लूकैगॉन
(द) थायराइड
उत्तर-(अ) पैराथाइराइड

37. मानव शरीर में आमाशय से बाहर आने वाले अधेपाचित भोजन जिसकी प्रकृति अम्लीय होती है उस भोजन का उदासीनीकरण किसके द्वारा किया जाता है?
(अ) अग्नाशय रस (ब) पित्त रस
(स) ग्रहणी स्राव (द) बृहदांत्र स्राव
उत्तर-(ब) पित्त रस

38. मानव रक्त में पाये जाने वाले 'न्यूटोफिल्स' और 'लिम्फोसाइट्स' का निर्माण शरीर का कौन सा अंग करता है?
(अ) लिवर (ब) प्लीहा
(स) वृक्क (द) अस्थि मज्जा
उत्तर-(द) अस्थि मज्जा

39. निम्न में से कौन सा रोग 'थाइरॉक्सिन' नामक हॉर्मोन के असंतुलन के कारण नहीं होता है?
(अ) एड्रीनल विरिलिज्म
(ब) मिक्सिडिमा
(स) टॉक्सिक ग्वाइटर
(द) एक्सोप्थेलमिक ग्वाइटर
उत्तर-(अ) एड्रीनल विरिलिज्म

40. निम्न में से कौन सा हॉर्मोन एड्रीनल कॉर्टेक्स द्वारा स्रावित नहीं होता है?
(अ) ग्लूकोकार्टिक्वायर्ड्स
(ब) मिनरलोकॉर्टिक्वायट्स
(स) लिंग हॉर्मोन
(द) एड्रीनेलीन
उत्तर-(द) एड्रीनेलीन

41. DRDO ने किस न्यू जनरेशन परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है?
(अ) अग्नि प्राइम
(ब) पृथ्वी-थ्री
(स) अग्नि चतुर्थ
(द) ब्रह्मोस-25
उत्तर-(अ) अग्नि प्राइम

42. डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने के लिये असम सरकार ने किसके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं?
(अ) माइक्रोसाफ्ट (ब) गूगल
(स) फेसबुक (द) वर्ल्ड बैंक
उत्तर-(ब) गूगल

43. काठमांडू में आयोजित एनएससी-सीएवीए महिला वॉलीबॉल चैलेंज कप का खिताब किस देश ने जीता है?
(अ) कजाकिस्तान (ब) मालदीव
(स) भारत (द) किर्गिस्तान
उत्तर-(स) भारत

44. IN-SPACE की नई डिजाइन लैब अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए कहां स्थापित की गई है?
(अ) बेंगलुरु
(ब) अहमदाबाद
(स) पुणे
(द) दिल्ली
उत्तर-(ब) अहमदाबाद

45. 'युद्ध और महिलाएं' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(अ) डॉ. एम.ए. हसन
(ब) सलमान रश्दी
(स) लेखनाथ छेत्री
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(अ) डॉ. एम.ए. हसन

46. भारत के दूसरे सबसे लम्बे केबल आधारित ऑन लेन ब्रिज का उद्घाटन कहां पर किया गया?
(अ) आंध्रप्रदेश
(ब) गोवा
(स) केरल
(द) तमिलनाडु
उत्तर-(ब) गोवा (जुआरी ब्रिज)

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच बने मलिंगा

मुंबई, भारत की सबसे लोकप्रिय घरेलू ट्वेंटी-20 प्रतियोगिता आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस ने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। मलिंगा टीम में शेन बॉन्ड की जगह लेंगे। बॉन्ड हाल ही में मुंबई इंडियंस से अलग हो गए हैं। मुंबई इंडियन टीम ने ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी। मलिंगा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में खेल चुके हैं। मलिंगा ने वर्ष 2009 से 2019 तक मुंबई इंडियंस के लिए 122 मैच खेले हैं, इन मैचों में मलिंगा ने 170 विकेट लिए हैं। मलिंगा इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाजी कोच भी रह चुके हैं। इसके अलावा मलिंगा वर्ष 2018 में मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी सलाहकार भी रह चुके हैं। मलिंगा ने ट्वेंटी-20 क्रिकेट में 295 मैचों में 390 विकेट लिए हैं, इनमें 107 विकेट अंतर्राष्ट्रीय ट्वेंटी-20 क्रिकेट में लिए हैं।

विश्व कप में भारत की लगातार पांचवीं जीत

भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

धर्मशाला, आईसीसी वन-डे विश्व कप में भारतीय टीम का विजयी अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर विश्व कप में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ भारतीय टीम अंक तालिका में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर आ गई है।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय टीम को पहली सफलता मोहम्मद सिराज ने दिलाई। सिराज ने पारी के चौथे ओवर में डेवॉन कॉन्वे को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। इसके बाद विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे मोहम्मद शमी ने विल यंग (17) को आउट कर न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट गिरा दिया। इसके बाद रचिन रवींद्र और डेरिल मिशेल ने पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 159 रनों की साझेदारी हुई। रचिन ने 75 रन बनाये वहीं डेरिल मिशेल (130) ने अपने वन-डे कॅरियर का पांचवां शतक बनाया। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद न्यूजीलैंड की पारी बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 273 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को एक बार फिर रोहित शर्मा और शुभमन गिल तेज ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 11.1 ओवरों में 71 रन जोड़े। शुभमन ने 26 रन बनाये वहीं रोहित 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने मोर्चा संभाला। कोहली ने श्रेयस अय्यर (33), के.एल. राहुल (27) और रवींद्र जडेजा (39) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। कोहली छक्का लगाकर शतक पूरा करने के प्रयास में आउट हो गए। उन्होंने 95 रनों की बेहतरीन पारी खेली। भारत ने 48 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

- **विराट कोहली के वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 48 शतक हो गए।**
- **वन-डे में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में कोहली सचिन (49) से एक कदम पीछे हैं।**
- **कोहली अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 26 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।**
- **वन-डे विश्व कप में भारत ने लगभग 20 वर्ष बाद न्यूजीलैंड को हराया है।**
- **मोहम्मद शमी वन-डे विश्व कप में दो बार पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने।**

वर्स्टापेन ने जीती यूएस ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस

ऑस्टिन, नीदरलैंड्स के अनुभवी कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने यूएस ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस में शानदार जीत दर्ज की है। वर्स्टापेन ने 56 लैप की इस रेस को 1 घंटा 42 मिनट 11 सेकेंड में पूरा किया। रेस में सात बार के फॉर्मूला-वन चैम्पियन लुईस हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे। रेस में चार्ल्स लेकलर्क तीसरे, सर्जियो पेरेज चौथे और जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे। इस सत्र में वर्स्टापेन का प्रदर्शन बेहद लाजवाब रहा है। वर्स्टापेन ने इस सत्र में 18 में से 15 रेस जीती हैं।

बेन शेल्टन ने जीता जापान ओपन टूर्नामेंट

टोक्यो, अमेरिका के युवा टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। शेल्टन ने टूर्नामेंट के फाइनल में रूसी टेनिस खिलाड़ी असलान करातसेव को हराया। शेल्टन ने 84 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में करातसेव को 7-5, 6-1 से मात दी। मैच का पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में करातसेव ने शेल्टन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे सेट में शेल्टन के तेजतर्रार खेल के सामने रूसी खिलाड़ी टिक नहीं पाए और शेल्टन ने आसानी से जीत दर्ज की। ये शेल्टन के टेनिस कॅरियर का पहला एटीपी खिताब है। बेन शेल्टन के पिता ब्रायन शेल्टन भी एटीपी टूर खिताब जीत चुके हैं।

बोर्निल आकाश ने एशियन जूनियर बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

चेंगदू, भारत के उभरते शटलर बोर्निल आकाश चांगमाई ने चीन में आयोजित बैडमिंटन एशिया जूनियर चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए बालकों के अंडर-15 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

आकाश ने अंडर-15 एकल वर्ग के फाइनल में चीन के फैन होंग जुआन को 21-19, 21-13 से हराया। 34 मिनट तक चले मुकाबले में आकाश अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी नजर आये। पहले गेम में आकाश को जुआन से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन दूसरे गेम में आकाश के बेहतरीन शॉट का जुआन के पास कोई जवाब नहीं था। आकाश ने दूसरा गेम 21-13 के बड़े अंतर से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

टूर्नामेंट में आकाश के अलावा तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वे खिताब जीतने से चूक गईं। टूर्नामेंट में बालिकाओं की अंडर-17 वर्ग के एकल फाइनल में तन्वी का सामना थाईलैंड की यतावीमिन केटक्लिएंग से हुआ। फाइनल में केटक्लिएंग ने तन्वी को 21-17, 11-21, 21-19 से हराया।

- **एशियन जूनियर चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय शटलर हैं आकाश।**
- **इससे पहले वर्ष 2013 में सिरिल वर्मा बने थे एशियन जूनियर चैम्पियन।**

यूएफा ने इजराइल में मैचों को किया निलंबित

जेरूशलम, यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) ने घोषणा की है कि उसका कोई भी मैच अगली सूचना तक इजराइल में आयोजित नहीं किया जाएगा। यूएफा ने कहा कि उसने इजराइल के पूरे क्षेत्र में वर्तमान सुरक्षा स्थिति का गहन मूल्यांकन करने के बाद निर्णय लिया। यूएफा ने इजराइल के क्लब मैकाबी हाइफा, जो यूरोपा लीग में भाग लेता है और मैकाबी तेल अवीव, जो यूएफा यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग में भाग लेता है, को इजराइल फुटबॉल एसोसिएशन के साथ मिलकर अपने घरेलू मैचों के लिए इजराइल के बाहर वैकल्पिक स्टेडियम की पेशकश करने को कहा है। मैकाबी हाइफा का अगला मुकाबला 26 अक्टूबर को स्पेनिश क्लब विलारियल से होना था, लेकिन यह मुकाबला अब 6 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं मैकाबी तेल अवीव का यूक्रेन के जोर्या लुहान्स्क के खिलाफ खेला जाने वाला मैच 25 नवंबर तक के लिए स्थगित किया गया है।

वेंग होंगयांग ने जीता डेनमार्क ओपन बैडमिंटन खिताब

ओडेंस, चीन के शटलरों ने डेनमार्क ओपन में अपना दबदबा बनाते हुए पांच में से चार खिताब जीते हैं। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब वेंग होंगयांग ने जीता। होंगयांग ने फाइनल में मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया को आसान मुकाबले में 21-12, 21-6 से हराया।

फाइनल मैच में होंगयांग के मुकाबले जिया को जीत का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन होंगयांग ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले ली जी जिया फाइनल में लयहीन नजर आये। होंगयांग ने पहले गेम में जिया को 21-12 से हराया। दूसरे गेम में होंगयांग की चुनौती के सामने जिया ने जल्द घुटने टेक दिए और 21-6 से गेम हार गए।

महिला वर्ग में चेन यूफेई बनीं चैम्पियन

टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब चीन की ओलिंपिक चैम्पियन चेन यूफेई ने जीता। यूफेई ने फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन को 21-14, 21-19 से हराया। मैच के पहले गेम में यूफेई ने आसानी से 21-14 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कैरोलिना मारिन ने वापसी की कोशिश करते हुए यूफेई को टक्कर दी, लेकिन यूफेई के शानदार खेल के सामने मारिन टिक नहीं पाईं। यूफेई ने दूसरा गेम 21-19 से जीतकर खिताब पर कब्जा किया।

पैरा एशियन गेम्स

भारतीय एथलीटों ने जमकर जीते पदक

हांगझोउ, भारतीय एथलीटों ने चीन में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में अपने जौहर का जमकर प्रदर्शन किया है। भारतीय एथलीटों ने पैरा एशियन गेम्स में समाचार लिखे जाने तक 18 स्वर्ण, 21 रजत और 38 कांस्य सहित कुल 77 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत पदक तालिका में छठवें स्थान पर काबिज है। पदक तालिका में चीन पहले, ईरान दूसरे और जापान तीसरे स्थान पर है।

एथेलेटिक्स में मिले सबसे ज्यादा पदक

पैरा एशियन गेम्स में भारत ने सबसे ज्यादा पदक एथेलेटिक्स खेल में जीते। एथेलेटिक्स में भारत ने 14 स्वर्ण, 14 रजत और 14 कांस्य पदक जीते। पुरुषों की ऊंची कूद टी-63 वर्ग में शैलेष कुमार ने पैरालिंपिक चैम्पियन मरियप्पन थंगावेलु को हराकर स्वर्ण पदक जीता। ऊंची कूद के टी-47 वर्ग में निशाद कुमार तथा टी-64 वर्ग में प्रवीण कुमार ने स्वर्ण जीता। इनके अलावा नीरज यादव ने पुरुष चक्काफेंक एफ-54 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं प्रणव सूरमा पुरुषों के क्लब थ्रो एफ-51 वर्ग में, अंकुर धमा पुरुषों की 5 हजार मीटर टी-11 वर्ग में चैम्पियन बने।

- **भाला फेंक में सुमित अंतिल ने एशियन रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण पदक।**
- **मध्यप्रदेश के मनीष कौरव ने पैरा कैनोइंग ने जीता कांस्य पदक।**

अवनि का स्वर्ण पदक पर निशाना

भारत की महिला निशानेबाज अवनि लखेरा ने पैरा एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक पर निशाना लगाया। अवनि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच-1 स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। अवनि ने स्पर्धा में 249.6 अंक अर्जित कर पैरा एशियन गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। अवनि के अलावा रूबीना फ्रांसिस ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 वर्ग में रजत पदक जीता।

मध्यप्रदेश की प्राची ने रचा इतिहास

पैरा एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश की प्राची यादव का प्रदर्शन शानदार रहा। प्राची ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। प्राची ने पैरा कैनोइंग (पाल नौकायन) केएल-2 वर्ग स्वर्ण पदक जीता, इसके साथ ही वे इस खेल मे स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा प्राची ने पैरा कैनोइंग वीएल-2 वर्ग में रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में प्राची ने 500 मीटर की दूरी 54.96 सेकेंड में पूरी की।

पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी का निधन

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी का निधन हो गया है। वे 77 वर्ष के थे। बिशन सिंह बेदी ने वर्ष 1966 से 1979 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

बिशन सिंह बेदी ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण 31 दिसम्बर 1966 को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में किया था। वे वर्ष 1979 तक भारतीय टीम के प्रमुख सदस्य रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के लिए 67 मैच खेले, जिनमें उन्होंने 28.71 की औसत से 266 विकेट लिए। बिशन सिंह बेदी स्पिन की हर कला में निपुण थे। बेदी भारत की उस स्पिन चौकड़ी का हिस्सा थे, जिसमें उनके अलावा इरापल्ली प्रसन्ना, भागवत चंद्रशेखर और श्रीनिवास वेंकटराघवन जैसे गेंदबाज शामिल थे।

बिशन सिंह बेदी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। उन्होंने 22 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कमान संभाली है, इनमें से 6 मैचों में भारतीय टीम को जीत मिली है। इसके अलावा बिशन सिंह बेदी भारतीय क्रिकेट टीम के कोच और राष्ट्रीय चयनकर्ता भी रह चुके हैं।

- **बिशन सिंह बेदी ने भारत के लिए 10 वन-डे अंतर्राष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।**
- **पहला वन-डे मैच जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं बिशन सिंह बेदी।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

बांग्लादेश में दो ट्रेनों की टक्कर 20 से अधिक की मौत

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ जिसमें दो ट्रेनें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा किशोरगंज के भैरब में हुआ, जब एक यात्री ट्रेन से जाकर एक मालगाड़ी टकरा गई। आशंका है कि हादसे में मरने वालों और घायलों की संख्या और बढ़ सकती है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना राजधानी ढाका से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) दूर भैरब में हुई। स्थानीय पुलिस अधिकारी सिराजुल इस्लाम ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि राहत-बचाव अभियान जारी है।

पाक एयरलाइंस के पास ईंधन खत्म, 24 उड़ानें रद्द

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) कंगाली की कगार पर है। हाल यह है कि ईंधन के लिए भी उसके पास पैसे नहीं हैं। वह बकाया राशि का भुगतान भी नहीं कर पा रही है। वह उड़ानों का ठीक से संचालन नहीं कर पा रही। घाटे में चल रही पीआईए को 16 अंतरराष्ट्रीय और आठ घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। कुछ उड़ानों में देरी होने की आशंका भी बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीआईए को भी 11 अंतरराष्ट्रीय और 13 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रिपोर्ट्स में पीआईए के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है कि दैनिक आधार पर और परिचालन कारणों से पीआईए विमानों के लिए सीमित ईंधन आपूर्ति के कारण उड़ानें रद्द कर दी गईं।

अंतरिक्ष से पृथ्वी को मिला आठ अरब साल पुराना रेडियो सिग्नल

एस्ट्रोनोमर्स ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आए एक रेडियो सिग्नल का पता लगाया है। अंतरिक्ष में एक रहस्यमयी धमाके की वजह से पैदा हुए रेडियो वेव को पृथ्वी तक पहुंचने में आठ अरब साल लगे हैं। एस्ट्रोनोमर्स का कहना है कि यह पृथ्वी से अरबों किलोमीटर दूर मौजूद दो आकाशगंगाओं के मिलन की वजह से हुए धमाके का सिग्नल है। इस तरह के सिग्नल को फास्ट रेडियो बर्स्ट कहा जाता है। अभी तक इसकी सही से व्याख्या नहीं हो पाई है।

बेल्ट और रोड फोरम बैठक संपन्न

चीन के दौरे पर पहुंचे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत दुनिया के 130 देशों के नेताओं के सामने बेल्टक एंड रोड परियोजना की तारीफ की है। पुतिन ने बीआरआई को चीन की एक सफल योजना बताया। पुतिन ने कहा कि जब हम कुछ बड़ा शुरू करते हैं तो हम यह उम्मीद करते हैं कि यह सफल होगा। लेकिन बीआरआई के वैश्विक स्तर का होने की वजह से यह अपेक्षा करना कि सब कुछ अच्छा होगा, मुश्किल था लेकिन हमारे चीनी दोस्तों ने यह कर दिखाया।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हुईं सम्मिलित

समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने से विश्व कल्याण में मिलेगी मदद

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु बिहार के दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्राचीनकाल से ही बिहार प्रतिभाओं को निखारने के लिए जाना जाता रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर चाणक्य और आर्यभट्ट जैसे महान विद्वानों ने समाज और राज्य व्यवस्था के साथ-साथ गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस बात पर गर्व है कि विश्व की पहली लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं बिहार की धरती पर ही फली-फूलीं हैं।

दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों के साथ में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

महावीर और बुद्ध ने दिया शांति-अहिंसा का संदेश

राष्ट्रपति ने कहा कि इस पवित्र भूमि पर भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने शांति, अहिंसा, करुणा और प्रेम का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने 'अहिंसा परमो धर्म:' के उनके संदेश को नए आयाम दिए। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि भगवान महावीर, भगवान बुद्ध एवं महात्मा गांधी की शिक्षाएं आज और भी अधिक प्रासंगिक हैं तथा हमारे देश की इसी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने से ही विश्व कल्याण में सहायता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि युवा छात्र इन समृद्ध परंपराओं के वाहक हैं। वे चुनाव कर सकते हैं और एक बेहतर समाज, देश और दुनिया के सृजन में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

जनसांख्यिकीय लाभांश से लाभान्वित कर सकते हैं- राष्ट्रपति ने कहा कि कई देश प्रतिभा कमी की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं भारत के प्रतिभाशाली और मेहनती युवा विश्व की कई अर्थव्यवस्थाओं और ज्ञान-विज्ञान की प्रगति में अमूल्य योगदान दे रहे हैं। भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारे युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि छात्र अपनी क्षमताओं का समुचित उपयोग कर देश को जनसांख्यिकीय लाभांश से लाभान्वित कर सकते हैं।

संरक्षण और संवर्धन आवश्यक- जलवायु परिवर्तन के विषय पर राष्ट्रपति ने कहा कि व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर हम सभी को ऐसी जीवन शैली अपनानी होगी तथा इस प्रकार काम करने होंगे जिससे प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग और अधिकतम संरक्षण और संवर्धन हो सके।

कल्याण और परोपकार को बनायें लक्ष्य

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों से अपनी व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ सामाजिक कल्याण और परोपकार के मूल्यों को अपने लक्ष्यों में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समग्र लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास उनकी शिक्षा को सार्थक सिद्ध करने के साथ ही सफलता के द्वार खोलेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार के प्रतिभाशाली लोग देश-विदेश में चौथी औद्योगिक क्रांति में अपना योगदान दे रहे हैं तथा इस प्रदेश के उद्यमशील लोगों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रगति के ऐसे वैश्विक मानक स्थापित करना सभी का लक्ष्य होना चाहिए। अंत में राष्ट्रपति ने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों से इस परिवर्तनकारी काल में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी में आयोजित कॉन्फ्रेंस में बोले मुख्य न्यायाधीश

अमेरिका में भेदभाव करने वाले कानूनों के बनने से गुलामी प्रथा को मिला बढ़ावा

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अमेरिका दौरे के दौरान ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी में आयोजित कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने छठवीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन द अनफिनिश्ड लेगेसी ऑफ डॉ. बीआर आंबेडकर पर कहा कि लीगल सिस्टम को लगातार हाशिए पर रहे समुदायों को दबाने के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, अमेरिका में भेदभाव करने वाले कानूनों के बनने से गुलामी प्रथा को बढ़ावा मिला। जिम क्रॉ के कानूनों के जरिए स्थानीय लोगों को निशाना बनाया गया।

हाशिए पर रहे समुदायों को उठाना पड़ा खामियाजा

अमेरिका और भारत दोनों देशों में लंबे समय तक कई समुदायों को वोट डालने का अधिकार नहीं दिया गया। इस कानून का इस्तेमाल पावर स्ट्रक्चर बनाए रखने और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इसका खामियाजा हाशिए पर रहे समुदायों को लंबे समय तक उठाना पड़ा। कुछ समुदाय समाज की मुख्य धारा से अलग हो गए। इससे हिंसा और बहिष्कार की घटनाएं हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा है कि लीगल सिस्टम ने हाशिए पर रहे समुदायों के खिलाफ इतिहास में हुई गलतियों को कायम रखने में अहम भूमिका निभाई। हाशिए पर रहने वाले सोशल ग्रुप्स को भेदभाव, पूर्वाग्रह और गैर-बराबरी का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहा कि भेदभाव वाले कानूनों के पलटे जाने के बाद भी कई पीढ़ियों को इनका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अफ्रीकन लोगों को छोड़ना पड़ा था देश

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि गुलामी की प्रथा के चलते लाखों अफ्रीकन लोगों को अपना देश छोड़ना पड़ा। अमेरिका के स्थानीय लोगों को अपनी जमीन छोड़कर जाना पड़ा। भारत में जाति प्रथा के चलते निचली जातियों के लाखों लोगों को शोषण का शिकार होना पड़ा। महिलाओं, एलजीबीटी समुदाय और दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को दबाया गया। इतिहास अन्याय के ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत में आजादी के बाद शोषण सहने वाले समुदायों के लिए कई नीतियां बनाई गईं। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और रिप्रजेंटेशन के मौके दिए गए। हालांकि, संवैधानिक अधिकारों के बावजूद समाज में महिलाओं को भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। जातिगत आधार पर भेदभाव पर बैन लगने के बाद भी पिछड़े समुदायों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं सामने आती हैं।

श्री जयशंकर का चार दिवसीय दौरा संपन्न

भारत और वियतनाम के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वियतनामी समकक्ष बुई थान सोन के निमंत्रण पर 15-18 अक्टूबर 2023 तक वियतनाम की आधिकारिक यात्रा के दौरान वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से भी मुलाकात की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश संबंध आयोग के प्रमुख ले होई त्रुंग के साथ भी चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने आर्थिक, व्यापार, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर 18वीं भारत-वियतनाम संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग सहित भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।

विचारों का किया आदान-प्रदान - विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, दोनों मंत्रियों ने व्यापार, व्यापार आदान-प्रदान, ऊर्जा, वित्तीय, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, विकास सहयोग, न्याय, पर्यटन, थिंकटैंक, सांस्कृतिक और लोगों के आपसी संबंधों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों को रेखांकित करते हुए संयुक्त आयोग की बैठक के कार्यवृत्त पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन रिपोर्ट वर्ष 2023

अमीर देशों में भारत को मिला सबसे ज्यादा वीजा

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के देशों में माइग्रेशन के मामले में भारतीय सबसे आगे हैं। विदेशी नागरिकता पाने की सूची में भी भारतीय लोग सबसे आगे हैं। कनाडा और भारत के साथ उपजे तनाव के बाद भी कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवास करते हैं। पेरिस-इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2023 में जारी ओईसीडी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अमीर देश की नागरिकता हासिल करने में सबसे आगे हैं। कनाडा ने मेजबान देशों के बीच 2021 और 2022 के बीच 174 प्रतिशत की सबसे बड़ी आनुपातिक वृद्धि दर्ज की है। साल 2021 के आंकड़ों के मुताबिक ओईसीडी देशों में सबसे ज्यादा नागरिकता पाने में भारत का स्थान शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर मेक्सिको और तीसरे स्थान पर सीरिया है।

60 हजार से अधिक भारतीयों को नागरिकता - ओईसीडी देशों में अमेरिका ने सबसे ज्यादा भारतीयों को नागरिकता दी है। अमेरिका ने 63,500 भारतीयों को नागरिकता दी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 24 हजार भारतीय नागरिकों को अपना नागरिक बनाया है। साल 2021 में 21 हजार भारतीयों ने कनाडा की नागरिकता ली है। वर्ष 2021 में ओईसीडी देशों में भारत के कुल 1 लाख तीस हजार लोगों ने नागरिकता हासिल की है। चीन के 57 हजार लोगों ने ओईसीडी की नागरिकता हासिल की है।

भारतीयों के लिए वीजा फ्री एंट्री - भारत के पड़ोसी श्रीलंका ने भारतीयों को वीजा फ्री एंट्री की मंजूरी दे दी है। भारत के साथ-साथ श्रीलंका ने चीन, रूस, मलेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाईलैंड को वीजा फ्री एंट्री की सुविधा दी है।

ओईसीडी क्या है

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 1961 में आर्थिक प्रगति और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। ओईसीडी में कुल 38 देश सदस्य हैं। ओईसीडी का मुख्यालय फ्रांस में है और इसमें अमीर देश शामिल हैं। ये सभी देश मानव विकास सूचकांक में अपनी शीर्ष रैंकिंग के लिए जाने जाते हैं। इसके आधार पर ही देशों को विकसित और अमीर माना जाता है। इनकी संयुक्त जनसंख्या लगभग 1.38 अरब है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।